THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 355 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.4 2081 मंगलवार, 18 मार्च-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में एक आतंकी ढेर

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के साथ सटे खुरमोरा राजवार इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया और कुछ आतंकी घेराबंदी तोड़कर भागने में कामयाब रहे। भाग निकले आतंकियों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों का अभियान जारी है। एक सैनिक के घायल होने की सूचना है। अधिकारियों ने यहां बताया कि सुरक्षाबलों ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद जचलदारा के क्रुम्हूरा गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाबलों पर गोलीबारी करने के बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया।

ओबीसी समुदाय को 42 फीसदी आरक्षण : रेवंत रेड्डी

राजनीतिक प्रतिनिधित्व में भी लाभ देने का प्रस्ताव

हैदराबाद, 17 सोमवार (स्वतंत्र वार्ता)। ओबीसी समुदाय के लिए तेलंगाना सरकार ने बड़ा एलान किया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य में शिक्षा, नौकरी और रोजगार तथा राजनीतिक प्रतिनिधित्व में ओबीसी आबादी को 42 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि तेलंगाना विधानसभा के नेता और मुख्यमंत्री के रूप में पूरी गंभीरता से घोषणा करता हूं कि तकनीकी आधार और अथक प्रयासों से किए गए सर्वे के आधार पर तेलंगाना में ओबीसी आबादी 56.36 प्रतिशत है। अब हम शिक्षा, नौकरी, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में इस समूह के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण तय करने का संकल्प ले रहे हैं। इतिहास के सही पक्ष पर रहें और हम में से हर एक इस ऐतिहासिक कदम का चैंपियन बने। उन्होंने लिखा कि तेलंगाना को भारत में सामाजिक क्रांति का नेतृत्व करने पर गर्व है। मुझे गर्व हो रहा है कि भारतीय स्वतंत्रता के बाद से पिछड़े समूहों की सबसे लंबे समय से लंबित मांग, पिछड़ी जातियों से संबंधित हमारे भाइयों और बहनों की आधिकारिक जनगणना में गिनती और मान्यता की इच्छा आखिरकार पूरी हो गई है।

इससे पहले सीएम रेवंत रेड्डी ने विधानसभा में कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वादा किया था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो ओबीसी आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत किया जाएगा। सत्ता संभालने के तुरंत बाद लोगों की सरकार ने चार फरवरी 2024 को ओबीसी जाति जनगणना शुरू की। पिछली सरकार ने ओबीसी आरक्षण को 37 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए राज्यपाल को प्रस्ताव भेजा था। हमारी सरकार पहले के प्रस्ताव को वापस ले रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक अवसरों में ओबीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण का नया प्रस्ताव भेज रही है। >14

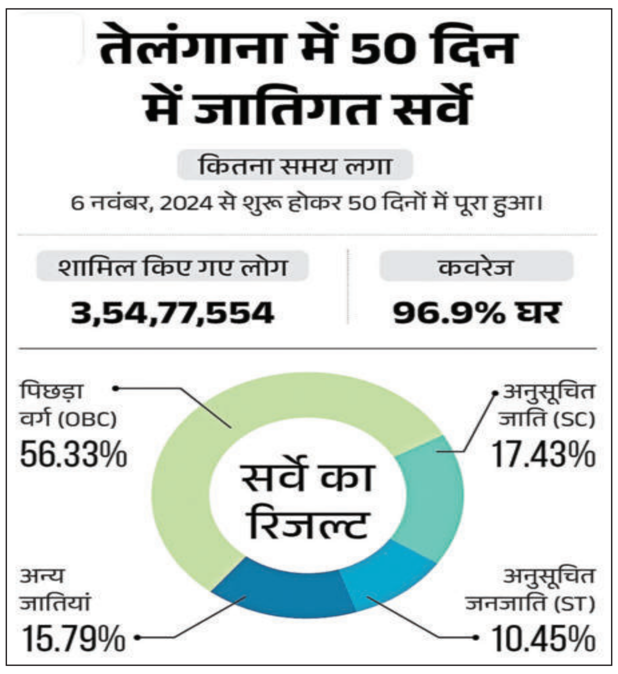

जस्टिस जॉयमाल्या बागची बने सुप्रीम कोर्ट के जज

> शीर्ष अदालत में अब 33 न्यायाधीश, एक पद रिक्त

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने कलकत्ता हाईकोर्ट के जज जॉयमाल्या बागची को सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई। प्रधान न्यायाधीश ने शीर्ष अदालत के परिसर में आयोजित एक समारोह में सुप्रीम कोर्ट के अन्य न्यायाधीशों की उपस्थिति में न्यायमूर्ति बागची को शपथ दिलाई।

न्यायमूर्ति बागची के शपथ ग्रहण करने के साथ ही शीर्ष अदालत में 33 न्यायाधीश हो गए हैं। शीर्ष कोर्ट के न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 है। जस्टिस बागची का शीर्ष अदालत में कार्यकाल छह वर्ष से अधिक का होगा। इस दौरान वह प्रधान न्यायाधीश के रूप में भी कार्यभार संभालेंगे।

पांच महीने तक संभालेंगे सीजेआई का पद :

जस्टिस बागची न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन के 25 मई 2031 को सेवानिवृत्त होने पर दो अक्टूबर 2031 को अपनी सेवानिवृत्ति तक भारत के प्रधान न्यायाधीश का पद संभालेंगे। जस्टिस बागची की जन्मतिथि तीन अक्टूबर 1966 है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के रूप में नियुक्ति के लिए न्यायमूर्ति बागची के नाम को 10 मार्च को मंजूरी दी थी। इससे पहले प्रधान न्यायाधीश खन्ना की अगुवाई वाले पांच सदस्यीय कॉलेजियम ने छह मार्च को उनके नाम की सिफारिश की थी। इस कॉलेजियम में जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस विक्रम नाथ भी शामिल थे। कॉलेजियम ने कहा था कि 18 जुलाई 2013 को न्यायमूर्ति अल्तमस कबीर के सेवानिवृत्त होने के बाद से कलकत्ता उच्च न्यायालय का कोई भी न्यायाधीश भारत का प्रधान न्यायाधीश नहीं बना है। जस्टिस बागची को 27 जून 2011 को कलकत्ता हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। उन्हें चार जनवरी 2021 को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में स्थानांतरित किया गया था। जस्टिस बागची को आठ नवंबर 2021 को कलकत्ता हाईकोर्ट वापस भेज दिया गया और तब से वह वहीं कार्यरत थे। उन्होंने हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में 13 वर्षों से अधिक समय तक कार्य किया है। जस्टिस जॉयमाल्या बागची हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की संयुक्त अखिल भारतीय वरिष्ठता में 11वें स्थान पर हैं, जिसमें मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हैं।

तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव गिरा

पक्ष में 62 तो विरोध में 154 मत पड़े

चेन्नई, 17 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव गिर गया है। विधानसभा में 62 सदस्यों ने तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष एम. अप्पावु के खिलाफ एआईएडीएमके द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया। इसके उलट 154 सदस्यों ने इसका विरोध किया। अप्पावु की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष के. पिचंडी ने सदन की कार्यवाही का संचालन किया। विपक्षी पार्टी ने आरोप लगाया था कि अध्यक्ष अप्पावु कार्यवाही के दौरान पक्षपातपूर्ण थे। उन्होंने तमिलनाडु विधानसभा के अंदर डीएमके कार्यकर्ता की तरह काम किया।

इससे पहले तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने विधानसभा अध्यक्ष अप्पावु के खिलाफ एआईएडीएमके द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर कहा, विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर लोग हंसेंगे। आज इस प्रस्ताव के जरिए लोगों को पता चलेगा कि अध्यक्ष कैसे काम करते हैं। अध्यक्ष का काम हमेशा निष्पक्ष रहा है। इसलिए हमने उन्हें अध्यक्ष घोषित किया।

वह हमारी सरकार या पार्टी के प्रभाव के बिना काम करते हैं...'। स्टालिन ने कहा कि मैं अध्यक्ष की कार्यवाही से खुश हूं। चूंकि सरकार में कोई दोष खोजने का मौका नहीं है, इसलिए ऐसे प्रस्ताव लाए जाते हैं। यह विधानसभा इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगी।

चंद्रबाबू नायुडू का तंज : क्या मातृभाषा में पढ़ने वाले ही आगे बढ़ते हैं?

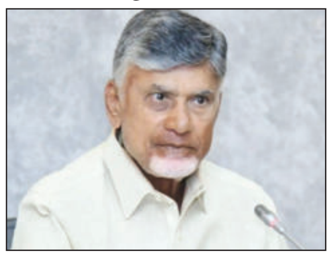

अमरावती, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार और तमिलनाडु के बीच चल रहे भाषा विवाद के बीच आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जो लोग अपनी मातृभाषा में पढ़ते हैं, वे दुनिया भर में आगे बढ़ रहे हैं। यह गलत धारणा है कि केवल अंग्रेजी भाषा ही ज्ञान की गारंटी दे सकती है।

विधानसभा में नायुडू ने कहा कि भाषा केवल संचार के लिए होती है। भाषा से ज्ञान नहीं आएगा। केवल वे लोग जो अपनी मातृभाषा में पढ़ते हैं, वे दुनिया भर में आगे बढ़ रहे हैं। मातृभाषा के माध्यम से सीखना आसान है। सीएम ने कहा कि मैं आपको यह बहुत स्पष्ट रूप से बता रहा हूं। भाषा नफरत के लिए नहीं है। आंध्र प्रदेश में मातृभाषा तेलुगु है। हिंदी राष्ट्रीय भाषा है और अंतर्राष्ट्रीय भाषा अंग्रेजी है। उन्होंने कहा कि मातृभाषा को भूले बिना आजीविका के लिए यथासंभव अधिक से अधिक भाषाएं सीखना महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय भाषा सीखने से दिल्ली में हिंदी में धाराप्रवाह बातचीत संभव होगी। बहुत से लोग जापान और जर्मनी जैसे दूसरे देशों में जा रहे हैं, इसलिए अगर वे भाषाएं यहां भी सीखी जा सकें, तो लोगों के लिए उन विदेशी गंतव्यों पर जाना बहुत आसान हो जाएगा। सीएम ने कहा कि भाषाओं पर राजनीति करने की कोई जरूरत नहीं है। जितना संभव हो उतनी भाषाएं सीखी जाएं।

'भारत के बिना समृद्ध नहीं हो सकता मालदीव'

द्वीप राष्ट्र के पूर्व राष्ट्रपति नशीद का बयान

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने सोमवार को भारत के साथ अच्छे संबंधों की सराहना की। उन्होंने कहा कि द्वीप राष्ट्र की समृद्धि और सुरक्षा के लिए भारत के साथ अच्छे संबंध जरूरी हैं। नशीद 'रायसीना डायलॉग-2025' में भाग लेने के लिए दिल्ली में हैं।

भारत के बिना समृद्ध नहीं हो सकता मालदीव :

नशीद ने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत के साथ अच्छे संबंधों के बिना मालदीव समृद्ध हो सकता है। हमारी सुरक्षा, समृद्धि और स्थिरता हमारे अच्छे संबंधों पर निर्भर करती है।

गंभीर ऋण संकट का सामना कर रहा द्वीप राष्ट्र :

नशीद ने यह बयान उस समय दिया, जब मालदीव गंभीर ऋण संकट का सामना कर रहा है। चीन के ऋण देने के तरीके और व्यापार नीतियों से कर्ज और बढ़ा है। उन्होंने कहा, पहले (मालदीव में) सरकारों के बदलने से भारत के साथ संबंध अच्छे और बुरे होते रहे हैं, लेकिन हाल ही में नई सरकार ने भी भारत के साथ अपने मतभेदों को दूर किया है।

चीन के साथ एफटीए से मालदीव को नुकसान हुआ

नशीद ने यह भी बताया कि मौजूदा सरकार चीन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लागू करने में कठिनाई महसूस हो रही है। उन्होंने कहा, मालदीव-चीन मुक्त व्यापार समझौता जनवरी 2025 में लागू हुआ, जो देश की आर्थिक स्थिति को और कमजोर कर रहा है, क्योंकि मालदीव के निर्यात का हिस्सा बहुत कम है।

मालदीव के सरकारी राजस्व में 64 प्रतिशत गिरावट

एफटीए के तहत मालदीव ने चीन से आयात किए 91 प्रतिशत सामान पर टैरिफ हटा दिया है। इसके कारण सरकारी राजस्व में 64 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे मालदीव की आर्थिक स्थिति और भी कमजोर हो गई है। इसके अलावा, यह समझौता मालदीव के पर्यटन क्षेत्र को चीन की कंपनियों और वित्तीय संस्थाओं के लिए खोलता है, जिसका ज्यादा लाभ चीनी कंपनियों को हो रहा है, जबकि मालदीव की अर्थव्यवस्था को कोई खास लाभ नहीं मिल रहा है।

चंद्रयान-5 मिशन को केंद्र की मंजूरी

चंद्रमा की सतह की स्टडी के लिए 250केजी का रोवर ले जाएगा, यह चंद्रयान-3 से 10 गुना ज्यादा वजनी

बेंगलुरू, 17 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने रविवार को बताया कि केंद्र सरकार ने चंद्रयान-5 मिशन को मंजूरी दे दी है। वे बेंगलुरू में इसरो चीफ का पदभार संभालने के बाद एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने बताया- अभी तीन दिन पहले ही हमें चंद्रयान-5 मिशन के लिए मंजूरी मिली है। इसमें जापान हमारा सहयोगी होगा। चंद्रयान-3 मिशन के लिए 25 किलोग्राम का रोवर (प्रज्ञान) ले जाया गया था, जबकि चंद्रयान-5 मिशन चंद्रमा की सतह का अध्ययन करने के लिए 250 किलोग्राम वजनी रोवर ले जाएगा। आगे के प्रोजेक्ट के बारे में नारायणन ने कहा- 2027 में लॉन्च होने वाले चंद्रयान-4 मिशन का मकसद चंद्रमा की मिट्टी के नमूने लाना है। वहीं, गगनयान सहित कई मिशनों के अलावा अंतरिक्ष में भारत का अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने की योजनाओं पर काम चल रहा है।

कांग्रेस बोली-रेलवे वेंटिलेटर पर, रील बनाने से नहीं सुधरेगा

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। बजट सत्र के दूसरे फेज का सोमवार को चौथा दिन है। लोकसभा में महाराष्ट्र से कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने लोकसभा में रेल मंत्री पर निशाना साधा। कहा कि जब कोई सार्वजनिक उपक्रम वेंटिलेटर पर हो, तब इंस्टाग्राम रील बनाने से कुछ नहीं होता। यह सरकार के खराब प्रबंधन का असर है। वर्षा गायकवाड़ अनुदान की मांगों पर चर्चा में हिस्सा ले रही थीं। उन्होंने ये भी कहा कि दावा किया जाता है कि रेल बजट अभूतपूर्व बदलाव किए गए, जबकि ये गलत है। सच ये है कि ये फेल बजट है। मौजूदा सरकार यही नरेटिव बनाने की कोशिश करती है कि हर विकास 2014 के बाद हुआ। जबकि तथ्य ये हैं कि पब्लिक सेक्टर के उपक्रम खराब स्थिति में हैं। >14

भारत की विश्व धरोहर स्थल की संभावित सूची में छह नए केंद्र जोड़े गए, केंद्रीय मंत्री ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को बताया कि यूनेस्को ने विश्व धरोहर केंद्रों की भारत की अस्थायी सूची में छह स्थलों को शामिल किया है। जिन स्थलों को सूची में जगह दी गई है, उनमें तेलंगाना के मुदुमल मेगालिथिक मेनहिर, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बुंदेलों के समय के महल किले आदि शामिल हैं। लोकसभा में जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ में कांगर घाटी नेशनल पार्क, मौर्य रूट पर पड़ने वाले अशोक शिलालेख, चौसठ योगिनी मंदिर और उत्तर भारत के गुप्त कालीन मंदिर स्थल भी इस सूची में हैं।

भारत के 43 केंद्र यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल :

दरअसल लोकसभा में भाजपा सांसद संबित पात्रा ने पुरी की जगन्नाथ रथ यात्रा को यूनेस्को की सांस्कृतिक धरोहर सूची में शामिल करने का सुझाव दिया। इस पर शेखावत ने इस सुझाव की तारीफ की और बताया कि 7 मार्च को छह नए स्थलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। गौरतलब है कि यदि किसी स्थल को भविष्य में विश्व धरोहर सूची में शामिल करने के लिए नामांकित किया जाना है, तो विश्व धरोहर केंद्र की अस्थायी सूची में उसका नाम शामिल होना अनिवार्य है। भारत में अब 62 स्थल अस्थायी विश्व धरोहर सूची में शामिल हैं। वर्तमान में भारत के कुल 43 केंद्र यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल हैं, जिनमें से 35 सांस्कृतिक श्रेणी में और सात प्राकृतिक और एक मिश्रित श्रेणी में शामिल हैं।

भारत ने साल 2024 में पहली बार विश्व धरोहर समिति की बैठक की मेजबानी की, जिसमें असम में अहोम राजवंश के सदस्यों को दफनाने के लिए बने-मोइदम को प्रतिष्ठित यूनेस्को टैग दिया गया। तेलंगाना के नारायणपेट जिले में स्थित मुदुमल मेगालिथिक मेनहिर करीब 3500-4000 साल पुराने हैं। अभी तेलंगाना से सिर्फ रामप्पा मंदिर ही यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

आरजी कर मामले की जांच नए सिरे से कराने की मांग निरस्त

> सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट जाने को कहा

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आरजी कर केस मामले की जुड़ी एक याचिका को निरस्त कर दिया है। दरअसल यह याचिका पीड़िता के परिजनों ने लगाई थी, जिसमें आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले की जांच सीबीआई द्वारा फिर से कराए जाने की मांग की गई थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश सीजेआई संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता कलकत्ता हाईकोर्ट में अपनी याचिका लगा सकते हैं। पीड़िता के परिजनों की तरफ से वरिष्ठ वकील करुणा नंदी अदालत में पेश हुईं। वहीं सीबीआई की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए।

कैग की नियुक्ति की मौजूदा प्रक्रिया को चुनौती, केंद्र से जवाब तलब :

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस जनहित याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा, जिसमें भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की नियुक्ति केवल कार्यपालिका और प्रधानमंत्री की ओर से करने के मौजूदा चलन को संविधान का उल्लंघन घोषित किए जाने का अनुरोध किया गया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन' द्वारा दायर जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया और उसे इसी मुद्दे पर लंबित मामले के साथ संलग्न कर दिया। एनजीओ की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि सवाल संस्था की स्वतंत्रता का है। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र जैसे राज्यों, जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में है, में कैग की लेखा परीक्षा को बाधित किया जा रहा है। जनहित याचिका में न्यायालय से यह निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है कि राष्ट्रपति कैग की नियुक्ति प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के प्रधान न्यायाधीश वाली एक स्वतंत्र और तटस्थ चयन समिति के परामर्श से तथा पारदर्शी तरीके से करें। इसमें कहा गया है कि कैग की नियुक्ति का निर्देश सूचना आयोगों और केंद्रीय सतर्कता आयोग सहित अन्य निकायों की नियुक्ति के समान होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना नोटिस जारी किया

नीतीश कटारा हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव, गृह विभाग को अवमानना नोटिस भेजा है। यह नोटिस सुखदेव यादव उर्फ पहलवान की क्षमा याचिका पर फैसला न करने के लिए जारी किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस में मुख्य सचिव से जवाब मांगा है कि उन्हें 28 मार्च को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश होने का निर्देश दिया। सुखदेव यादव ने 20 साल जेल की सजा काटने के बाद क्षमा याचिका दायर की थी। सुखदेव यादव को नीतीश कटारा हत्याकांड में विकास यादव के साथ दोषी ठहराया गया था। सुखदेव यादव को 20 साल जेल की सजा मिली थी, जो बीती 10 मार्च को पूरी हो गई।

भारत ने अमेरिका के सामने उठाया खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस का मुद्दा

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका की डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस (डीएनआई) तुलसी गबार्ड की भारत यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका में सक्रिय खालिस्तानी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' (एसएफजे) की भारत-विरोधी गतिविधियों का मुद्दा उठाया।

सूत्रों के मुताबिक, भारत ने इस गैरकानूनी संगठन पर अमेरिका से सख्त कार्रवाई की मांग की है। खबर है कि रक्षा मंत्री ने अमेरिकी प्रशासन से ठोस कदम उठाने का आग्रह किया है। गबार्ड भारत की ढाई दिन की यात्रा पर रविवार तड़के राष्ट्रीय राजधानी आईं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के किसी शीर्ष अधिकारी की भारत की यह पहली उच्चस्तरीय यात्रा है। सोमवार को, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान रक्षा और सूचना साझा करने के क्षेत्रों में भारत व अमेरिका के बीच सामरिक संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच अहम समझौते

आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने की प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन दिल्ली में दोनों देशों के बीच हुए कई समझौतों के साक्षी बने। न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य के दौरान पीएम मोदी ने कहा, मैं पीएम लक्सन और उनके मंत्रिमंडल का भारत में स्वागत करता हूं... पीएम लक्सन भारत से जुड़े हुए हैं। हमने देखा कि उन्होंने हाल ही में होली कैसे मनाई... हमें खुशी है कि उनके जैसा युवा नेता रायसीना डायलॉग 2025 में हमारे मुख्य अतिथि हैं...। इस बीच, भारत और न्यूजीलैंड के बीच सोमवार को नई दिल्ली में कई अहम समझौते हुए। इस दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्री मौजूद रहे। समझौते के बाद साझा बयान में बताया गया कि दोनों देशों ने रक्षा साझेदारी को मजबूत और संस्थागत बनाने का फैसला किया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रक्षा उद्योगों में आपसी सहयोग का खाका तैयार किया जाएगा। पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर बातचीत शुरू करने का निर्णय भी लिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अवैध प्रवास के मुद्दे से निपटने के लिए भारत और न्यूजीलैंड के बीच आपस में एक समझौता तैयार करने के लिए काम किया जाएगा। साझा बयान में कहा गया कि चाहे 2019 का क्राइस्टचर्च हमला हो या 2008 का मुंबई हमला, आतंकवाद किसी भी रूप में अस्वीकार्य है।

दोनों देशों ने कहा है कि आतंकवादी, अलगाववादी और कट्टरपंथी तत्वों के खिलाफ लड़ाई में सहयोग करना जारी रखेंगे।

औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा बढ़ाई गई

> बजरंग दल और वीएचपी ने हटाने की मांग की है > कांग्रेस बोली-ये राज्य में अशांति चाहते हैं

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर (पहले औरंगाबाद) में स्थित औरंगजेब की कब्र हटाने का मामला तूल पकड़ने लगा है। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने महाराष्ट्र सरकार से इसे जल्द हटाने की मांग की है। विवाद के बीच कब्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) महाराष्ट्र और गोवा के क्षेत्रीय मंत्री गोविंद शेंडे ने औरंगजेब की कब्र को गुलामी का प्रतीक बताया। उन्होंने सोमवार को कहा- 17 मार्च यानी आज शिवाजी महाराज की जयंती है। आज हम महाराष्ट्र में प्रदर्शन और छत्रपति संभाजीनगर की तरफ मार्च करेंगे। शेंडे ने कहा- औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज को मारने से पहले 40 दिनों तक यातना दी थी। ऐसे क्रूर शासक का निशान क्यों रहना चाहिए।

हिंदू संगठन महाराष्ट्र भर में प्रदर्शन कर रहे

औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर सोमवार को महाराष्ट्र भर में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) की ओर से प्रदर्शन किया जा रहा है। इस दौरान मुगल आक्रांताओं के पुतले भी जलाए जा रहे हैं।

तेलंगाना के गोशामहल से भाजपा विधायक हिन्दूवादी नेता टी राजा सिंह ने भी कब्र हटाने की मांग की है। उन्होंने कहा-मैं वीएचपी और बजरंग दल की मांग का समर्थन करता हूं। इससे पहले टी राजा सिंह ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को 15 मार्च को लिट्ठी लिखी थी। उन्होंने छत्रपति संभाजी नगर जिले में स्थित मुगल सम्राट औरंगजेब के मकबरे के रखरखाव पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा आवंटित खर्च का विवरण मांगा है। उन्होंने कहा-आखिर हिंदू राजाओं की हत्या, मंदिरों को तोड़ने वाले और हमारी संस्कृति का दमन करने वाले औरंगजेब के मकबरे पर सरकारी खर्च का क्या औचित्य है? करदाताओं का एक भी रुपया उस तानाशाह की कब्र के रखरखाव पर खर्च नहीं किया जाना चाहिए, जिसने हमारे पूर्वजों को बहुत पीड़ा दी। इसे फौरन रोकना चाहिए।

बजरंग दल नेता बोले-बाबरी मस्जिद जैसा ही हश्र होगा

इससे पहले शनिवार को बजरंग दल के नेता नितिन महाजन ने औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ऐसा करने में विफल रहती है तो इसका भी बाबरी मस्जिद जैसा ही हश्र होगा। महाजन ने कहा- औरंगजेब की कब्र पर इबादत की जा रही है। संभाजी के हत्यारे की कब्र बनाई जा रही है। जब ऐसी कब्रों पर इबादत की जाती है तो समाज भी उसी तरह विकसित होता है।

उस समय हम असहाय थे, लेकिन अब विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल मांग कर रहे हैं कि इसे हटाया जाना चाहिए। हम जानते हैं कि जब हिंदू समुदाय अपने अस्तित्व को लेकर आंदोलन करता है तो क्या होता है। हम सभी ने देखा कि अयोध्या में बाबरी ढांचे को हटाने के लिए क्या हुआ। अगर सरकार कब्र नहीं हटाती है, तो हम कारसेवा करेंगे।

संजय राउत ने कहा-कुछ लोग नए-नए हिंदुत्ववादी पैदा हुए हैं, उन्हें इतिहास का नहीं पता

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने सोमवार को महाराष्ट्र में औरंगजेब की क्रब हटाने को लेकर चल रहे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए देवेंद्र फडणवीस सरकार पर निशाना साधा है। संजय राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि आक्रमक महाराष्ट्र, छत्रपति शिवाजी महाराज और मराठा के ऊपर विजय प्राप्त नहीं कर पाए। उनकी कब्र महाराष्ट्र में बनानी पड़ी। यह इतिहास है और इतिहास वैसा ही रहना चाहिए। लेकिन कुछ लोग अब नए-नए हिंदुत्ववादी पैदा हुए हैं। नये लोगों को इतिहास का क्या पता? उन्होंने कहा कि उन्हें महंगाई पर, किसानों की आत्महत्या पर बोलना चाहिए। इन मुद्दों को लेकर आंदोलन करना चाहिए।

संजय राउत ने आगे कहा कि देश में नरेंद्र मोदी, आरएसएस की सरकार है तो आंदोलन करने की क्या जरूरत है? एक फरमान निकालो और औरंगजेब की कब्र को हटाओ, पीएम मोदी और फडणवीस को किसने रोका है। आंदोलन का नाटक बंद करो। इससे बाहर लोगों को बहुत तकलीफ हो रही है। एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस का कहना है कि औरंगजेब की कब्र को लेकर जो लोगों की भूमिका है, वही हमारी है। इस सवाल का जवाब देते हुए संजय राउत ने कहा कि लोगों की कोई भूमिका नहीं है। एकनाथ शिंदे की भी कोई भूमिका नहीं है। यह अमित शाह की भूमिका है और एकनाथ शिंदे बोल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि शौर्य का प्रतीक कभी टूटना नहीं चाहिए, यह हमारी भूमिका है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने औरंगजेब से इतना बड़ा युद्ध किया है। छत्रपति शिवाजी महाराज की मृत्यु के बाद भी 25 साल औरंगजेब महाराष्ट्र में लड़ता रहा, लेकिन विजय प्राप्त नहीं कर सका। महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र है और यह आने वाली पीढ़ियों को इतिहास दिखना चाहिए। चाहें अफजल खान की कब्र हो या औरंगजेब की कब्र हो। अगर इतिहास को कोई समझने को तैयार नहीं, तो वो इतिहास के दुश्मन हैं।

स्टालिन बोले-सीतारमण ने भी रुपए का तमिल सिंबल इस्तेमाल किया

वित्तमंत्री बोली थीं-जब '₹' बना, तब विरोध क्यों नहीं किया था

चैन्नई, 17 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच भाषा विवाद को लेकर बयानबाजी जारी है। हाल ही में तमिलनाडु सरकार ने स्टेट बजट में रुपए के सिंबल '₹' की जगह तमिल सिंबल का इस्तेमाल किया था। इस पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि सभी निर्वाचित प्रतिनिधि राष्ट्र की संप्रभुता-अखंडता को बनाए रखने के लिए संविधान की शपथ लेते हैं। क्षेत्रीय गौरव के लिए राष्ट्रीय प्रतीक को बांटना ठीक नहीं है। इस पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा- केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी रुपए के सिंबल '₹' की जगह तमिल सिंबल का उपयोग किया था।

ये कोई इतना बड़ा मुद्दा नहीं है। उन्होंने अपनी सरकार का बचाव करते हुए कहा- तमिल का विरोध करने वाले इसे बढ़ा चढ़ाकर पेश कर रहे हैं। यह उनकी सरकार की तमिल भाषा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दरअसल तमिलनाडु सरकार राज्य के स्कूलों में हिन्दी अनिवार्य करने का विरोध कर रही है। केंद्र सरकार का कहना है कि नई शिक्षा नीति के तहत राज्य तमिल, अंग्रेजी और हिन्दी भी पढ़ाएं।

बजट में रुपए का सिंबल बदलने को लेकर विवाद

नई शिक्षा नीति (एनईपी) और ट्राय लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच विवाद चल रहा है। इस बीच तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने 13 मार्च को पेश किए गए राज्य के बजट से ₹ का सिंबल बदलकर तमिल भाषा में कर दिया। सरकार ने 2025-26 के बजट में '₹' का सिंबल सिंबल से रिप्लेस कर दिया। यह तमिल लिपि का अक्षर 'रु' है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने पूछा कि 2010 में जब रुपए का सिंबल (₹) बना था, तब डीएमके ने इसका विरोध क्यों नहीं किया।

अब मनचलों की खैर नहीं-दिल्ली में बनेगा 'ईव टीजिंग स्क्वाड'

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में उत्तर प्रदेश के 'एंटी रोमियो स्क्वाड' की तरह 'ईव टीजिंग स्क्वाड' बनने जा रहा है। जिसका नाम 'शिष्टाचार स्क्वाड' होगा। दिल्ली के हर जिले में दो स्क्वाड बनाए जाएंगे। जिसमें एसीपी, क्राइम अगेंस्ट वूमेन इन स्क्वाड के हेड होंगे। वहीं ईव टीजिंग स्क्वाड में एक इंस्पेक्टर, एक सब इंस्पेक्टर और आठ कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल होंगे। जिनमें चार महिला पुलिसकर्मी होंगी। वहीं इसके साथ ही स्पेशल यूनिट से एक पुलिसकर्मी तकनीकी सहायता के लिए साथ रहेगा।

मुंबई एयरपोर्ट पर 8.47 करोड़ रुपए का सोना पकड़ाया

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने 10 किलो सोना जब्त किया है। इसकी मार्केट वैल्यू 8.47 करोड़ रुपए है। एयरपोर्ट के तीन निजी स्टाफ को गिरफ्तार किया गया है। एयरपोर्ट स्टाफ अपने अंडर गारमेंट्स में ये सोना छिपाकर एयरपोर्ट से बाहर ले जाना चाहते थे। कस्टम विभाग ने 13 से 15 मार्च के बीच ये जब्तियां की हैं। सोमवार को इसकी आधिकारिक जानकारी दी गई।

पहली जब्ती में एयरपोर्ट के निजी स्टाफ के पैंट की जेब से 6 कैप्सूल मिले। इनमें 2.8 किलो के 24 कैरेट सोने का पाउडर भरा हुआ था। इसकी बाजार कीमत 2.27 करोड़ रुपए आंकी गई है। दूसरी जब्ती में एक अन्य निजी स्टाफ के पास से भी अधिकारियों को 2.9 किलो 24 कैरेट सोने का पाउडर मिला, जिसकी कीमत 2.36 करोड़ रुपए है। यह सोना सात कैप्सूलों में रखा हुआ था। तीसरी जब्ती में एक अन्य कर्मचारी को पकड़ा गया। उसने अंडर गारमेंट्स से 1.6 किलोग्राम 24 कैरेट सोने के पाउडर से भरे दो पाउच बरामद किए गए, जिनकी कीमत 1.31 करोड़ रुपए है। दो अन्य मामलों में कस्टम अधिकारियों ने प्लेन के टॉयलेट और पेंट्री के कचरे से भरे थैलों की तलाशी के दौरान काले रंग की दो थैलियों में 3.1 ग्राम सोने का पाउडर मिला। इसकी कीमत 2.53 करोड़ रुपए है।

अमृतसर मंदिर पर ग्रेनेड हमला करने वाला आरोपी पुलिस मुठभेड़ में ढेर

अमृतसर, 17 मार्च (एजेंसियां)। अमृतसर में मंदिर पर हाल ही में हुए ग्रेनेड हमले के मुख्य आरोपी को सोमवार सुबह पुलिस मुठभेड़ में ढेर कर दिया। संदिग्ध की पहचान गुरसिदक सिंह के रूप में हुई है। अमृतसर में मंदिर पर ग्रेनेड हमले के आरोपी गुरसिदक और विशाल की राजासांसी इलाके में छिपे होने की जानकारी मिली थी। पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान आरोपियों की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में आरोपी गुरसिदक को गोली लग गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, यहां उसकी मौत हो गई। जबकि उसका साथी विशाल भागने में सफल रहा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों के राजासांसी इलाके में घूमने के बारे में विशेष खुफिया जानकारी मिली थी।

उन्हें हिरासत में लेने के लिए सीआईए और छेहरटा पुलिस के कर्मियों की एक टीम बनाई गई थी। टीम को एक बाइक पर दो लोग आते दिखाई दिए। इस पर पुलिस ने बाइक को रोकने की कोशिश की, बाइक सवार आरोपियों ने बाइक छोड़कर पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। पुलिस के अनुसार, एक गोली कांस्टेबल गुरप्रीत सिंह के सिर पर लगी, एक गोली इंस्पेक्टर अमोलक सिंह की पगड़ी पर लगी और एक गोली पुलिस वाहन पर लगी। इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने आत्मरक्षा में अपनी पिस्तौल से गोली चलाई, जिससे आरोपी गुरसिदक घायल हो गया। अन्य आरोपी मौके से भागने में सफल रहे। एचसी गुरप्रीत सिंह और गुरसिदक को इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां गुरसिदक ने दम तोड़ दिया। थाना में एफआईआर दर्ज की जा रही है।

अन्नामलाई, सुंदरराजन समेत कई बीजेपी नेता पुलिस हिरासत में

> टीएएसएमएसी मसले पर प्रदर्शन से पहले कार्रवाई

चेन्नई, 17 मार्च (एजेंसियां)। राज्य सरकार के स्वामित्व वाली शराब कंपनी तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) में कथित घोटाले को सियासत जोरों पर है। भाजपा ने मामले में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस बीच कथित टीएएसएमएसी घोटाले को लेकर भाजपा के विरोध प्रदर्शन से पहले पुलिस ने चेन्नई में राज्य भाजपा प्रमुख के. अन्नामला, भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन को समेत कई दिग्गजों को हिरासत में ले लिया है। इस दौरान बीजेपी नेता तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा, 'वे मुझे मेरे घर से गिरफ्तार कर रहे हैं... मैं अलग से नहीं जाऊंगी। मैं चाहती हूं कि हर कोई मेरे साथ आए...।'

भाजपा ने कथित 1,000 करोड़ रुपये की अनियमितताओं के खिलाफ शहर में टीएएसएमएसी मुख्यालय पर धरना देने का एलान किया था। इस कथित घोटाले के बारे में हाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दावा किया था। काली शर्ट पहने अन्नामलाई को पुलिस ने उनके समर्थकों के साथ उनके घर के पास से हिरासत में लिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि तमिलिसाई सुंदरराजन सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को पुलिस ने घर में नजरबंद कर दिया है। जिन अन्य पदाधिकारियों को हिरासत में लिया गया, उनमें पार्टी की महिला मोर्चा प्रमुख एवं कोयंबटूर दक्षिण विधायक वनथी श्रीनिवासन, पार्टी नेता विनोज पी सेल्वम और अमर प्रसाद रेड्डी शामिल हैं। अन्नामलाई ने कहा कि टीएएसएमएसी में 1000 करोड़ रुपये की अनियमितताएं हुई हैं। ईडी ने पहले कहा था कि उसे कई अनियमितताएं मिली हैं, जिसमें निविदा प्रक्रियाओं में हेरफेर और डिस्टिलरी कंपनियों के माध्यम से 1,000 करोड़ रुपये के बेहिसाब नकदी लेनदेन शामिल हैं। संघीय एजेंसी ने दावा किया था कि छह मार्च को टीएएसएमएसी के कर्मचारियों, डिस्टिलरी के कार्यालयों और संयंत्रों पर छापेमारी के बाद उसे 'सबूत' मिले।

सेंथिल बालाजी की सफाई

इससे पहले तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी ने शुक्रवार को कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से सरकारी शराब खुदरा विक्रेता 'टीएएसएमएसी' में 1000 करोड़ रुपये के घोटाले का दावा निराधार है। यह एक सामान्य आरोप है। सरकार द्वारा संचालित टीएएसएमएसी का तमिलनाडु में शराब व्यापार पर पूर्ण एकाधिकार है और यह थोक विक्रेता है। यह राज्य भर में शराब की दुकानें संचालित करता है। ईडी ने टीएएसएमएसी से शराब की अधिक आपूर्ति का ऑर्डर हासिल करने के लिए रिश्वत दिए जाने का आरोप लगाया था।

जंतर-मंतर पर महाधरना : एआईएमपीएलबी का जमकर विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली के जंतर मंतर पर वक्फ संशोधन बिल 2024 के विरोध में महाधरना प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के लोग और अन्य लोग शामिल हुए हैं। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल कानून के नाम पर अराजकता फैलाने वाला और वक्फ की सुरक्षा और पारदर्शिता के नाम पर वक्फ संपत्ति को तबाह करने और इन पर कब्जा करने की साजिश है। इसलिए हम सरकार से मांग करते हैं के वह अपनी करवाई से रुक जाए और बिल वापस ले। मिली जानकारी के मुताबिक, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड समेत अन्य मुस्लिम संगठनों ने जंतर-मंतर पर वक्फ बिल के खिलाफ सड़कों पर उतर गए हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा कि

ओवैसी बोले-वक्फ संशोधन बिल अराजकता फैलाने वाला

वक्फ संशोधन बिल भारत के धर्म निरपेक्ष लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ है। भारतीय संविधान का स्वरूप 12 से 35 में मौजूद बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन करता है। साथ ही यह बिल 25 करोड़ से ज्यादा अल्पसंखियांक नागरिकों की भावनाओं को कष्ट देने के बराबर है। अर्थात हम इसे पूरी तरह अस्वीकार करते हैं और सरकार से तुरंत वापस लेने की मांग करते हैं।

वक्फ बिल के विरोध पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने दी प्रतिक्रिया

वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 के खिलाफ एआईएमपीएलबी के विरोध पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने कहा कि कुछ लोग भू-माफियाओं के इशारों पर कठपुतली की तरह नाच रहे हैं। मैं इन संगठनों से कहना चाहूंगा कि विरोध के नाम पर अपनी दुकानों और भू-माफियाओं के प्रति प्रेम दिखाने के बजाय गरीबों और मुसलमानों के हित में सोचने की कोशिश करें। इन भू-माफियाओं को अपना चश्मा उतार देना चाहिए।

जंतर-मंतर पर पहुंचे हिंदू कार्यकर्ता

एआईएमपीबीएल द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को खारिज किए जाने के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करते हुए मेरठ के हिंदू कार्यकर्ता सचिन सिरोही ने कहा कि देश संविधान से चलेगा। विपक्ष यह क्या ड्रामा कर रहा है? उन्हें सरकार की बात सुननी चाहिए। हमें उम्मीद है कि पीएम मोदी और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी जी यह कानून लाएंगे। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के जिम्मेदार कह रहे हैं कि देश में मुसलमानों को खतरा है, सुरक्षित नहीं हैं। ये सरासर गलत और गुमराह करने वाली बातें हैं। उन्होंने कहा कि देश में मुसलमान पूरी तरह सुरक्षित है। देश में मुसलमान अपने धार्मिक त्योहार, नमाज, रोजा, हज, जकात, जुलूस और उर्स आदि कार्यक्रम आजादी से मनाता है। कोई भी व्यक्ति या हुकूमत इन धार्मिक कार्यक्रमों में कोई भी बाधा नहीं डालती।

रमजान का महीना खुदा की इबादत के लिए

मौलाना ने कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड वक्फ संशोधन बिल के विरोध में जंतर-मंतर दिल्ली पर धरना प्रदर्शन करने जा रहा है। धरना प्रदर्शन करना, अपनी आवाज बुलंद करना हर व्यक्ति को संविधान ने यह अधिकार दिए हैं। मगर रमजान का महीना खुदा की इबादत के लिए है, धरना प्रदर्शन के लिए नहीं। साल के 12 महीनों में रमजान के माह में मुसलमान पवित्रता के साथ रोजा रखता है। नमाज पढ़ता है, कुरआन शरीफ की तिलावत करता है। ऐसी स्थिति में रमजान शरीफ के दिनों में धरना-प्रदर्शन का आयोजन करना, लोगों को धार्मिक कार्य से रोककर राजनीतिक काम में लगाना है।

खबरें जरा हटके

एमपी का शिक्षा विभाग भी गजब! बोर्ड कॉपी जांचने में लगा दी मृत शिक्षक की ड्यूटी

प्रशिक्षण में तो हद ही पार हो गई

मध्य प्रदेश के छतरपुर से शिक्षा विभाग की लापरवाही का हैरान करने वाला कारनामा सामने आया है. दरअसल, यहां एक मृतक शिक्षक की ड्यूटी बोर्ड परीक्षा की कॉपियां जांचने में लगा दी गई. यही नहीं इसके लिए बकायता आदेश भी जारी हो गया. मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया. हालांकि, शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने आनन-फानन में आदेश को निरस्त कर जांच के आदेश दिए हैं. फिलहाल, शिभा विभाग का ये आदेश पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है. मामला उजागर होने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने गलती स्वीकारते हुए दिवंगत प्राचार्य का नाम ड्यूटी से हटाने की बात कही है, लेकिन इसका आदेश अभी तक सामने नहीं आया है.

मृतक शिक्षक की लगा दी ड्यूटी

13 मार्च से बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरु हो गई है और शिक्षा विभाग द्वारा इस कार्य में जिले के लगभग 500 शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है. लापरवाही ये है कि इन 500 शिक्षकों में एक नाम चंद्रप्रकाश तिवारी का है जो कि हाई स्कूल सिमरिया के भूतपूर्व प्राचार्य और जीव विज्ञान विषय के शिक्षक रहे हैं. बता दें, 13 दिसंबर 2024 को चंद्रप्रकाश तिवारी का निधन हो गया था, लेकिन शिक्षा विभाग के दस्तावेजों में वे आज भी जीवित हैं. मामला सामने तब आया जब जिला मुख्यालय के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 में 16 मार्च को उन्हें प्रशिक्षण के लिए आमंत्रित किया गया. शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार 16 मार्च को प्रशिक्षण की दूसरी पारी यानि की दोपहर डेढ़ बजे से पांच बजे तक उन्हें प्रशिक्षण के लिए आमंत्रित किया गया था. जब वह पढ़ाने नहीं पहुंचे तो हंगामा हुआ क्योंकि दिवंगत शिक्षक की भी ड्यूटी लगा दी गई थी.

गरीब बुढ़िया की मौत के बाद पढ़ी गई वसीयत, गांववाले हुए दंग

नहीं हो रहा कानों पर यकीन-'ये कैसे हो गया?'

कहा जाता है कि किसी को भी देखकर उसकी हस्ती की थाह नहीं लगाई जा सकती है. हम किसी शख्स के बारे में उतना ही जानते हैं, जितना दो-चार मुलाकातों में उसे समझ पाते हैं. इसके अलावा वो कैसा है और उसके पास क्या है, इस बात की खबर हमें नहीं होती है. ऐसे में जब कुछ ऐसा हो जाए, जो हमने बिल्कुल न सोचा हो, तो चौंकना लाज़मी है.

जिस आदमी के पास संपत्ति ज्यादा होती है, वो अपनी वसीयत अक्सर पहले ही बना लेते हैं और इसे उनकी मौत के बाद ही खोलकर पढ़ा जाता है. हालांकि आज हम बात एक गरीब महिला की वसीयत की करेंगे. महिला का घर बुरी हालत में था और बगीचे की भी साफ-सफाई नहीं होती थी. मौत के बाद जब उसकी वसीयत पढ़ी गई, तो लोगों को अपने कानों पर यकीन नहीं हुआ. वे आपस में खुसुर-फुसुर करने लगे कि आखिर ये हो कैसे सकता है.

गरीब बुढ़िया की वसीयत में था क्या?

हिल्दा लेवी नाम की एक महिला केंट के व्हिसिलटेबल में रहती थी. वो 1970 के बने हुए एक सेमी डिटैच्ड घर में रहती थी, जिसकी मौत 98 साल की उम्र में हो गई. जब उसकी वसीयत पढ़ी गई, तो उसमें कुल 1.4 मिलियन पाउंड यानि लगभग 16 करोड़ रुपये का ब्यौरा था. इसमें से साढ़े 5 करोड़ रुपये उसके दोस्तों और कैंटरबरी अस्पताल को दिए गए थे. इसके अलावा करीब 3 करोड़ रुपये लंदन के दोस्तों के नाम किए गए थे. चैरिटी में दिए गए पैसों के बारे में सुनकर लोग दंग रह गए क्योंकि महिला का घर काफी बुरी हालत में था, जिसे देखकर बिल्कुल नहीं लगता था कि वो करोड़ों की मालकिन है.

'पैराशूट से श्मशान पहुंचाई जाए मेरी लाश'

अंतिम संस्कार को लेकर हुआ सर्वे, मौत के पहले लोगों ने जताई अजीब इच्छाएं

कई लोगों की आखिरी ख्वाहिश भी हट कर होती हैं. वे अपना अंतिम संस्कार कुछ हट कर करवाना चाहते हैं. कुछ सादगी से, तो कुछ गुपचुप तरीके से अपना अंतिम संस्कार करवाना पसंद करते हैं. भारतीय फिल्म स्टार राजकुमार और देवानंद ने ऐसा ही कुछ करवाया था. ब्रिटेन में इसी को लेकर एक सर्वे हुआ है जिसमें लोगों में अंतिम संस्कार को लेकर अपनी आखिरी ख्वाहिश के कुछ अजीब से खुलासे हुए हैं. एक शख्स की ख्वाहिश ये थी कि उसका शव पैराशूट से कब्रिस्तान तक ले जाया जाए. ब्रिटेन में हाल के पिछले कुछ समय किए गए अंतिम संस्कारों और शोक मनाने वालों पर यह अनोखा सर्वे हुआ. इसमें शोधकर्ताओं ने लोगों में अजीब आखिरी इच्छाओं के बढ़ते चलन का खुलासा किया गया. सर्वे में 100 अंतिम संस्कार निदेशकों और पिछले साल के दौरान अंतिम संस्कार आयोजित करने वाले 1500 लोगों को सर्वे में शामिल किया.

मनपसंद जगह पर राख बिखेरने की तमन्ना ज्यादा

ब्रिटेन में जहां बहुत से लोग ईसाई धर्म के मानने वाले होते हैं, वहां इन अंतिम संस्कारों में से तीन चौथाई शवों को जलाया गया था, जबकि केवल एक चौथाई दफनाए गए थे. सर्वे के मुताबिक, जलाने वालों में 51 फीसदी लोगों को अंतिम इच्छा थी कि उनकी राख को उनके मनपसंद स्थान पर बिखेरा जाए. जबकि 27 फीसदी लोग चाहते थे कि उनकी राख को उनके परिवार कलश में सम्भाल कर रखें, 20 फीसदी लोग अपनी राख को दफनाने के पक्ष में थे. हैरानी की बात ये भी थी कि 18 फीसदी मामलों में नजदीकी रिश्तेदारों के मरने वाले की आखिरी ख्वाहिश का पता ही नहीं था. एक शख्स ने चाहा था कि उसके शव को कोई कपड़े ना पहचनाए जाएं, वहीं दूसरे शख्स ने चाहा कि उसके शव को कचरे के डिब्बे में फेंक कर छोड़ दिया जाए और फिर कचरे जमा करने वाले कर्मचारी उसे उठाएं. लेकिन कई अंतिम इच्छाएं कुछ हटकर भी थीं. जलवाने वाले लोगों में से 2 फीसदी लोगों ने अपनी राख का टैटू या ज्वैलरी बनवाने में इस्तेमाल किए जाने की इच्छा जाहिर की तो कोई उन्हें अंतरिक्ष में बिखरा देने की चाहत वाला था.

सुविचार: छोटी -छोटी बातों से रिश्ते नहीं तोड़े जाते बल्कि रिश्तों को और मज़बूत बनाये ।

मुख्यमंत्री ने पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय का नाम बदलने का सरकार के फैसले का बचाव किया

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सुरवरम प्रताप रेड्डी के सम्मान में पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय का नाम बदलने के राज्य सरकार के फैसले का समर्थन किया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, जिन्होंने बाहरी विधानसभा में विश्वविद्यालय का नाम बदलने के सरकार के फैसले की तीखी आलोचना की है, के जवाब में मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने अपने प्रशासन के हिस्से के रूप में कई नीतिगत निर्णय लिए हैं, जिसमें तेलंगाना की स्थापना में उल्लेखनीय व्यक्तियों के योगदान को स्वीकार किया गया है। तेलंगाना राज्य की स्थापना के बाद से यह प्रक्रिया एक दशक से चल रही है। इसके अलावा, एक ही नाम वाले दो विश्वविद्यालय होने से प्रशासनिक भ्रम पैदा हो सकता है। यही कारण है कि हम तेलंगाना में विश्वविद्यालयों और संस्थानों का नाम बदल रहे हैं। इसका उद्देश्य किसी व्यक्ति का अपमान करना नहीं है। सोमवार को विधानसभा में रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परंपरा को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने सुरवरम प्रताप रेड्डी के सम्मान में पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय का नाम बदल दिया है और आंध्र प्रदेश के कई विश्वविद्यालयों के नामों को समायोजित किया है, जिन्होंने अपने पुराने पदनामों को बरकरार रखा है। मैं खुद को यह सवाल करते हुए क्या यह राजनीति का क्षेत्र है जो भ्रष्ट है या राजनीतिक नेताओं की धारणा है। पोट्टी श्रीरामुलु के योगदान और बलिदान को कभी भी कम नहीं आंका जाना चाहिए। सभी के लिए उनके बलिदान को स्वीकार करना और याद रखना महत्वपूर्ण है। अफसोस की बात है कि कुछ राजनीतिक समूह कुछ समुदायों के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

इस तरह का व्यवहार प्रमुख पदों पर बैठे नेताओं के लिए अनुचित है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने एनटीआर हेल्थ यूनिवर्सिटी का नाम उनके नाम पर रखकर कालोजी को सम्मानित किया है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह एनटीआर का अपमान करने के बराबर नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय का नाम प्रोफेसर जयशंकर के सम्मान में रखा गया है, वाईएसआर बागवानी विश्वविद्यालय का नाम बदलकर कोंडा लक्ष्मण बापूजी रखा गया है और वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय का नाम पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की याद में रखा गया है। मुख्यमंत्री ने टिप्पणी की कि गुजरात सरकार ने सरदार वल्लभभाई पटेल क्रिकेट स्टेडियम का नाम उनके नाम पर रखकर प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित करने का विकल्प चुना, लेकिन तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ऐसी गलतियां करने से बचती रही है। रेवंत रेड्डी ने सुझाव दिया, हमें चेर्लापल्ली रेलवे टर्मिनल का नाम पोट्टी श्रीरामुलु की याद में रखना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी और बंडी संजय को केंद्र से आवश्यक मंजूरी प्राप्त करके अपनी प्रतिबद्धता दिखाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बालकम्पेट नेचर क्योर हॉस्पिटल का नाम आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के. रोसय्या के सम्मान में रखा जाना चाहिए और घोषणा की कि सरकार उनके महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देने के लिए रोसय्या की एक प्रतिमा का अनावरण करने की योजना बना रही है।

बीआरएस विधायक ने छात्र के आत्महत्या के प्रयास का मामला उठाया

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक प्रभाकर रेड्डी ने आज राज्य विधानसभा में अपने दुब्बाका विधानसभा क्षेत्र के बीसी छात्रावास में छठी कक्षा के छात्र द्वारा आत्महत्या के प्रयास का मुद्दा उठाया। डाइट चार्ज और कॉस्मेटिक चार्ज पर चर्चा के दौरान बोलते हुए उन्होंने कहा कि आत्महत्या करने वाला छात्र पिछले दो दिनों से कोमा में था। प्रभाकर रेड्डी ने सदन में कहा कि इस खबर को बिना किसी को बताए दबा दिया गया। इस संदर्भ में मंत्री सीतक्का ने छात्र द्वारा आत्महत्या के प्रयास पर प्रभाकर रेड्डी को कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि छात्र ने व्यक्तिगत कारणों से आत्महत्या की है। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आत्महत्या का प्रयास करने वाले छात्र का निलोफर अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा इलाज किया जा रहा था। उन्होंने बीआरएस पार्टी से कहा कि वे यह कहकर इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करें कि उनके शासन के दौरान छात्रावास अच्छे थे। उन्होंने कहा कि केसीआर के दस साल के शासन के दौरान छात्र की आत्महत्या को दबाने की सरकार को कोई जरूरत नहीं थी। सीतक्का ने जवाब देते हुए कहा कि दुब्बाका छात्रावास छात्र घटना पर एक रिपोर्ट लाई जाएगी और पूरी जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि आहार शुल्क और कॉस्मेटिक शुल्क में वृद्धि का कार्यान्वयन। उन्होंने कहा कि 16 साल बाद, इंदिराम्मा सरकार में कॉस्मेटिक शुल्क में 212 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। मैंने मुलुगु में एसटी गर्ल्स हॉस्टल में भी पढ़ाई की। भले ही उस समय अवसर कम थे, लेकिन कई लोगों ने लगन से पढ़ाई की और उच्चतम पदों पर पहुंचे। एससी, एसटी, बीसी, अल्पसंख्यक और ओसी सहित गरीब भी बड़ी संख्या में छात्रावासों में आ रहे हैं। अगर उन्हें उचित पौष्टिक भोजन नहीं मिलता है, तो अगर वे अध्ययन अवधि के दौरान भूखे रहते हैं, तो पढ़ाई करना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने चार महीनों में 499 करोड़ से अधिक खर्च किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने स्कूली बच्चों के लिए छात्रवृत्ति रद्द कर दी है।

मंत्री सीतक्का और पूर्व मंत्री कमलाकर के बीच वाकयुद्ध

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के विधायक गंगुला कमलाकर ने आज राज्य विधानसभा में बीआर अंबेडकर ओवरसीज स्कॉलरशिप योजना के क्रियान्वयन को लेकर पंचायत राज मंत्री डी. सीतक्का के साथ वाकयुद्ध किया। उन्होंने कहा कि केसीआर सरकार द्वारा राज्य के छात्रों को विदेश में शिक्षा के लिए 20 लाख रुपये प्रदान करने के लिए शुरू की गई योजना को तेलंगाना में रेवंत रेड्डी सरकार के सत्ता में आने के बाद से लागू नहीं किया जा रहा है। उन्होंने विधानसभा में राज्य सरकार की वेबसाइट पर उपलब्ध योजना का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने उल्लेख किया कि बीसी, एसटी या अल्पसंख्यकों में से एक भी व्यक्ति को इस योजना के तहत लाभ नहीं मिला है और कहा कि अब तक केवल कुछ एससी व्यक्तियों को इस योजना के तहत लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि वह सरकारी विवरण के बारे में बात कर रहे थे, उन्होंने संबंधित डाउनलोड किए गए दस्तावेज़ को विधानसभा अध्यक्ष को भेजा। गंगुला ने सरकार पर पूरी तरह से लापरवाहीपूर्ण प्रतिक्रिया देने का आरोप लगाया। कमलाकर की तीखी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, मंत्री सीतक्का ने दावा किया कि पूर्व इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने पर तुले हुए हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि वे लंबित मुद्दों को सुलझा रहे हैं। मंत्री ने कहा, हमने पहले ही 167 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। हम शेष 25 करोड़ रुपये भी जारी करेंगे।

यह योजना एक चालू योजना है, उन्होंने पूर्व मंत्री से राज्य के शिक्षा क्षेत्र का राजनीतिकरण न करने का आग्रह किया। गंगुला कमलाकर ने कहा कि वे इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि उन्होंने सरकार की वेबसाइट से जानकारी ली है जो रविवार दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध थी। गंगुला ने तर्क दिया कि मंत्री सीतक्का ने हाशिए के समुदायों के बच्चों के लिए विदेशी शिक्षा के बारे में गलत आंकड़े दिए हैं।

सीतक्का ने उल्लेख किया कि उन्होंने निजी कॉलेजों में बी.टेक की पढ़ाई नहीं की है और उन्होंने कहा कि उन्होंने एक आदिवासी लड़कियों के स्कूल में पढ़ाई की है और समाज से सीखा है। यह कहते हुए कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी शिक्षा मंत्री हैं, सीतक्का ने कहा कि वह इस मुद्दे को मुख्यमंत्री के ध्यान में लाएंगी।

पूर्ण रूप से रद्द ट्रेनों के आरक्षित टिकटों को रद्द करने के संबंध में नियम तय

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे ने ट्रेन सेवाओं में व्यवधान के दौरान आरक्षित टिकटों के संबंध में किराया रद्द करने और वापसी की प्रक्रिया के लिए निर्दिष्ट मानदंड निर्धारित किए हैं। इस संबंध में, पूर्ण रूप से रद्द ट्रेनों के लिए आरक्षित टिकटों को रद्द करने के संबंध में नियम तय किए गए हैं। रेलवे रिफंड नियमों के अनुसार, दुर्घटनाओं, दरारों, बाढ़, बंद या रेल रोको आदि अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण ट्रेन के पूर्ण रद्द होने की स्थिति में, पीआरएस काउंटर के माध्यम से बुक किए गए आरक्षण टिकट को ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान के तीन दिनों के भीतर किसी भी रेलवे स्टेशन के पीआरएस काउंटर पर सरेंडर किया जाना चाहिए। इसे जमा करने पर, भुगतान किया गया पूरा किराया बिना किसी रद्दीकरण शुल्क के पूरी यात्रा के लिए यात्री को वापस किया जाएगा। ऑनलाइन माध्यम से बुक किए गए टिकटों के मामले में, यानी ई-टिकट, टिकट स्वचालित रूप से रद्द हो जाएगा और किराए की पूरी वापसी आईआरसीटीसी के माध्यम से संसाधित की जाएगी और संबंधित बैंक खाते में जमा की जाएगी। अपरिहार्य स्थितियों के दौरान, भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति, बंद, रेल रोको जैसी कानून और व्यवस्था की स्थिति जैसी असामान्य घटनाओं के कारण ट्रेन सेवाओं के पैटर्न में बदलाव होता है, रेलवे यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए ट्रेन सेवाओं को रद्द करने के लिए मजबूर होता है। हाल के दिनों में, भारतीय रेलवे बड़े पैमाने पर विभिन्न बुनियादी ढांचागत कार्यों को अंजाम दे रहा है, ऐसे कार्यों को करते समय, रेलवे यह सुनिश्चित करता है कि रेल यात्रियों को कम से कम असुविधा के साथ काम किया जाए, आवश्यकता के कारण, बुनियादी ढांचा विकास कार्यों को सुविधाजनक बनाने के लिए रद्दीकरण, डायवर्जन के रूप में ट्रेन सेवाओं के पैटर्न को बदलने की आवश्यकता है। ऐसे मामलों में, ट्रेन सेवाओं के पैटर्न में बदलाव की जानकारी प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया और यात्रियों के मोबाइल पर टेक्स्ट मैसेज के जरिए रेल उपयोगकर्ताओं को दी जाएगी। टिकट बुक करते समय केवल वास्तविक यात्रियों के मोबाइल नंबर देने की सलाह दी जाती है। इसलिए, एससीआर रेल उपयोगकर्ताओं से रिफंड नियमों की शर्तों पर ध्यान देने की अपील करता है और ट्रेन सेवाओं के पूर्ण रद्द होने की स्थिति में, पूर्ण रिफंड का दावा करने के लिए आरक्षण टिकट को ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान के तीन दिनों के भीतर किसी भी नजदीकी स्टेशन के पीआरएस काउंटर पर सरेंडर किया जाना चाहिए।

जन समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाना चाहिए : प्रतिमा सिंह

अतिरिक्त कलेक्टर ने लोगों की समस्याओं को सुना

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला अतिरिक्त कलेक्टर ने प्रजावाणी कार्यक्रम में लोगों की समस्याओं को सुना। जिला अतिरिक्त कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने अधिकारियों को समस्या के समाधान के निर्देश दिए हैं। सोमवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर सम्मेलन हॉल में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में जिले के विभिन्न भागों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। शिकायतकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र जिला अपर कलेक्टर प्रतिमा सिंह को प्राप्त हुए। इस अवसर पर बोलते हुए अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि जन समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाना चाहिए। सार्वजनिक सेवा कार्यक्रम में लोगों द्वारा किए गए अनुरोध संबंधित विभागों के जिला अधिकारियों को तुरंत प्रतिक्रिया देनी चाहिए और समस्या का तुरंत समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आवेदनों को लंबित रखे बिना उनकी नियमित समीक्षा करना चाहिए। अधिकारियों को समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर राजस्व विभाग- 40, अन्य विभाग- 32, कुल 72 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, नगर निगम अधिकारी, मंडल तहसीलदार, कलेक्ट्रेट अधीक्षक, संबंधित अधिकारी, अन्य लोगों ने भी भाग लिया।

बीजेपी विधायकों ने ओयू का नाम बदलने का विरोध किया

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायकों ने आज पोट्टी श्री रामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय का नाम बदलकर सुरवरम प्रताप रेड्डी तेलुगु विश्वविद्यालय करने के राज्य सरकार के प्रस्ताव का विरोध किया। भाजपा सदस्यों ने हैदराबाद के नामपल्ली में पोट्टी श्रीरामुलु विश्वविद्यालय का नाम बदलने का विरोध किया। उन्होंने सुझाव दिया कि उस्मानिया विश्वविद्यालय का नाम बदलकर सुरवरम प्रताप रेड्डी कर दिया जाना चाहिए। मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने प्रमुख कवि और कार्यकर्ता सुरवरम प्रताप रेड्डी के नाम पर पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय का नाम बदलने के लिए विधानसभा में एक विधेयक पेश किया। इस अवसर पर बोलते हुए, भाजपा विधायक अलेटी महेश्वर रेड्डी ने राज्य सरकार से उस्मानिया विश्वविद्यालय का नाम बदलकर सुरवरम प्रताप रेड्डी करने को कहा, लेकिन पोट्टी श्रीरामुलु विश्वविद्यालय का नाम नहीं बदलने को कहा। भाजपा विधायक धनपाल सूर्य नारायण ने टिप्पणी की कि पोट्टी श्रीरामुलु विश्वविद्यालय का नाम परिवर्तन एक तर्कहीन कार्रवाई थी। पोट्टी श्रीरामुलु एक क्षेत्र तक सीमित नेता नहीं हैं। वह दलितों के अधिकारों के लिए लड़ने वाले व्यक्ति थे। उस्मानिया यूनिवर्सिटी को सुरावरम नाम दिया जाना चाहिए। जैसा कि मुख्यमंत्री ने बताया, आंध्र प्रदेश में कोई पोट्टी श्रीरामुलु विश्वविद्यालय नहीं है। विधायक सूर्य नारायण ने कहा, देश में पोट्टी श्रीरामुलु नाम से कोई विश्वविद्यालय नहीं है।

40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान

भयंकर गर्मी की आहट से लोग बेचैन

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी (टीएसडीपीसी) के मौसम संबंधी आंकड़ों के अनुसार, हैदराबाद और तेलंगाना राज्य के जिलों में गर्मी की स्थिति तेज हो गई है और कई स्थानों पर औसत अधिकतम तापमान (रविवार सुबह 8.30 बजे से सोमवार सुबह 8.30 बजे के बीच) 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने आम जनता से इस गर्मी के दौरान बहुत सावधान रहने और एहतियात बरतने का आग्रह किया है। आईएमडी-हैदराबाद प्रमुख डॉ.के नागरत्ना ने कहा कि यह गर्मी की लहर की शुरुआत है! हम हीटवेव को तब परिभाषित करते हैं जब हैदराबाद और तेलंगाना राज्य के अन्य हिस्सों जैसे मैदानी इलाकों में मापक स्टेशन पर अधिकतम तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस और तटीय क्षेत्रों में 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है।

इस बीच, रंगारेड्डी जिले के शहर के बाहरी इलाके इब्राहिमपटनम और बालानगर (मेडचल-मलकजगिरी) जिले में तेलंगाना राज्य में सबसे अधिक तापमान 42.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हैदराबाद के बालानगर इलाके में औसत अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि उप्पल इलाके में 42.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नामपल्ली में औसत अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि अंबरपेट में तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अंबरपेट, आसिफनगर, कुकटपल्ली, कुथबुल्लापुर, शैकपेट, मेरेडपल्ली, राजेंद्रनगर, रामचंद्रपुरम (पाटनचेरु), सेरिलिंगमपल्ली, गोलकुंडा, मुशीराबाद, चारमीनार, बहादुरपुरा, सरूरनगर और हयातनगर में औसत अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। जिलों में, भद्राद्रि कोत्तागुडेम, वानापर्थी, निज़ामाबाद, मेदक, राजन्ना सिरसिल्ला, गडवाल, महबूबनगर और नलगोंडा में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और 41 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

कार मेट्रो रेल के खंभे से टकराई

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह जुबली हिल्स पर एक तेज रफ्तार कार के नियंत्रण से बाहर होकर मेट्रो रेल के खंभे से टकरा जाने से एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि वाहन कृष्णा नगर से जुबली हिल्स चेक पोस्ट की ओर जा रहा था, तभी चालक ने स्टीयरिंग पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क के बीच में जा टकराया। कार उसी गति से दूसरी तरफ कूद गई और फिर रुक गई। इस घटना के कारण व्यस्त सड़क पर यातायात जाम हो गया। दुर्घटना की तेज आवाज सुनकर मार्ग से गुजर रहे अन्य वाहन चालक और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे।

जुबली हिल्स पुलिस मामले की जांच कर रही है और ड्राइवर की पहचान करने की कोशिश कर रही है, जो घटना के बाद मौके से फरार हो गया। संदेह है कि ड्राइवर शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था।

आईआईआईटी हैदराबाद 19 मार्च को एफ सी कोहली दिवस मनाएगा

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद (आईआईआईटीएच) में कोहली सेंटर ऑन इंटेलिजेंट सिस्टम्स (केसीआईएस) 19 मार्च को एफ सी कोहली की जयंती एक विशेष कार्यक्रम के साथ मनाएगा जिसमें अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से उनके जीवन का जश्न मनाया जाएगा। कोहली सेंटर ऑन इंटेलिजेंट सिस्टम्स (केसीआईएस), जिसका नाम एफ.सी. कोहली, संस्थान में सभी एआई अनुसंधान समूहों का घर है।

पचास संकाय और 500 शोधकर्ता देश के सबसे बड़े शोध समूहों में से एक हैं। भाषा प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर विज़न, रोबोटिक्स, संज्ञानात्मक विज्ञान और उन्नत मशीन लर्निंग से लेकर गतिशीलता और स्वास्थ्य सेवा सहित कई डोमेन में अनुप्रयोगों के साथ। केंद्र 19 मार्च को अपनी वर्षगांठ मनाता है, जो एफसी कोहली का जन्मदिन है। कोहली दिवस एक वार्षिक कार्यक्रम है जो संकाय, शोधकर्ताओं और केंद्र के काम को मान्यता देता है, जो सभी दूरदर्शी तकनीकी नेता से प्रेरित हैं। यह वार्षिक कार्यक्रम, जो 2021 से हर साल मनाया जाता है, इस साल से वार्षिक मुख्य कोहली दिवस व्याख्यान शामिल होगा। इस वर्ष उद्घाटन व्याख्यान एआईजी हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष डॉ.डी. नागेश्वर रेड्डी द्वारा दिया जाएगा, जहां वे एआई और हेल्थकेयर- अवसर और चुनौतियां पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा करेंगे। इस वर्ष, कोहली दिवस पर, आईआईआईटीएच हेल्थकेयर में डिजिटल प्रौद्योगिकियों के केंद्र (सीडी आईटीएच) का भी उद्घाटन करेगा। भारत और दुनिया में वास्तविक दुनिया के प्रभाव के लिए स्वास्थ्य सेवा वितरण की प्रभावकारिता और अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकियों को लागू करने के लिए एक अनुवाद प्रयोगशाला की स्थापना की गई है, जो अकादमिक अनुसंधान और नैदानिक अभ्यास को प्रभावी ढंग से जोड़ती है। एआईजी अस्पताल के प्रमुख भागीदार के रूप में, डॉ. रेड्डी केंद्र का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम 19 मार्च को शाम 4 से 6 बजे केआरबी ऑडिटोरियम, आईआईआईटी हैदराबाद परिसर में होगा।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. VSKP-ELG-TL-AC-24-25-22, दिनांक : 12.03.2025

कार्य का नाम : तीन वर्षों की समयावधि के लिए विशाखापट्टनम डिपो में मेल/एक्सप्रेस/सुपरफास्ट/राजधानी टाइप ट्रेनों के AC कोच में मार्गरक्षण (Escorting), परिचालन और समस्या निवारण के लिए AC कोच इलेक्ट्रिकल परिचारक (Attendant) का बहि:स्रोतन।

निविदा मूल्य : ₹ 6,60,15,343.20, बिड सिक्युरिटी: ₹ 4,80,100/-, निविदा दस्तावेज की लागत : ₹ 11,800/-, पूरा होने की अवधि : 36 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 03.04.2025 को 1330 बजे।

निविदा खुलने की तिथि व समय : 03.04.2025 को 1600 बजे।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विवरण वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। कोई भी जारी शुद्धिपत्र की जानकारी के लिए निविदाकार उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (सा), वाल्टियर

PR-1092/P/24-25

CAUTION NOTICE

The General Public hereby informed that my Client **Smt. Jiji Bai @ Sitlo Bai** W/o. Late. Sunder Singh, D/o. Late. Man Singh @ Munna Singh, Aged about 52 years, Occ: Household, R/o. H.No. 13-1-493, Dilawargunj, Dhoolpet, Hyderabad-06, is the Joint absolute Owners and actual Possessors of the Houses/ Land bearing Municipal No. 13-1-553, 553/1 & 554 (New), (Old M.No. 5115 & 5115/ 1), Adm.1617 Square Yards, Situated at Dilawargunj, Upper Dhoolpet, Hyderabad, And in respect of above said property Civil Suits for Partition against the other Co-Owners vide O.S. No. 343 of 2023, on the file of Hon'ble XI Addl. Chief Judge, City Civil Courts, Hyderabad, which is still pending. The General Public are hereby cautioned not to deal with any person in any manner like an Agreement of Sale, Sale, MOU, Lease, etc. in respect of the above said House/Land, and even after this Caution notice, if any Sale conveyance or transfer takes place it will be at the sole risk of the Purchaser/s, and the same is not binding on Me, they shall be held liable for Legal steps ought to be initiated, and same will be at their own peril.

Sd/- **AVINASH SINGH**
Advocate
Off:13-1-571/A/85/9, Balramgalli, Upper Dhoolpet, Hyderabad.
Cell :9052142022

योगी बोले-पहले के सीएम 12 बजे सोकर उठते थे

> पिछली सरकारों ने वन डिस्ट्रिक-वन माफिया दिया > अखिलेश का नाम लिए बिना साधा निशाना

सहारनपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। सहारनपुर पहुंचे योगी ने कहा कि पिछली सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया दिया। हमने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट दिया। हस्तशिल्पी पहले भी थे लेकिन पिछली सरकारों ने उनके लिए कुछ नहीं किया। पब्लिक तरसती रहती थी और उनके गुर्गे प्रदेश को तबाह कर देते थे सीएम ने अखिलेश यादव का नाम लिए बिना कहा- जब प्रदेश का मुखिया 12 बजे सोकर उठेगा तब तो हो गया। उन्हें तैयार होने में ही 2 बज जाएंगे। पूरा समय इंटरव्यू, पिकनिक और मित्र मंडली के साथ व्यतीत हो जाएगा। योगी आदित्यनाथ 11 बजे सरसावा एयरपोर्ट पहुंचे। फिर हेलिकॉप्टर से पुवांरका स्थित मां शाकंभरी देवी यूनिवर्सिटी के लिए रवाना हुए। यहां यूनिवर्सिटी का निरीक्षण किया और समीक्षा बैठक की। इसके बाद जनमंच प्रेक्षागृह पहुंचे। युवा उद्यमियों को लोन वितरित किया।

जिन्होंने महाकुंभ पर प्रश्न उठाए, वो भी डुबकी लगाकर गए

सीएम योगी ने कहा- महाकुंभ में किसी ने टैक्सी की सर्विस की, किसी ने फोटोग्राफी तो किसी ने नाव चलाकर पैसा कमाया। मैंने एक चाय वाले से पूछा कितना पैसा कमा लेते हो तो उसने कहा 50 से 60 लाख रुपए कमा लेता हूं। उनमें भी ऐसे लोग थे जो केवल जिन्हें केवल प्रश्न उठाना था। लेकिन वे भीड़ को देखने के लिए खुद डुबकी लगाने पहुंच गए।

महाकुंभ ने यूपी को दी पहचान

सीएम योगी ने कहा- उत्तर प्रदेश को महाकुंभ ने एक पहचान दी। महाकुंभ का आयोजन केवल उत्तर प्रदेश ही कर सकता है। दुनिया भर में और किसी के बस की बात नहीं है। 66 करोड़ लोगों को एक साथ, एक जगह पर, एक संगम में डुबकी लगाने का अवसर दे रहे हैं। कोई छेड़छाड़, लूटपाट, अपहरण की घटना नहीं हुई। जो आया अभिभूत होकर गया। दुनिया उत्तर प्रदेश के इस गौरव पर अभिभूत है।

2017 से पहले यूपी में कोई उद्योग नहीं लगाना चाहता था

सीएम योगी ने कहा- ये वहीं प्रदेश है जहां 2017 से पहले कोई उद्योग लगाना नहीं चाहता था। लोग भागते थे। कस्बे के कस्बे यूपी के अंदर खाली हो रहे थे। किसानों के ट्यूबवेल से मोटर चोरी हो जाती थीं। व्यापारी जब तक घर वापस नहीं आ जाता था तब तक परिवार परेशान रहता था। लेकिन 8 वर्षों में बेटी, व्यापारी सब सुरक्षित हैं। हां माफिया और माफिया के गुर्गे जरूर असुरक्षित हैं। जो इनके आका थे उन्हें ऐसा लग रहा है कि ऐसा कैसे हो गया।

स्मार्ट सिटी बनने की ओर अग्रसर है सहारनपुर

सीएम योगी ने कहा- सहारनपुर आज से 8 वर्ष पहले अच्छी सिटी नहीं मानी जाती है। लेकिन आज स्मार्ट सिटी बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा- सीएम युवा उद्यमी योजना में ब्याज नहीं देना होगा, केवल मूलधन देना है। समय से ऋण देने पर आगे चलकर फिर 10 लाख लोन मिलेगा। वुड कार्विंग की तारीफ करते हुए कहा कि यहां की कारीगरी और कारीगर विश्व स्तर पर काम कर रहे हैं। उनके हाथों में हुनर है, इसका इस्तेमाल सही नहीं हो रहा था। सहारनपुर में पेट हाउस बनाया गया।

सहारनपुर से जल्द शुरू होगी विमान सेवा

सीएम योगी ने कहा- नए एयरक्राफ्ट मंगाए गए हैं। उनके आते ही जल्द ही उड़ान शुरू कर दी जाएगी। शहर के जनमंच प्रेक्षागृह में लोन वितरण के बाद उन्होंने सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

'जो बहुजन के हित में काम करेगा वही आगे बढ़ेगा'

मायावती बोलीं-आड़े नहीं आएंगे हमारे रिश्ते-नाते

लखनऊ, 17 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सोमवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सामाजिक परिवर्तन और जातिवादी मानसिकता से हटकर बहुजन समाज को सम्मान दिलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि आजकल जनहित के मुद्दों पर कम अपने-अपने स्वार्थ की राजनीति पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। यह चिंताजनक है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि होली और रमजान पर्व के बीच देशभर में कार्यकर्ताओं ने कांशीराम की जयंती बनाई। इससे न सिर्फ हमें बल मिला बल्कि कांशीराम के विचार लोगों तक पहुंचे। कहा कि यूपी हमारे नेतृत्व में बनी सरकार ने वास्तव में सामाजिक परिवर्तन किया। मायावती ने कहा कि हमारी सरकार बनने से पहले बहुजन समाज के लोगों को सामान्य लोगों के बराबर कुर्सी या चारपाई पर बैठने का अधिकार नहीं था।

हमने किया असली सामाजिक परिवर्तन

कहा कि 2007 में यूपी में हमारे नेतृत्व में बनी बसपा सरकार ने बहुजन को यह अधिकार दिलाया। इसके बाद बहुजन समाज के लोगों को सभी के बराबर कुर्सी और चारपाई पर बैठने को मिला। यही असल में सामाजिक परिवर्तन था। बहुजन समाज के लोगों को यह याद रखना चाहिए। मायावती ने कहा कि विपक्षी पार्टियां बहुजन समाज की एकमात्र पार्टी बसपा को कमजोर करने में लगी हैं। जातिवादी मानसिकता वाली पार्टियां डॉ आंबेडकर के विचारों को भी समाप्त करने की पुरजोर कोशिश की थी। लेकिन, बाबा साहेब और फिर कांशीराम ने ऐसे लोगों को उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। अब हम भी बहुजन समाज के हित में ऐसी जातिवादी पार्टियों के मंसूबों को सफल नहीं होने देंगे।

लॉकअप में युवक की पिटाई का मामला पहुंचा मानवाधिकार आयोग, अब पुलिस से होगी पूछताछ

मुज्जफरपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के पानापुर ओपी में लॉकअप के अंदर युवक की बेरहमी से पिटाई का मामला अब मानवाधिकार आयोग तक पहुंच गया है। पीड़ित परिवार ने अधिवक्ता एस. के. झा के माध्यम से बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग (बीएचआरसी) और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) में दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं।

क्या है पूरा मामला?

पुलिस ने पहले बाइक चोरी के आरोप में अमन कुमार नामक युवक को हिरासत में लिया था। जब उसके जीजा रौशन प्रताप सिंह उससे मिलने थाने पहुंचे, तो पुलिस ने उन्हें भी लॉकअप में डाल दिया और बेरहमी से पीटा। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि पानापुर ओपी प्रभारी राजबल्लभ यादव ने अमन कुमार को छोड़ने के बदले एक लाख रुपये की मांग की। जब रौशन प्रताप सिंह ने इसका विरोध किया, तो उन्हें भी हाजत में बंद कर उनका मुंह, हाथ और पैर बाँधकर बेरहमी से मारपीट की गई।

रिहाई के लिए मांगी गई रिश्वत

पीड़ित परिवार का कहना है कि थाने से रिहा करने के लिए प्रभारी ने 1 लाख रुपये मांगे थे, जिसमें से 70 हजार रुपये लेने के बाद दोनों को छोड़ा गया। इसके अलावा, पुलिस ने रौशन प्रताप सिंह की अपाचे बाइक जब्त कर ली और उसे लौटाने के लिए 30 हजार रुपये की अतिरिक्त मांग कर रही है।

पीड़ित की हालत गंभीर

मारपीट में गंभीर रूप से घायल रौशन प्रताप सिंह को पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, काँटी ले जाया गया, जहाँ से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए एसकेएमसीएच, मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया गया। फिलहाल उनका इलाज एसकेएमसीएच में चल रहा है, और उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

मानवाधिकार आयोग करेगा कार्रवाई

मानवाधिकार अधिवक्ता एस. के. झा ने इस मामले को मानवाधिकार उल्लंघन की गंभीर श्रेणी में रखते हुए उच्चस्तरीय जाँच की माँग की है। उनके अनुसार, पुलिस किसी भी आरोपी से पूछताछ कर सकती है, लेकिन हिरासत में इस तरह की पिटाई न केवल मानवाधिकारों का हनन है, बल्कि यह जघन्य अपराध की श्रेणी में आता है।

एनएचआरसी और बीएचआरसी ने इस मामले पर संज्ञान लिया है और जल्द ही पुलिस से पूरी रिपोर्ट तलब की जाएगी। पूर्व में भी मानवाधिकार आयोग ऐसे मामलों में पुलिस अधिकारियों को तलब कर चुका है। उम्मीद की जा रही है कि इस मामले में भी पीड़ित को न्याय मिलेगा।

ससुर संग होली खेल रही थी बहू, रंग लगाने पर लाल हुई सास ने लगा दी डांट

महिला ने जहर खाकर दी जान

बलिया, 17 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में एक 30 वर्षीय महिला ने होली पर ससुर को रंग लगाने पर अपनी सास से डांट खाने के बाद जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। घटना सहतवार थाना क्षेत्र के त्रिकालपुर गांव की है। पुलिस के अनुसार, धनवती देवी (30) ने मारपीट के बाद जहर खा लिया। उसके परिवार के सदस्य उसे स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां देर शाम उसकी मौत हो गई। सहतवार थाना प्रभारी (एसएचओ) दिनेश पाठक ने सोमवार को बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि होली की घटना को लेकर सास द्वारा डांटे जाने के बाद महिला ने यह कदम उठाया।

थाने पर चढ़े शराब माफिया ने जमकर किया रोड़ेबाजी, कई लोगों पर मामला दर्ज

मुजफ्फरपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के जजुआर थाने पर शराब तस्करों और ग्रामीणों ने हमला बोल दिया। हमले का वीडियो भी वायरल हुआ है। सैकड़ों की संख्या में जुटे हुए ग्रामीणों ने थाने के गेट पर पहुंच पत्थर फेंका और जमकर रोड़ेबाजी की। घटना गोली पर्व के दिन की बताई जा रही है। जहां रेड करने गई पुलिस की कार्रवाई से नाराज शराब धंधेबाज और ग्रामीणों ने थाने पर पहुंचकर जमकर हंगामा किया। इस दौरान लाठी डंडे से लैस होकर शराब धंधेबाजों ने थाने पर पथराव कर दिया।

'लालू राज में चलता था अपहरण उद्योग'

'गन्ना उद्योग मंत्री ने पुलिस के एनकाउंटर का किया समर्थन, बोले-पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने की जरूरत

मोतिहारी, 17 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर गन्ना उद्योग मंत्री कृष्ण नंदन पासवान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने पुलिस के किए जा रहे एनकाउंटर का समर्थन किया है। मंत्री का यह बयान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की टिप्पणी के जवाब में आया है। तेजस्वी ने राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए थे। पासवान ने तेजस्वी पर पलटवार करते हुए उनके परिवार के 15 साल के शासन को याद दिलाया। मंत्री ने कहा कि 90 के दशक में लालू राज में अपहरण उद्योग चलता था। उन्होंने स्कूटर पर भैंस ढोने और करोड़ों रुपए के घोटाले का जिक्र किया। साथ ही, कहा कि उस समय बिहार में कोई सुरक्षित नहीं था। कृष्ण नंदन ने स्पष्ट किया कि एनडीए सरकार अपराध से किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगी। पुलिस अपराधियों को हर भाषा में समझाने को तैयार है। उन्होंने कहा कि पुलिस के एनकाउंटर सराहनीय हैं। साथ ही, उन्होंने पुलिस के मनोबल को बढ़ाने की बात की। उन्होंने कहा कि अगर अपराधी पुलिस पर हमला करते हैं, तो आत्मरक्षा में एनकाउंटर करना गलत नहीं है। पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने की जरूरत है, जिससे वे अपराध पर अंकुश लगा सकें।

अब 15 अनुमंडल अस्पतालों में नवजात के लिए स्पेशल यूनिट

पटना, 17 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने घोषणा करने हुए कहा कि राज्य सरकार नवजात शिशुओं और माताओं की बेहतर देखभाल के लिए बिहार के 13 जिलों के 15 अनुमंडलीय अस्पतालों में मदर न्यूबोर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) की शुरुआत करने जा रही है। इसका उद्देश्य नवजात मृत्यु दर में कमी लाना और नवजातों को गुणवत्तापूर्ण देखभाल प्रदान करना है। मदर न्यूबोर्न केयर यूनिट एक विशेष देखभाल केंद्र है, जहां उच्च जोखिम वाले शिशुओं को समग्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इन इकाइयों में बीमार नवजातों को उनकी माताओं के साथ रखने का प्रावधान है, जिसे जीरो सेपरेशन पद्धति कहा जाता है। इस पद्धति के जरिए माताओं और शिशुओं के बीच बेहतर जुड़ाव होता है, जिससे शिशु को निरंतर गर्माहट, देखभाल और स्तनपान का लाभ मिलता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह पहल राज्य में मातृ और शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राज्य सरकार का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक व्यापक रूप से लागू करना है, ताकि नवजात मृत्यु दर में कमी आ सके और शिशु को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल मिल सके। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पांडेय ने बताया कि इन मदर न्यूबोर्न केयर यूनिटों के संचालन के लिए सभी आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, उपकरण स्थापना, एचआर व्यवस्था और अन्य संसाधनों को सुचारू रूप से कार्यान्वित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। सरकार ने 22 मार्च 2025 तक सभी व्यवस्थाओं के निरीक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम को पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

साली से होली खेलने आया जीजा का भाई, कराई शादी

होलिका वाले दिन चुपके से भरी थी मांग, लोगों ने देखा तो मंदिर में लगवाए 7 फेरे

मुजफ्फरपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में एक युवक की उसके बड़े भाई की साली से पकड़कर जबरन शादी करा दी गई। दरअसल, वैशाली जिले का रहने वाला युवक होली के दो दिन पहले अपने बड़े भाई के ससुराल पहुंचा था। यहां होलिका दहन वाले दिन अपने जानने वालों के बीच रात के अंधेरे में युवक ने चुपके से बड़े भाई की साली की मांग भर दी। इस बात की जानकारी मिलते ही गांव के लोगों ने युवक को पकड़ लिया और बड़े भाई की साली के साथ मंदिर में शादी करा दी।

प्रोफेसर ने 30 से ज्यादा छात्राओं का यौन-शोषण किया

मोबाइल में 65 अश्लील वीडियो मिले, एफआईआर दर्ज होने के बाद हाथरस से भागा

हाथरस, 17 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के हाथरस में एक डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर के मोबाइल से 65 अश्लील वीडियो मिले। पुलिस जांच में पता चला कि ज्यादातर वीडियो कॉलेज की छात्राओं के हैं। प्रोफेसर ने छात्राओं के कई वीडियो पोर्न साइट पर भी अपलोड कर दिए थे। कहा जा रहा है कि वह 20 साल में 30 से ज्यादा छात्राओं का यौन-शोषण कर चुका है। फिलहाल, आरोपी फरार है। कॉलेज मैनेजमेंट ने उसे सस्पेंड कर दिया है। एसपी ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 3 टीमें लगाई हैं। मामला बागला डिग्री कॉलेज (एडेड) का है। दरअसल, 6 मार्च को एक छात्रा ने महिला आयोग को लेटर लिखा, साथ ही फोटो-वीडियो भी भेजे। शिकायत सामने आने के बाद पुलिस ने इंटरनल जांच शुरू की।

'मेरी मौत के जिम्मेदार ये लोग हैं'

नोट लिख यूपी पुलिस के सिपाही ने दी जान; 40 लीटर पेट्रोल का भी जिक्र

मुरादाबाद, 17 मार्च (एजेंसियां)। मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के लाइन पार प्रकाशनगर में यूपी 112 पर तैनात सिपाही अमित कुमार (35) ने फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। उसने सुसाइड नोट में अपनी ही गाड़ी पर तैनात सिपाही और होमगार्ड पर अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया है। अमरोहा जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र के अटेरना गांव निवासी अमित कुमार यूपी पुलिस में 2016 में सिपाही पद पर भर्ती हुए थे। उनकी मुरादाबाद में ड्यूटी यूपी 112 पीआरवी पर चल रही थी। वह मझोला थाना क्षेत्र के लाइन पार प्रकाशनगर में चंद्र प्रकाश के मकान की ऊपरी मंजिल पर किराये पर रहते थे, जबकि पत्नी संतोष और दो बेटे ऋषभ व अंशुल अमरोहा के गजरौला में रहते हैं।

रस्सी के सहारे पंखे से लटके हुए था अमित

रविवार सुबह अमित ने रस्सी से फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। मकान मालिक के परिवार के लोग ऊपर गए तो उन्होंने देखा कि अमित के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद हैं। अनहोनी की आशंका में उन्होंने अमित के नंबर पर कॉल की, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। खिड़की से झांक कर देखा तो अमित रस्सी के सहारे पंखे से लटका हुआ था। उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस और अमित के परिवार को दी।

मकई के खेत में मिला युवती का शव

चाकू से वार कर बेरहमी से की गई है हत्या

समस्तीपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। समस्तीपुर जिले में उजियारपुर थाना क्षेत्र के चांद चौर गांव स्थित एक मकई के खेत से एक युवती का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवती की पहचान दलसिंह सराय थाना क्षेत्र के चक बहुउद्दीन गांव के संजीत दास की पत्नी आभा देवी 35 वर्ष के रूप में की गई है। हालांकि, वह अपने मायके उजियारपुर थाना क्षेत्र के वाजिदपुर गांव में बूढ़ी मां के साथ रहती थी। आभा का पति प्रदेश में रहता है। उसके पिता भी घर पर नहीं हैं। घटना की सूचना पर उजियारपुर थाना के साथ ही एसपी के नेतृत्व में पुलिस की टीम मौके पर पहुंच कर छानबीन में जुट गई है। युवती को बेहरहमी तरीके से शरीर में कई जगहों पर चाकू गोद करवा गला रेत हत्या की गई है।

घटना के संबंध में बतलाया गया है कि महिला रविवार शाम घर से निकली थी। लेकिन रात भर घर नहीं लौटी। घर में बूढ़ी मां आसपास के लोगों को सूचना दी। गांव के लोग इधर-उधर खोजबीन कर ही रहे थे। इसी दौरान मक्का के खेत में शव मिलने की जानकारी मिली। गांव के लोग जब मौके पर पहुंचे तो देखा कि यह आभा नामक युवती का शव है।

दो एएसआई की हत्या के बाद पुलिस ने बताई वजह

पटना, 17 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में अपराध बढ़ने और अब पुलिस पर ही लगातार हमलों को देखते हुए विपक्ष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमलावर है। पिछले हफ्ते दो पुलिस सहायक अवर निरीक्षक की भीड़ ने हत्या कर दी। थानों पर हमले हुए।

पुलिस को दौड़ाने का वीडियो वायरल हुआ। इतना कुछ होने के बाद अब पुलिस मुख्यालय अपनी बात रखने सामने आया है। एडीजी (मुख्यालय) कुंदन कृष्णन और एडीजी (विधि-व्यवस्था) पंजक दराद ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पुलिस शांति-व्यवस्था कायम रखने के लिए संयम से काम ले रही है, इसलिए अपने ऊपर हमले की स्थिति में भी फायरिंग नहीं कर रही है।

आकाश की ऊंची उड़ान : गिरीश को महानगर की कमान

> भाजपा ने इन पर दोबारा जताया भरोसा; जातीय समीकरण को भी साधा

मुरादाबाद, 17 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा के जिला और महानगर अध्यक्ष पद की घोषणा हो गई। पार्टी के जिला चुनाव अधिकारी देवेश कोरी ने बुद्धि विहार स्थित पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ताओं से भरे हॉल में आकाश पाल को जिला और व्यापारी नेता गिरीश भंडूला को महानगर अध्यक्ष घोषित किया। आकाश पाल को एक साल पहले ही जिलाध्यक्ष की कमान सौंपी गई थी। वहीं गिरीश भंडूला को महानगर अध्यक्ष पद की कमान सौंप कर पार्टी ने पंजाबी समाज के लोगों को साधने के साथ जिले में सामान्य और पिछड़ी जाति का संतुलन बनाने का भी प्रयास किया है।

रविवार दोपहर 2:17 मिनट पर हाई कमान से मिले मैसेज का जिक्र करते हुए पार्टी के जिला चुनाव प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश कोरी ने दोनों नामों की घोषणा की। इससे पहले उन्होंने अपने संबोधन में पार्टी कार्यकर्ताओं से 2027 की तैयारी में अभी से जुट जाने का आह्वान किया। साथ ही सभी से पार्टी हाई कमान के निर्देशों का पालन करने की अपील की। मंच पर मौजूद सभी जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों ने नवनिर्वाचित जिला और महानगर अध्यक्ष का फूल माला पहनकर स्वागत किया व बधाई दी। इस मौके पर एमएलसी संतोष सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह सैनी, क्षेत्रीय महामंत्री हरिओम शर्मा, कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली चौहान, राजेश कुमार चुन्नू, संजय शर्मा, राजू कालरा, धर्मेंद्र मिश्रा, रुचि चौधरी, मदालसा शर्मा, नवदीप टंडन, शम्मी भटनागर आदि मौजूद रहे।

पुराने कार्यकर्ता को तरजीह का दिया संदेश

गिरीश भंडूला करीब तीन दशक से पार्टी में सक्रिय हैं। वर्ष 2002 में पार्टी ने व्यापार प्रकोष्ठ का मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी थी। 2006 में पार्टी ने उन्हें व्यापार प्रकोष्ठ का महानगर अध्यक्ष बनाया था। वर्ष 2012 से लगातार पांच बार भाजपा महानगर उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालते आए हैं। मुरादाबाद होलसेल कपड़ा कमेटी के वर्ष 2003 से जिलाध्यक्ष हैं। 2022 से वह उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी संभालते आ रहे हैं। पार्टी ने उन्हें महानगर की कमान सौंप कर यह संदेश देने का भी काम किया है कि पार्टी पुराने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को समय आने पर मौका देती है। साथ ही समय-समय पर पंजाबी समाज को तरजीह देने की मांग को पूरा करते हुए पंजाबी समाज के वोट बैंक को भी साधने की कोशिश की गई है।

रामवीर की जीत भी आकाश की ताजपोशी में रही सहायक पार्टी जिलाध्यक्ष पद पर आकाश पाल को रिपीट कर पार्टी ने जिले में जातीय समीकरणों को भी साधने का काम किया है। उनकी गिनती भी पुराने पदाधिकारियों में की जाती है। वर्ष 1996 से वह पार्टी में सक्रिय हैं। उसके बाद से वह लगातार कई पदों पर रहते हुए 2013 से 2019 तक जिला महामंत्री भी रह चुके हैं। करीब एक साल पहले उन्हें पार्टी ने जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी थी। उसके कुछ समय बाद कुंदरकी विधानसभा के हुए उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी रामवीर सिंह को भारी मतों के अंतर से जीत मिली थी। सूत्र बताते हैं कि यह पक्ष भी आकाश की दोबारा ताजपोशी में सहायक साबित हुआ।

11 पदाधिकारियों ने पेश की थी दावेदारी

महानगर अध्यक्ष पद पर बदलाव की बयार यूं ही नहीं चली। 2024 के लोकसभा चुनाव में नगर विधानसभा सीट पर पार्टी की हार और महानगर कमेटी के करीब 11 पदाधिकारियों की ओर से महानगर अध्यक्ष पद के लिए पेश की दावेदारी मुख्य वजह बनी। लोकसभा चुनाव में भाजपा को मुरादाबाद नगर विधानसभा सीट पर हार का सामना करना पड़ा था। यहां सपा की तुलना में पार्टी प्रत्याशी को दस हजार वोट कम मिले थे। वहीं महानगर अध्यक्ष पद के लिए कुल 16 लोगों ने दावेदारी पेश की थी। इनमें 11 दावेदार तो महानगर कमेटी से जुड़े थे। ऐसे में महानगर कमेटी में बदलाव के आसार हैं।

आकाश के फिर जिलाध्यक्ष बनने पर जताई खुशी

अगवानपुर में आकाश पाल के फिर से भाजपा जिलाध्यक्ष के पद पर चुने जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई है। आकाश पाल के आवास पर अगवानपुर के दर्जनों कार्यकर्ता बधाई देने पहुंचे। जिला मंत्री भाजपा ओबीसी मोर्चा हरदीप कसाना ने बताया कि आकाश पाल के नेतृत्व वाली कार्यकारिणी की मेहनत का नतीजा था कि कुंदरकी विधानसभा सीट पर पार्टी को जीत मिली। बधाई देने वालों में हुकुम सिंह, अभिनव गुप्ता, चौधरी सोमवीर सिंह, उधम सिंह, विक्रम सिंह, संजय कुमार विश्नोई, टेकचंद आदि शामिल रहे।

तुष्टिकरण, सियासी तकरार और देश को गुमराह करने के लिए किया जा रहा वक्फ बिल का विरोध : जगदम्बिका पाल

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन बिल को लेकर देश में बड़ा विवाद खड़ा हो रहा है। इस बिल पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने बताया कि जेपीसी में बिल पर गहन विचार-विमर्श किया गया है। विपक्षी दलों और मुस्लिम संगठनों द्वारा इस बिल का विरोध शुरू करने पर जगदम्बिका पाल ने कहा कि ऐसा सिर्फ लोगों को गुमराह करने, देश में तुष्टिकरण करने और सियासी तकरार के कारण किया जा रहा है। इस मुद्दे पर जगदम्बिका पाल ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से विशेष बातचीत की, जिसमें उन्होंने समिति की प्रक्रिया और बिल की जरूरत पर प्रकाश डाला।

जगदम्बिका पाल ने कहा कि जेपीसी द्वारा वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के लिए कई महत्वपूर्ण हितधारकों को बुलाया गया, जिनमें ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और अन्य प्रमुख संगठन शामिल थे। समिति ने विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों, जिनमें असदुद्दीन ओवैसी, कल्याण बनर्जी, ए. राजा आदि भी शामिल थे, के विचारों को सुना और रिकॉर्ड भी किया। समिति ने छह महीने के दौरान कुल 118 घंटों तक 38 बैठकें की। इन बैठकों में देशभर के विभिन्न राज्यों—असम, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु आदि के प्रतिनिधियों की राय ली गई। जगदम्बिका पाल ने कहा कि समिति द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, इस बिल का मुख्य उद्देश्य वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। वर्तमान में, इन संपत्तियों का सही उपयोग नहीं हो पा रहा था, जिससे गरीब, पसमांदा, अनाथ, विधवाएं और जरूरतमंद लोग लाभान्वित नहीं हो रहे हैं।

बिल के विरोध में कई मुस्लिम संगठनों और विपक्षी दलों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जगदम्बिका पाल का कहना है कि अभी यह कानून पारित भी नहीं हुआ है, लेकिन इसके बावजूद कुछ समूह शाहीन बाग जैसी स्थिति बनाने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने इसे एक सोची-समझी रणनीति करार दिया, जिसका उद्देश्य देश में आंदोलन खड़ा करना है।

सपकाल ने औरंगजेब से की फडणवीस की तुलना; महायुति ने की कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति के विधायकों ने सोमवार राज्य कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल के उस बयान की निंदा की, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तुलना मुगल शासक औरंगजेब से की थी। इसके बाद विधायकों ने सपकाल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। राज्य विधानपरिषद में इस मुद्दे को लेकर जोरदार हंगामा हुआ और बाद में कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले सपकाल ने रविवार को कहा था, 'औरंगजेब एक क्रूर शासक था। आज मुख्यमंत्री फडणवीस भी उतने ही क्रूर शासन हैं। वह हमेशा धार्मिक मुद्दों का सहारा लेते हैं, लेकिन (बीड़) के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या जैसे मामलों में कुछ नहीं करते। जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रवीण दारेकर ने इस मुद्दे को उठाया।

बाबा सिद्दीकी का हत्यारा अजरबैजान में छिपा

पंजाब पुलिस को लोकेशन मिली, जालंधर में यूट्यूबर के घर ग्रेनेड फिंकवाया, पाकिस्तानी डॉन का साथ दिया

जालंधर, 17 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई में एनसीपी (अजित गुट) नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या और पंजाब के जालंधर में यूट्यूबर के घर पर ग्रेनेड फिंकवाने के मुख्य आरोपियों में से एक जीशान अख्तर उर्फ जैसी पूरेवाल अजरबैजान में है। पंजाब पुलिस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, जीशान की आखिरी लोकेशन पूर्वी यूरोप और एशिया के बीच स्थित देश अजरबैजान में ट्रैक की गई है।

जीशान को यहां पहुंचाने में पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी का हाथ है। इस बात का खुलासा खुद भट्टी और जीशान ने अलग-अलग वीडियो जारी कर किया था। हालांकि, तब यह क्लियर नहीं था कि जीशान किस देश में है। सूत्रों के अनुसार, जीशान अब अजरबैजान से भी जल्द निकलने की तैयारी में है। इस बार उसकी मदद भट्टी नहीं, बल्कि खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पासियां करेगा। हालांकि, पासियां भी पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी के लिंक से ही जीशान को अजरबैजान से निकालकर किसी दूसरे देश में पहुंचाएगा।

वीडियो जारी कर किया था विदेश में पनाह लेने का दावा

पाकिस्तान में बैठे माफिया डॉन फारुख खोखर के राइट हैंड शहजाद भट्टी के संपर्क से जीशान अख्तर को भारत से निकाला गया था। जीशान अख्तर ने वीडियो जारी कर दावा किया था कि वह एशिया छोड़ चुका है। हालांकि, उसने यह नहीं बताया था कि किस देश में है और किसके साथ है। इससे पहले पंजाब पुलिस ने उसकी लोकेशन नेपाल में ट्रैक की गई थी। उसके बाद आगे कहां गया, इस पर कोई जानकारी नहीं मिल पाई थी। जीशान ने वीडियो में कहा था, भारत में मुझ पर बाबा सिद्दीकी की हत्या और अन्य कई केस चल रहे हैं। मुझे भट्टी भाई ने विदेश भगाया। शहजाद भट्टी ने मुझे भारत से निकाला और मुझे सुरक्षित जगह पर पहुंचाया। इस वक्त मैं एशिया से बहुत दूर हूं और पाकिस्तान का डॉन शहजाद भट्टी हमारा बड़ा भाई है। कोई भी व्यक्ति अगर हमारे भाइयों को कुछ कहेगा या फिर उन्हें तंग करेगा तो वह व्यक्ति अपना विचार कर ले। शहजाद भट्टी ने मुझे एशिया से निकाला और मुझे असाइलम (पनाह) दिलवाई है। चलो वह तो भारत को पता चल ही जाएगा कि मुझे किस देश में असाइलम मिला है।

'सोनिया गांधी, ममता बनर्जी ने मेरा हालचाल पूछा, उपराष्ट्रपति धनखड़ बोले-भावुक हूं

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही का संचालन किया। बीते दिनों बीमार होने के बाद सोमवार से ही राज्यसभा सभापति सदन की कार्यवाही में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत कई नेताओं ने उनके स्वास्थ्य का हालचाल पूछा था। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि वे सांसदों की इस चिंता से भावुक महसूस कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि 'सदन के नेता (जेपी नड्डा) और नेता विपक्ष (मल्लिकार्जुन खरगे) ने सबसे पहले मेरे परिवार से बात करके मेरे स्वास्थ्य के बारे में पूछा। सोनिया गांधी ने भी मेरी पत्नी से बात की और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों, जिनमें पश्चिम बंगाल की सीएम भी शामिल हैं, ने भी मेरे स्वास्थ्य का हालचाल पूछा।' उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, जो राज्यसभा के सभापति भी हैं, उन्हें बीती 9 मार्च को सीने में दर्द की शिकायत के बाद नई दिल्ली स्थित एम्स में भर्ती कराया गया था। 12 मार्च को उपराष्ट्रपति को अस्पताल से छुट्टी मिली और वे सोमवार को इस संसद सत्र में पहली बार सदन पहुंचे और उन्होंने सदन की कार्यवाही का संचालन किया।

तमिलानडु के बजट का डीएमडीके ने किया स्वागत

मदुरै, 17 मार्च (एजेंसियां)। डीएमडीके की महासचिव प्रेमलता विजयकांत ने कहा कि वे बजट का स्वागत करती हैं। लेकिन, यह चुनावी गठबंधन के लिए नहीं, बल्कि डीएमडीके की पुरानी योजनाओं के लागू होने के कारण है। उन्होंने मीडिया में अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 2006 के डीएमडीके घोषणापत्र में शामिल कई योजनाएं इस बजट में दिख रही हैं। खासकर स्कूली बच्चों के लिए मुफ्त नाश्ते की योजना उनकी पार्टी की सोच थी, जिसे अब लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा, चुनाव में अभी एक साल बाकी है।

अर्धसैनिक बलों में 10 लाख से अधिक जवानों को नहीं मिली 'आवास संतुष्टि', 70-80% तक कब पहुंचेगा स्तर?

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के कार्मिकों को पर्याप्त संख्या में आवास सुविधा नहीं मिल पा रही है। मौजूदा समय में यह स्तर पचास फीसदी से अधिक बताया जा रहा है।

2019 में गृह मंत्रालय के मामलों के लिए गठित संसद की स्थायी समिति (डिपार्टमेंट-रिलेटेड पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी ऑफ होम अफेयर्स) ने अपनी रिपोर्ट में लिखा था कि सभी अर्धसैनिक बलों में आवास का संतुष्टि लेवल केवल 39.04 फीसदी है। 2014 में आवास संतुष्टि का अनुपात लगभग 33 प्रतिशत था। 2022 के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि अब यह प्रतिशत 48 हो गया है। सीएपीएफ ई-आवास पोर्टल के शुभारंभ से नए भवनों के निर्माण के बिना आवास संतुष्टि अनुपात में 13 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इस वर्ष 10 मार्च को गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने 'एमएचए' की अनुदान मांगों (2025-26) को लेकर राज्यसभा में अपनी 252वीं रिपोर्ट पेश की है। समिति ने यह इच्छा जताई है कि आने वाले वर्षों में यह स्तर 70-80 प्रतिशत तक हो जाए।

एसएसबी का आवास संतुष्टि सबसे कम रहा

संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट में बताया गया है कि दिसंबर 2022 में सीएपीएफ में आवास संतुष्टि का स्तर 47.95 प्रतिशत था। गृह मंत्रालय ने समिति को सूचित किया है कि इस मामले में कई कदम उठाए जा रहे हैं। सभी केंद्रीय बलों में एसएसबी का आवास संतुष्टि सबसे कम रहा है। इसके लिए तुरंत कदम उठाए जाने की जरुरत है। सेमी अर्बन और रिमोट एरिया में स्थित आवास परिसर से स्कूल और अस्पताल की दूरी ज्यादा होने के कारण इन बलों के कार्मिक, सरकारी आवास लेने में रूचि नहीं दिखाते। इस तरह की दिक्कतों को दूर करने के मकसद से गृह मंत्रालय ने 'सीएपीएफ ई आवास' पोर्टल की शुरुआत की है। इसकी मदद से मौजूदा आवासों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल हो सकेगा। समिति को यह जानकारी भी दी गई है कि कई जगहों पर नए आवास बनाए जा रहे हैं।

चुराचांदपुर में हमार जनजाति के नेता पर हमले के बाद तनाव; विष्णुपुर जिले में हथियार और गोला-बारूद जब्त

इंफाल/चुराचांदपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिला मुख्यालय शहर में अज्ञात बदमाशों ने हमार जनजाति के नेता पर हमला कर दिया। इसके एक दिन बाद सोमवार को इलाके में तनाव बढ़ गया। स्थानीय लोगों ने अपराधियों की पहचान की मांग कर पुलिस से सख्त कार्रवाई करने की मांग की। एहतियात के तौर पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने बीएनएसएस 2023 की धारा 163 के तहत पूरे जिले में निषेधाज्ञा लागू कर दी। इस बीच विष्णुपुर जिले में सुरक्षा बलों ने एक तलाशी अभियान के दौरान हथियार और गोला-बारूद जब्त किए। पुलिस ने बताया कि उयोक जंगल के आसपास से सुरक्षा बलों ने रविवार को 5.56 एमएम इंसास राइफल, नौ एमएम की दो कार्बाइन मशीन गन, .303 'मोडिफाइड स्नाइपर', एक एसबीबीएल बंदूक, एक पिस्तौल, चार हथगोले और कारतूस जब्त किए गए। आदेश में कहा गया है,

'चुराचांदपुर के पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट मिली है, जिसके मुताबिक, जिले में कानून और व्यवस्था के उल्लंघन की गंभीर आशंका है, जिससे विभिन्न समुदायों के बीच शांति और सौहार्द भंग हो सकता है और जान-माल को नुकसान हो सकता है।'

कानून और व्यवस्था बनाए रखने की कवायद

कानून और व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए आदेश में अनधिकृत जुलूस या पांच या अधिक व्यक्तियों के गैरकानूनी जमावड़े पर रोक लगाई गई है। आदेश के जरिए हथियार या ऐसे उपकरण ले जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया है, जिनका इस्तेमाल हथियार के रूप में किया जा सकता है, जिसमें लाठी, रॉड और पत्थर शामिल हैं।

प्रदर्शनकारी शहर में बंद लागू करने का प्रयास कर रहे

पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारी शहर में बंद लागू करने का प्रयास कर रहे हैं। दुकानों को तुरंत बंद करने का आग्रह कर रहे हैं। लाठी लेकर लोगों के समूह सड़कों पर गश्त करते हुए भी देखे गए। उन्होंने बताया कि कुछ इलाकों में भीड़ द्वारा पत्थरबाजी की खबरें भी आई हैं।

क्या है मामला?

जनजाति के शीर्ष निकायों में से एक हमार इनपुई के महासचिव रिचर्ड हमार पर रविवार को शाम 7.30 बजे के आसपास जेनहांग लामका में वीके मोंटेसरी परिसर के अंदर लोगों के एक समूह ने हमला किया। घटना की कड़ी निंदा करते हुए हमार इनपुई ने एक बयान जारी कर मांग की कि अपराधियों को तुरंत पकड़ा जाए और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर वे अपनी खुद की कार्रवाई करेंगे। दावा किया जा रहा है कि रिचर्ड हमार जब एक वाहन चला रहे थे, तब उनसे लगभग एक दोपहिया सवार को टक्कर लग गई। इसके कारण विवाद हुआ और मामला हमले तक पहुंच गया।

ट्रेन की चपेट में आने से बाप-बेटे की मौत

सोनीपत, 17 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में दर्दनाक हादसा हुआ है। ईदगाह कॉलोनी के पास दादर एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से पिता-पुत्र की मौत हो गई। पिता अपने मानसिक दिव्यांग बेटे को दवा दिलाने लेकर गया था। तभी रेलवे ट्रैक पर आठ वर्षीय बेटा भागने लगा। ट्रेन आती देख पिता उसे बचाने दौड़ा तो दोनों ही चपेट में आ गए और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना के बाद पहुंची राजकीय रेलवे पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। ईदगाह कॉलोनी निवासी मेहरबान (36) अपने बेटे सुफियान (8) को दवा दिलाने लेकर गए थे। सुफियान की मानसिक स्थिति सही नहीं थी। जब मेहरबान बेटे सुफियान को लेकर रेलवे लाइन पार करने लगा तो उनका बेटा अचानक भाग गया।

वडोदरा हिट-एंड-रन का सीसीटीवी आरोपी के हाथ में बोतल दिखी

दोस्त को कार चलाने से रोका, उसे हटाकर खुद ड्राइविंग सीट पर आया था

अहमदाबाद, 17 मार्च (एजेंसियां)। वडोदरा हिट एंड रन केस से कुछ देर पहले का सीसीटीवी फुटेज सोमवार को सामने आया है। इसमें मुख्य आरोपी रक्षित के हाथ में बोतल दिखाई दी है। वह अपने दोस्त के साथ उसके घर स्कूटी से आया था। सीसीटीवी से यह साफ हो रहा है कि रक्षित जिद करके कार की ड्राइविंग सीट पर गया था। वडोदरा पुलिस ने भी यह बताया है कि रक्षित पहले कार की सीट पर नहीं था, लेकिन बाद में उसने कार के भीतर ही सीट शिफ्ट की और ड्राइविंग सीट पर आ गया था।

3 मार्च की रात वडोदरा के पॉश इलाके करेलीबाग में काले रंग की तेज रफ्तार फॉक्सवैगन वर्टस कार ने 3 गाड़ियों को टक्कर मारी थी। इस हिट एंड रन केस में एक महिला की मौत हुई थी और 7 अन्य घायल हो गए थे। कार को रक्षित चला रहा था और उसका दोस्त प्रांशु साथ में था। पुलिस ने रक्षित को गिरफ्तार कर लिया है और प्रांशु अभी फरार है। वडोदरा कार एक्सीडेंट से पहले आरोपी रक्षित और उसका दोस्त सुरेश स्कूटी पर थे। रक्षित स्कूटी चला रहा था और सुरेश पीछे बैठा था। दोनों रात करीब 10:30 बजे सुरेश के घर आए। यहां स्कूटी पार्क करने से पहले दोनों में बातचीत हुई। इसके बाद रक्षित सीढ़ियों से ऊपर गया। उसके हाथ में बोतल थी। लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि उसमें क्या था। 15 मिनट के बाद एक अन्य दोस्त प्रांशु काली सेडान से वहां आया और कार पार्क कर दी करीब 11:15 बजे रक्षित और प्रांशु कार की ओर जाते दिखे। सीसीटीवी से पता चलता है कि प्रांशू कार की ड्राइविंग सीट की ओर जा रहा था, इसी दौरान रक्षित उसकी ओर बढ़ा। यहां थोड़ी देर के लिए सीसीटीवी फुटेज ब्लॉक हुई। इसके बाद प्रांशु कार की सीट शिफ्ट करता और रक्षित से बात करता दिखाई दिया। इससे पता चलता है कि रक्षित ने उससे ड्राइविंग सीट पर आने की जिद की होगी। इसके कुछ देर बाद ही कार ने तीन गाड़ियों को टक्कर मार दी। एक्सीडेंट के वीडियो में कार के एयर बैग्स खुले नजर आते हैं। रक्षित प्रांशु को रोकने की कोशिश करता है, लेकिन प्रांशु चिल्लाता है हटो तुम। प्रांशु कार से बाहर निकलता है और चिल्लाता है- पागल है। इसके बाद रक्षित कहता है- एनअदर राउंड।

रेप के आरोपी डॉक्टर का मुंह काला कर बाजार में घुमाया था, नौ लोग दोषी करार; सजा 19 को

फतेहाबाद, 17 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के फतेहाबाद के पुराने बस स्टैंड पर स्थित अस्पताल संचालक डॉ. जिम्मी जिंदल को अस्पताल से किडनैप कर, उसका मुंह काला और नंगा करके बाजार में घुमाने और मारपीट करने के मामले में कोर्ट ने नौ लोगों को दोषी करार दिया है। अक्टूबर 2017 के बहुचर्चित मामले की सुनवाई मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव की अदालत में हुई। नौ दोषियों में राजेंद्र चौधरी काका, बलजीत बिट्टा, कृष्ण कुमार, अनिल कुमार, पूर्व पार्षद सुभाष पपिया, प्रेम सागर, सुभाष रायल, वीरेंद्र व रमन कुमार शामिल हैं। दोषियों को 19 मार्च को सजा सुनाई जाएगी। इनमें से एक आरोपी काका चौधरी अक्तूबर 2024 में निर्दलीय तौर पर विधानसभा का चुनाव भी लड़ चुका है।

स्टूडेंट से रेप का आरोपी था डॉक्टर जिंदल

डा.जिम्मी जिंदल पर स्टूडेंट के साथ पहले छेड़खानी, फिर रेप का आरोप लगा था। 28 अक्टूबर 2017 की दोपहर को कुछ लोग डा. जिम्मी जिंदल के अस्पताल पहुंचे और अस्पताल में तोड़फोड़ शुरू कर दी। डॉक्टर को पीटते हुए बाहर ले आए। उसके कपड़े फाड़ दिए गए और मुंह पर कालिख पोत दी। मारपीट करने वालों का आरोप था कि डॉक्टर ने उसके पास इलाज के लिए आई एक स्टूडेंट के साथ छेड़खानी की है। उसे पीटते हुए पैदल ही शहर थाने में ले आए। युवती की मां के अनुसार युवती के दिमाग में बुखार चढ़ गया था। सलाह दी गई कि मनोरोग विशेषज्ञ को दिखाएं, इसलिए वह उसे डा. जिम्मी जिंदल के पास ले गई। आरोप था कि डा. जिम्मी जिंदल ने इलाज के लिए आई युवती को नशा देकर अस्पताल में रख लिया और उसकी मां को बहला-फुसलाकर घर भेज दिया। इसके बाद डॉक्टर युवती को अपने घर ले गया जहां डॉक्टर ने युवती के साथ अश्लील हरकतें की। शाम को युवती को वापस ले आया और यहां से उसका भाई ले गया, रात भर युवती रोती रही। सुबह उसने परिवार के लोगों को जानकारी दी। इसी पर उसके परिजन भड़के थे। पीड़िता ने बताया कि उसके साथ सिर्फ छेड़छाड़ नहीं, बल्कि रेप हुआ है। इसके बाद पुलिस ने मामले में रेप की धारा जोड़ दी थी।

इलाहाबाद का नाम प्रयागराज करना ऐतिहासिक कदम : आप सांसद

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद ने सोमवार को राज्यसभा में 'इलाहाबाद' नाम पर अपना एतराज जताया है। पार्टी के राज्यसभा सांसद अशोक कुमार मित्तल ने बताया कि वह इलाहाबाद हाई कोर्ट और इलाहाबाद विश्वविद्यालय का नाम बदले जाने के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि शहर का नाम तो प्रयागराज हो गया है लेकिन कोर्ट और विश्वविद्यालय के नाम में अभी भी इलाहाबाद है।

कब मिलेंगे 2500 रुपये? एमसीडी सदन में भिड़े आप-भाजपा पार्षद

फ्री गैस सिलेंडर का मुद्दा भी उठाया

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। एमसीडी सदन की बैठक में आम आदमी पार्टी और भाजपा पार्षदों ने एक दूसरे के खिलाफ विभिन्न आरोप लगाते हुए हंगामा किया। आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने दिल्ली सरकार की ओर से ढाई हजार रुपए महिलाओं को पेंशन के तौर पर नहीं देने और होली पर गैस सिलेंडर नहीं दिए जाने का मुद्दा उठाते हुए विरोध किया। वहीं भाजपा पार्षदों ने आम आदमी पार्टी अल्पमत में होने का मुद्दा उठाते हुए एजेंडा पास करने के कदम को गैरकानूनी करार दिया।

इस दौरान भाजपा पार्षद नेता सदन मुकेश गोयल के पास पहुंचे और उन्होंने एजेंडा पास करने से रोकना शुरू किया। वह अपनी सीट से उठकर बेंचो पर चढ़ते हुए पीछे आ गए और एक बेंच के नीचे एजेंडा छुपा कर प्रस्ताव पास किए। वहीं भाजपा के कई पार्षद मेयर के आसन पर चढ़ गए और उनको बोलने से रोकते हुए उनका माइक तोड़ दिया। उनकी टेबल पर रखे एजेंट को भी फाड़ दिया। इसके बाद मेयर ने सदन की बैठक स्थापित कर दी।

'शिवाजी महाराज का मंदिर महिमा मंडन का हकदार, औरंगजेब की कब्र नहीं'

विवाद के बीच बोले सीएम फडणवीस

ठाणे, 17 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को ठाणे में छत्रपति शिवाजी महाराज के मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि केवल छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर ही महिमा मंडन का हकदार है, न कि औरंगजेब की कब्र। जिस तरह भगवान राम के दर्शन हनुमानजी के बिना अधूरे हैं, उसी तरह छत्रपति शिवाजी महाराज के सम्मान के बिना कोई भी तीर्थयात्रा पूरी नहीं होती। सीएम ने कहा कि शिवाजी महाराज की कोशिशों के कारण ही हम अपने देवताओं की स्वतंत्र रूप से पूजा करने में सक्षम हैं। उन्होंने स्वराज्य, भगवान, हमारे देश और हमारे धर्म के लिए लड़ाई लड़ी। फडणवीस ने महाराष्ट्र में ऐतिहासिक स्मारकों खास तौर पर औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर कहा कि सरकार औरंगजेब की कब्र को संरक्षित स्थल घोषित करने के

लिए बाध्य है। इसका संरक्षण श्रद्धा के बजाय ऐतिहासिक रिकॉर्ड के लिए जरूरी है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार को औरंगजेब के उत्पीड़न के इतिहास के बावजूद उसकी कब्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी पड़ रही है। मैं आश्वासन देता हूं कि अगर उनकी विरासत को महिमामंडित करने का कोई प्रयास किया जाता है, तो यह सफल नहीं होगा। फडणवीस ने कहा कि भले ही शिवाजी की मृत्यु कम उम्र में हो गई थी, लेकिन समाज के लिए उनके योगदान ने लोगों को उनकी विरासत का अनुसरण करने में मदद की है। महाराष्ट्र उम्मीदों पर खरा उतरा है और यह राज्य के लोगों के सोच से स्पष्ट है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने आगरा किले में मांगी जगह

सीएम ने कहा कि राज्य सरकार ने छत्रपति शिवाजी महाराज के 12 किलों को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता देने के लिए यूनेस्को को एक प्रस्ताव सौंपा है। इसके अलावा संगमेश्वर महल को अपने नियंत्रण में लेने और विकसित करने की योजना बना रही है। यहां शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज को धोखे से पकड़ लिया गया था। हमने उत्तर प्रदेश सरकार से अनुरोध किया गया है कि वह ऐतिहासिक स्मारक स्थापित करने के उद्देश्य से आगरा किले में एक कोठरी का कब्जा महाराष्ट्र सरकार को दे, जहां शिवाजी महाराज को कभी कैद किया गया था।

2500 वर्ग फुट में फैला है मंदिर

ठाणे के भिवंडी क्षेत्र में निर्मित शिवाजी महाराज को समर्पित राज्य के पहले मंदिर का निर्माण डॉ. राजू चौधरी के नेतृत्व में शिवक्रांति प्रतिष्ठान ट्रस्ट ने किया है। मंदिर में शिवाजी महाराज की मूर्ति प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज ने बनाई है। मंदिर 2,500 वर्ग फुट में फैला है। डॉ. राजू चौधरी ने कहा कि शिवाजी महाराज का मंदिर सिर्फ पूजा का स्थान नहीं है, बल्कि एक ऐतिहासिक और शैक्षिक केंद्र भी है। यह शिवाजी महाराज के दृष्टिकोण, शासन और सैन्य उपलब्धियों के बारे में जागरूकता फैलाने और संरक्षित करने में मदद करेगा।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 18 मार्च - 2025

आंकड़े बता रहे हैं यूपी के विकास की गाथा

निरंकार सिंह

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आठ साल के शासन काल में प्रदेश की अर्थव्यवस्था का जिस तेजी के साथ विकास हुआ है वह अन्य प्रदेश के लिए एक उदाहरण बन गया है। आज देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान 9.2 प्रतिशत के साथ दूसरे नम्बर है। प्रदेश के विकास की रणनीति मुख्य रूप से कृषि, उद्योग पर्यटन और आईटी और आईटीईएस जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है। यह रणनीति उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता और विभिन्न क्षेत्र में नई तकनीक के अपनाने को बढ़ावा देने के साथ-साथ व्यापार और विनिर्माण मे विविधता लाने का पर केन्द्रित है। प्रमुख क्षेत्रो की वृद्धि सहायक क्षेत्रों के समानान्तर विकास और उनको गति पर निर्भर करती है जैसे कि ऊर्जा शिक्षा, बुनियादी ढांचा, शहरी विकास और और स्वास्थ्य, जिससे सतत प्रगति सुनिश्चित की जा सके। आज उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और आयुष्यमान भारत डिजिटल मिशन में देश का अग्रणी राज्य हो गया है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और राष्ट्रीय आजीविका मिशन के त्वरित क्रियान्वयन को दर्शाने वाली सिस्टमेटिक प्रोग्रेसिव एनालिटिकल रियल टाइम रैंकिंग (स्पार्क) में देश में दूसरे नम्बर पर पहुंच गया है। यह सब यों ही नहीं हो गया है। इसके लिए आदित्यनाथ योगी की सरकार ने कड़ी मेहनत की है। उनके सत्ता की बागडोर संभालने से पहले इस इस प्रदेश की स्थिति अराजक प्रदेश के रूप में बन गयी थी। कोई उद्यमी यहा उद्योग-धंधा लगाने से कतराता था। खराब कानून व्यवस्था, बिजली का संकट यहां एक बड़ी समस्या थी। पर आज आज उत्तर प्रदेश की तस्वीर पूरी तरह से बदल गयी है। आज उत्तर प्रदेश उपद्रवियों के लिए नही बल्कि उत्सवों के प्रदेश के रूप में जाना जाता है। अब उत्तर प्रदेश माफिया के लिए नहीं, महोत्सव के लिए जाना जाना जाता है। उत्तर प्रदेश गुंडाराज, माफियाराज, और जंगलराज जैसे शब्द अब अतीत के शब्द बन गये हैं। उत्तर प्रदेश विकास की नई बुलंदियों को छू रहा है। ये 8 साल यूपी के लिए महत्वपूर्ण रहे। फुल मेजोरिटी की सरकार और स्थिरता, प्रशासन में स्थायित्व आया है। सालों बाद ऐसा हो रहा कि डीएम जिले में कार्यकाल पूरा कर रहे। पहले ताश के पत्तों की तरह फेंटे जाते थे सब। 8 साल में दंगामुक्त प्रदेश, सबसे अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर. 2 करोड़ युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम करने के लिए टेबलेट और स्मार्टफोन योजना के तहत 20 लाख से अधिक बांटे गये हैं। कोई जिला ऐसा नहीं जहां के युवाओं को बिना भेदभाव के सरकारी नौकरी न मिली हो। कोविड के दौरान बाहर ने आने वाले श्रमिकों और कामगारों को काम मिला। एक लाख 64 हजार से अधिक पुलिस भर्ती बिना जातिवाद और बिना परिवारवाद के हुई। पुलिस रिफार्म के प्रयास हुए। 7 पुलिस कमिश्नरेट बने। तहसील स्तर पर फायर टेंडर की स्थापना का काम हुआ। साइबर थाने की जिला स्तर पर स्थापना के काम को आगे बढ़ा। पुलिस ट्रेनिंग क्षमता 3 गुना हुई। लखनऊ में फॉरेंसिक इंस्टीटूट बन रहा। पुलिस बल में महिला कार्मिकों की संख्या बढ़ी है। महिला पुलिस कार्मिकों की संख्या 10 हजार से बढ़कर 40 हजार पहुंच गयी है। आज उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट नहीं है। वे चाहे जहां जाएं। आठ साल में 5 लाख करोड़ से अधिक की औद्योगिक विकास की इकाइयां स्थापित की गयीं। इनमें कई में प्रोडक्शन हो रहा है। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि 35 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव आयेंगे। बेरोजगारी दर जो 2016 में 18 फीसदी थी वह आज 3 से 4 फीसदी है। जितना गन्ना मूल्य भुगतान 2007 से 2017 के बीच हुआ उसका दोगुना योगी सरकार ने 2017 के बाद किया। सरकार 2 लाख 2 हजार करोड़ से अधिक का गन्ना मूल्य भुगतान कर चुकी है। एथनॉल उत्पादन में प्रदेश देश में नंबर 1 पर है। आज 118 करोड़ लीटर एथनॉल उत्पादन यूपी कर रहा है। देश कें सर्वाधिक स्मार्टफोन का उत्पादन यूपी में हो रहा है। देश का सबसे बड़ा डेटा सेन्टर यूपी में है। विपक्षी दलों की सरकारों के उदासीन रवैये से संसाधनों से भरपूर होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में विकास की रफ्तार सुस्त रही। वहीं 2017 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार आने के बाद प्रदेश में विकास का पहिया तेजी से घूमा है और देश की जीडीपी में प्रदेश की हिस्सेदारी दूसरे नम्बर पर पहुंच गयी। देश का सबसे बड़ा राज्य और सबसे अधिक संसाधन होने के बावजूद 1950 से 2017 तक प्रदेश की जीएसटीपी 12.75 लाख करोड़ तक पहुंच सकी, जबकि 2017 में जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों पर विश्वास जताया और पिछले आठ वर्षो में प्रदेश की जीएसडीपी दोगुना से अधिक होकर 2024- 25 में 27.51 लाख करोड़ होने जा रही है। नीति आयोग द्वारा राज्यों की राजकोषीय स्थिति के संबंधित से प्रकाशित रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश को फ्रंट रनर की श्रेणी में रखा गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 की अवधि में प्रदेश के समेकित 'फिस्कल हेल्थ इंडेक्स' में 8.9 अंकों का इजाफा हुआ है। व्यय की गुणवत्ता में व्यापक सुधार हुआ है, वर्ष 2018 से 23 की अवधि में पूंजीगत व्यय, कुल व्यय के 14.8 प्रतिशत से 19.3 प्रतिशत के मध्य रहा। इस अवधि में यह अनुपात देश के प्रमुख राज्यों के औसत अनुपात से अधिक रहा। देश के सभी राज्यों की स्वयं के कर की प्राप्तियों में उत्तर प्रदेश का अंश वर्ष 2022-2023, 2023-2024 एवं 2024-2025 में क्रमशः 9.9 प्रतिशत, 10.5 प्रतिशत एवं 11.6 प्रतिशत रहा जो महाराष्ट्र के उपरांत देश में सर्वाधिक है। उक्त वर्षों में सभी राज्यों में राजस्व प्राप्तियों के सापेक्ष ब्याज पर व्यय क्रमशः 12.6, 12.3 एवं 12.1 प्रतिशत रहा जबकि उत्तर प्रदेश में यह प्रतिशत 10.3, 9.4 एवं 8.9 रहा।सकल राज्य घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में सभी राज्यों की स्वयं के कर से प्राप्ति का औसत उक्त वर्षों में क्रमशः 6.5, 7.0 और 7.2 प्रतिशत रहा, जबकि उत्तर प्रदेश में यह अनुपात क्रमशः 7.6, 9.8 और 10 प्रतिशत रहा। वर्ष 2023-2024 में देश की जीडीपी की वृद्धि दर 9.6 प्रतिशत है, जबकि उत्तर प्रदेश की वृद्धि दर 11.6 प्रतिशत रही है। 2016-2017 में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय मात्र 52.271 रूपये थी, वर्ष 2023-2024 में 93.514 रूपये है। 2016-2017 में कुल राजस्व प्राप्तियां 02 लाख 56 हजार रूपये हुई थी। जबकि चालू वित्तीय वर्ष के जनवरी माह तक ही 04 लाख 10 हजार करोड़ से अधिक का राजस्व प्राप्त हो चुका है। आज उत्तर प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। कर अपवंचन को रोका गया है। रेवेन्यू, लीकेज को समाप्त किया गया है। बीते आठ वर्ष में एक भी नया टैक्स नहीं लगाया गया। प्रदेश में डीजल-पेट्रोल की दरें देश में सबसे कम हैं। बावजूद इसके उत्तर प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। आज टैक्स का इस्तेमाल जनता के हित में हो रहा है। जैसे हाईवे बनें, पुल बनें, स्कूल-कालेज बनें और अस्पताल बनें हैं। उत्तर प्रदेश 400 लाख टन सब्जियों का उत्पादन करते हुए देश में प्रथम स्थान पर है। डिजिटल क्रांति का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण बनकर उभरा है उत्तर प्रदेश। 2017-18 में यूपी में जहां 122.84 करोड़ डिजिटल ट्रांजैक्शन हुए थे, वहीं 2024-25 में दिसम्बर 2024 तक 1024.41 करोड़ डिजिटल ट्रांजैक्शन हो चुके हैं। यूपी डिजिटल लेनदेन अपनाने में नंबर एक है। आधे से अधिक लेन-देन यूपीआई से हुए। प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार और बेईमानी पर कठोर प्रहार कर रही है। 11 विभागों की 207 योजनाओं की धनराशि डीबीटी के माध्यम से दी जा रही हैं। इसमें 113 केन्द्रीय योजनाएं और 94 राज्य सेक्टर की योजनाएं हैं। डीबीटी से 09 करोड़ 08 लाख से अधिक लोगों को 01 लाख 11 हजार 637 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया।

अब शमी की बेटी निशाने पर

मोहम्मद शमी की बेटी ने होली क्या खेल ली, वह कठमुल्लाओं के निशाने पर आ गई। उस नादान बच्ची के होली खेलने पर विवाद शुरू हो गया है। मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि अगर शमी की बेटी होली खेलने के लिए समझदार है, तो यह शरीयत के खिलाफ है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब धर्म के आधार पर शमी की बेटी को निशाने पर लिया गया है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी वही मौलाना है जिन्होंने क्रिकेटर मोहम्मद शमी को रमजान में रोजा न रखने पर सवाल उठाया था। अब उन्हें शमी की नौ साल की बेटी के होली खेलने पर आपत्ति है। रजवी के अनुसार अगर शमी की बेटी समझदार है, तो उसका होली खेलना शरीयत के खिलाफ है। नए-नए टीवी पर नमूदार हुए मौलाना रजवी ने एक वीडियो जारी कर कहा कि अगर शमी की बेटी छोटी है और बिना समझे होली खेलती है, तो यह कोई गुनाह नहीं। लेकिन अगर समझदार है तो यह शरीयत के खिलाफ माना जाएगा। रजवी ने आगे कहा कि उन्होंने पहले भी शमी को इस्लाम के नियमों का पालन करने की सलाह दी थी। इसके बावजूद उनकी बेटी का होली खेलते हुए वीडियो सामने आया है। रजवी ने स्पष्ट किया कि होली हिंदुओं का त्योहार है और मुसलमानों को इसे नहीं मनाना चाहिए। जो भी शरीयत में नहीं है, उसे मुसलमान अपने बच्चों को न करने दें। अगर कोई शरीयत को जानते हुए भी होली मनाता है, तो यह गुनाह की श्रेणी में आएगा। क्रिकेट की पहचान बन चुके मोहम्मद शमी और उनके परिवार को अक्सर धर्म के तराजू पर तौला जाता है। पहले भी उनकी बेटी के एक डांस वीडियो को लेकर कट्टरपंथियों ने आपत्ति दर्ज कराई थी। वहीं उनकी पत्नी हसीन जहां एक बार दुर्गा पूजा में सिंदूर लगाकर पहुंची तो इसपर बवाल हो गया । लेकिन इन्हीं घटिया मानसिकता वाले धर्म के ठेकेदारों को पता नहीं कि यह बात कब समझ में आएगी कि होली खेलना, सिंदूर लगाना या फिर डांस करना किसी धर्म के खिलाफ नहीं है। धर्म के आधार पर किसी भी खिलाड़ी या उसके परिवार को टारगेट करना ऐसे लोगों की घटिया मानसिकता को दर्शाने के अलावा और कुछ नहीं है। एक 9 साल की बच्ची के होली खेलने को लेकर विवाद से जुड़ी घटना इस देश के लिए शर्मनाक बात है। एक बच्ची जिसको अभी अच्छे या बुरे की समझ भी नहीं है उसे आप धर्म के आधार पर नफरत करना सिखा रहे हैं। हर किसी की अपनी पर्सनल लाइफ होती है और उसमें हर पल ताक-झांक करना ठीक बात तो कतई नहीं है। इस देश का तमाम मुसलमान आज भी हिंदुओं के साथ उनके त्यौहारों में शामिल होता है। वहीं हिंदू भी अक्सर ईद जैसे बड़े त्यौहारों पर मुस्लिमों के साथ खड़े नजर आते हैं। ऐसे में धर्म के आधार पर देश की एकता को खराब करना कहां की बुद्धिमानी है। बता दें कि इससे पहले रमजान के दौरान मोहम्मद शमी के खेल के मैदान में पानी पीने पर भी रजवी ने आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा था कि रमजान में रोजा न रखना पाप है और शमी को ऐसा नहीं करना चाहिए था। उन्होंने कहा था कि शमी शरीयत की नजर में अपराधी हैं। रोजा रखना या ना रखना शमी का निजी मामला है। अगर वह दुबई की भरी गर्मी में 10 ओवर गेंदबाजी करें और उसके बाद उन्हें कुछ धर्म के ठेकेदारों के मुताबिक गला गीला करने की भी इजाजत नहीं है तो ऐसे कठमुल्लाओं की सोच पर सिर्फ तरस ही खाया जा सकता है।

बिहार में शुरू हो गया दलबदल का सिलसिला

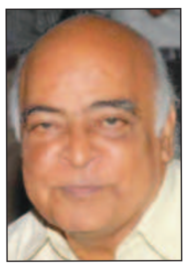

अशोक भाटिया

राजनीति आज स्वार्थ सिद्धि का जरिया बन गई हे, सेवा भाव गायब है। यह शक्ति हासिल करने का जरिया बन गई है। विचारधारा से कोई मतलब नहीं रहा। यही वजह है कि जिस पार्टी के खिलाफ भाषण देने वाले नेता उसी पार्टी में शामिल होने में संकोच नहीं करते। राजनीतिक पार्टियां भी सत्ता में आने के लिए दलबदलू नेताओं को महत्त्व देती हैं। ये पार्टियां विपरीत विचारधारा वाले नेताओं को भी अपनी पार्टी में शामिल करने से गुरेज नहीं करती हैं।भारतीय राजनीति में दलबदल हमेशा से ही प्रचलित रहा है। बिहार में विधानसभा चुनाव में अभी केवल छह माह का वक्त बचा है। इससे पहले ही नेताओं का दल-बदल शुरू हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि नेताओं का एक पार्टी छोड़कर दूसरे दल में जाने का सिलसिला आने वाले समय में और तेज होगा। राज्य की दो प्रमुख क्षेत्रीय पार्टियां जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के कई नेता अब तक पाला बदल चुके हैं। ये दोनों ही पार्टियां एक-दूसरे के अंदर सेंधमारी करने की कोशिश में जुटी हुई है। वहीं, हाल ही में नई पार्टी बनाने वाले प्रशांत किशोर के जन सुराज संगठन से भी बड़ी संख्या में नेता जुड़ रहे हैं। इससे सभी प्रमुख पार्टियां और खासकर आरजेडी में खलबली मची हुई है।कुछ समय पूर्व ही समस्तीपुर से आरजेडी कई नेताओं ने पाला बदलकर जेडीयू का दामन थामा था। अब मंगलवार को आरजेडी ने जेडीयू में सेंधमारी की और नालंदा से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी के कई नेता लालू एवं तेजस्वी यादव के खेमे में चले गए। नालंदा सीएम नीतीश का गृह जिला है, यहां जेडीयू के अंदर टूट होने से सियासी गलियारे में हलचल तेज है। दूसरी ओर, लालू एवं तेजस्वी यादव अपनी पार्टी में टूट से चिंतित हैं। पिछले कुछ दिनों में पार्टी के कई नेता एवं पदाधिकारी आरजेडी छोड़कर प्रशांत किशोर के जन सुराज से जुड़ गए। आरजेडी प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने अपनी पार्टी के नेताओं को सचेत करते हुए जन सुराज से दूर रहने के लिए दो बार पत्र भी लिखे। जन सुराज बिहार की राजनीति में एक नए विकल्प के तौर पर उभर रहा है। ऐसे में आरजेडी जैसे प्रमुख दलों में टिकट चाहने वाले नेता पीके की ओर आकर्षित हो रहे हैं। दरअसल राजनीतिक दलबदल की भरमार होने के बावजूद भारत का दलबदल विरोधी कानून मूकदर्शक बना हुआ है। भारत के संविधान की दसवीं अनुसूची के अंतर्गत, दलबदल विरोधी कानून 1985 में संसद और राज्य विधानसभाओं दोनों में 1960-70 के दशक में निर्वाचित विधायकों द्वारा बड़े पैमाने पर दलबदल को रोकने के लिए बनाया गया था। हालाँकि, 2002 में, संविधान के कामकाज की समीक्षा करने वाले राष्ट्रीय आयोग ने इस कानून की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि दलबदल विरोधी कानून के लागू होने के बाद भारत में दलबदल की संख्या में वृद्धि हुई है! दसवीं अनुसूची इतनी बुरी तरह से कैसे विफल हो गई? दसवीं अनुसूची की कई कमियों का श्रेय इसके प्रारूपण को दिया जा सकता है, जो दलबदल, विशेष रूप से समूह दलबदल के लिए स्पष्ट खामियाँ छोड़ता है। दसवीं अनुसूची उन विधायकों को अयोग्य ठहराती है जो स्वेच्छा से अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ देते हैं या जब वे संसद या राज्य विधानसभा में अपनी पार्टी के निर्देश के विरुद्ध मतदान करते हैं। स्वतंत्र सांसद/विधायक सदन से अयोग्य ठहराए जा सकते हैं यदि वे अपने चुनाव के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होते हैं। अयोग्यता के लिए याचिकाएँ सदन के अध्यक्ष या सभापति के समक्ष, जैसा भी मामला हो, प्रस्तुत की जा सकती हैं। दलबदल विरोधी कानून में दो अपवाद भी शामिल किए गए हैं - एक राजनीतिक दल में विभाजन से संबंधित है, और दूसरा दो दलों के बीच विलय के मामले में। इस कानून के इर्द-गिर्द संसदीय बहस से पता चलता है कि इन अपवादों का इस्तेमाल विधायकों और उनकी पार्टियों के बीच वैचारिक मतभेदों के कारण दलबदल के सैद्धांतिक मामलों की रक्षा के लिए संयम से किया जाना था। हालांकि इरादे नेक थे, लेकिन इन अपवादों का इस्तेमाल किसी की सुविधा के लिए बहुत बार किया गया। वास्तव में, दलबदल को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को गिराने के लिए इसके बार-बार इस्तेमाल के कारण, विभाजन अपवाद को 2003 में संविधान से हटा दिया गया था। हालाँकि, विलय अपवाद जारी रहा है। दसवीं अनुसूची के पैराग्राफ 4 के अंतर्गत पाया गया, विलय अपवाद दो उप-पैराग्राफों में फैला हुआ है। इन दो उप-पैराग्राफों को मिलाकर पढ़ने पर यह अनिवार्य हो जाता है कि विधायक अयोग्यता से छूट का दावा कर सकता है यदि दो शर्तें एक साथ पूरी होती हैं - पहली, विधायक की मूल राजनीतिक पार्टी किसी अन्य राजनीतिक पार्टी में विलय कर लेती है, और दूसरी, विधायक ऐसे समूह का हिस्सा है जिसमें विलय के लिए सहमत विधायक दल के दो-तिहाई सदस्य शामिल हैं। विधायक दल का मतलब है एक विधान सभा के भीतर एक विशेष पार्टी से संबंधित सभी निर्वाचित सदस्यों से मिलकर बना समूह। विलय अपवाद पर सरसरी निगाह डालने से पता चलता है कि इसका मसौदा अनावश्यक रूप से जटिल है, जो स्पीकर और अदालतों दोनों द्वारा कई तरह की व्याख्याओं के लिए उपयुक्त है। जिस व्याख्या को कई उच्च न्यायालयों ने पसंद किया है, वह यह है कि जैसे ही किसी विशेष विधायक दल के दो-तिहाई सदस्य किसी अन्य विधायक दल के साथ विलय के लिए सहमत होते हैं, दो राजनीतिक दलों के बीच विलय माना जाता है। ऐसी व्याख्या के लिए राष्ट्रीय या क्षेत्रीय स्तर पर मूल राजनीतिक दलों के वास्तविक विलय की आवश्यकता नहीं होती है। यह प्रतीत होता है कि जटिल कानूनी शब्दावली विधानमंडल के भीतर और बाहर दोनों जगह राजनीतिक दलों की कार्रवाइयों पर स्पष्ट रूप से ठोस प्रभाव डालती है। यह देखते हुए कि पार्टियों को केवल सदन के अंदर अपने विधायी विंग के बीच विलय दिखाने की आवश्यकता है (और इसके बाहर के सदस्यों के नहीं), वैध विलय आराम से हो जाते हैं। इसका एक स्पष्ट उदाहरण है जब 2019 में, गोवा विधानसभा में 15 में से 10 कांग्रेस विधायक भाजपा में शामिल हो गए, और इसे भाजपा और कांग्रेस विधायक दलों के बीच एक वैध विलय माना गया। गोवा विधानसभा अध्यक्ष द्वारा 10 कांग्रेस विधायकों को अयोग्यता से छूट दी गई थी, जिसके निर्णय को अंततः बॉम्बे उच्च न्यायालय (गोवा पीठ) ने बरकरार रखा था।

बैलों से खेती: छोटे व सीमांत किसानों को प्रोत्साहन।

सुनील कुमार महला

राजस्थान सरकार की ओर से छोटे और सीमांत किसानों के लिए कुछ समय पहले ही एक शानदार व अच्छा फैसला आया है। सरकार के इस फैसले के अनुसार अब राजस्थान सरकार बैलों से खेती करने वालों को 30 हजार रुपए वार्षिक सहायता देगी। कहना ग़लत नहीं होगा कि राजस्थान सरकार का यह कदम न केवल बैलों के संरक्षण की दिशा में एक अहम् और महत्वपूर्ण कदम है बल्कि इससे छोटे और सीमांत किसानों को आर्थिक संबल भी मिल सकेगा। आज के इस आधुनिक दौर में जब खेती-बाड़ी आधुनिक कृषि यंत्रों ट्रैक्टर, कंबाइन हार्वेस्टर, रोटावेटर, पावर टिलर, सीड ड्रिल, स्प्रेयर, ड्रिप सिंचाई सिस्टम आदि और तकनीक से की जाने लगी है, उस दौर में खेती के पारंपरिक तौर-तरीकों पर एकबार पुनः ध्यान केंद्रित किए जाने से आर्गेनिक व जैविक खेती को भी बढ़ावा मिल सकेगा। पाठकों को बताता चलूं कि राजस्थान के नागौर ज़िले में बैल ज़्यादा पाए जाते हैं तथा यहां के बैल अपनी ताकत, तेज़ रफ़्तार, और सुंदरता के लिए दुनिया भर में मशहूर हैं लेकिन वर्तमान में इन बैलों की पहले के जमाने की भांति अब खेतों में उतनी वैल्यू नहीं रही है क्योंकि लगातार बढ़ते शहरीकरण, कृषि में आधुनिक कृषि यंत्रों व तकनीक के प्रयोग से तथा लगातार कम होते चरागाहों व वन्य क्षेत्र में पहले की तुलना में कमी के कारण, किसान भी बैल पालने से अब कतराने लगे हैं, ऐसे में वर्तमान में राजस्थान सरकार की ओर से जो खबर आई है, राजस्थान के किसानों में पशुपालन (बैलों) के प्रति जोश व मोह पैदा करेगी। कहना ग़लत नहीं होगा कि सरकार के इस कदम से रामदेव जी पशु मेला, तेजाजी का मेला(परबतसर उपखंड), बलदेवराम जी का मेला(मेड़ता सिटी उपखंड) के अस्तित्व को भी बल मिलेगा क्योंकि ये मेले बैलों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए लगते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो अब इस सरकारी योजना से उम्मीद जगी है कि बैलों की मांग बढ़ेगी और पशु मेले फिर से जीवंत हो सकते हैं। इससे पारंपरिक पशुपालन को भी बढ़ावा मिलेगा और किसानों को नई आर्थिक संभावनाएं मिलेंगी। सरकार के निर्णय से कृषि यंत्रों से होने वाले प्रदूषण पर भी कुछ हद तक लगाम लग सकेगी और किसान परंपरागत जैविक खेती की ओर अग्रसर होंगे। कहना ग़लत नहीं होगा कि पिछले कुछ वर्षों में बैलों की संख्या में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही थी, सरकार की इस योजना के बाद बैलों से खेती पुनर्जीवित हो सकेगी। गोपालन को भी इससे बढ़ावा मिलेगा। साथ ही बैलों के पालन-पोषण पर होने वाले खर्च में इस प्रोत्साहन राशि से काफी सहयोग मिल सकेगा। इस योजना से छोटे किसान रासायनिक उर्वरकों की बजाय खेती में प्राकृतिक तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। अक्सर यह देखा जाता है कि अब तक आर्थिक समस्याओं के चलते छोटे बछड़ों को निराश्रित छोड़ दिया जाता था लेकिन अब ये उपयोगी साबित हो सकेंगे।खेती की लागत में भी इससे कमी आएगी क्योंकि आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग से खेती पर किसानों का काफ़ी खर्च हो जाता है। पारंपरिक खेती को बढ़ावा मिलने से मिट्टी की उर्वरता तो बनी ही रहेगी साथ ही साथ इससे पर्यावरण संरक्षण भी हो सकेगा।

इस संबंध में कुछ समय पहले ही कृषि विभाग के कृषि आयुक्त ने बजट घोषणा की पालना में एक आदेश जारी कर बैलों से खेती करने वाले किसानों की जानकारी हर जिले से मांगी है। जानकारी के अनुसार जिलों में बैलों से खेती करने वाले किसानों की जानकारी एकत्रित कर उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी ताकि अधिकाधिक लोगों को सरकार की इस शानदार योजना का फायदा मिल सके। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की तर्ज पर यह प्रोत्साहन राशि किसानों को दी जाएगी। यहां यह भी गौरतलब है कि बैलों से खेती पर मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के साथ ही बैलों और गायों से मिलने वाले गोबर का उपयोग करने के लिए किसानों द्वारा गोबर गैस प्लांट लगाने पर भी सब्सिडी का प्रावधान है।

इस संबंध में जिला कृषि विभाग कार्यालय या नजदीकी कृषि सेवा केंद्र में सम्पर्क किया जा सकता है। वास्तव में यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि यह योजना ग्रामीण भारत की खेती-किसानी को भी एक नया जीवन प्रदान करने में बहुत ही सहायक सिद्ध होगी। योजना से कृषि उत्पादन में भी सुधार होगा और यह योजना कहीं न कहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ व मजबूत बनाएगी। जैविक खेती को बढ़ावा देने में मदद मिलने से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। ऊपर बता चुका हूं कि आज बढ़ते खर्च, शहरीकरण, आधुनिकता की आड़ में राजस्थान के अधिकतर किसानों ने बैलों को त्याग दिया है। सिंचाई के साधनों से वंचित किसानों ने भी आधुनिक उपकरणों का सहारा लेकर बैलों की उपयोगिता को भुला सा दिया है। शायद यही कारण भी है कि पिछले कुछ समय से पशुधन की संख्या में भी तेजी से गिरावट आई है। यह योजना इस समस्या का समाधान बखूबी कर सकती है और बैलों के महत्व को फिर से स्थापित कर सकती है।

विश्व राजनीति में तूफान या परिवर्तन की आहट?

प्रो. आरके जैन

डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण को दो महीने पूरे हो चुके हैं। इस छोटे से समय में उनकी नीतियों, बयानबाजी और विवादास्पद निर्णयों ने न केवल अमेरिका, बल्कि वैश्विक मंच पर भी उथल-पुथल मचा दी है। ट्रम्प का पहला कार्यकाल (2017-2021) अपने आप में एक अनोखा अध्याय था, और अब उनकी दूसरी पारी ने राजनीति, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को एक नई दिशा में मोड़ दिया है। दो महीनों में ही उनके फैसलों ने दुनिया भर में चर्चा और चिंता को जन्म दिया है। ट्रम्प के शपथ ग्रहण के बाद से अमेरिकी राजनीति में अस्थिरता बढ़ी है। पिछले दो महीनों में उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति और अप्रवासन पर सख्त रुख ने समाज को और ध्रुवीकृत कर दिया है। शपथ लेते ही उन्होंने 6 जनवरी 2021 के कैपिटल हिल हमले के दोषियों को माफी देने का फैसला किया, जिसने उनके विरोधियों को भड़का दिया। डेमोक्रेटिक पार्टी और मुख्यधारा का मीडिया इसे लोकतंत्र पर हमला बता रहा है, जबकि उनके समर्थक इसे ट्रम्प की निष्ठा का सबूत मानते हैं। पिछले दो महीनों में रिपब्लिकन पार्टी भी उनके प्रभाव से अछूती नहीं रही। कुछ नेता उनके फैसलों का समर्थन कर रहे हैं, तो कुछ इसे पार्टी के भविष्य के लिए खतरा बता रहे हैं। ट्रम्प की आक्रामक शैली ने अमेरिकी राजनीति को एक बार फिर अनिश्चितता की ओर धकेल दिया है। ट्रम्प के शपथ (20 जनवरी, 2025) लेने के दो महीनों में ही अर्थव्यवस्था पर उनके फैसलों का असर दिखने लगा है। उन्होंने चीन और अन्य देशों पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की, जिसकी नींव उनके पहले कार्यकाल में ही पड़ चुकी थी। इन टैरिफ्स ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है और कई देशों के साथ व्यापारिक तनाव बढ़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की कोशिश है, लेकिन इससे सहयोगी देशों में आर्थिक अनिश्चितता भी पैदा हुई है। पिछले दो महीनों में ट्रम्प ने पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को फिर से बाहर करने का आदेश दिया, जिससे पर्यावरण नीतियों पर बहस तेज हो गई है। यह फैसला जहां उनके समर्थकों को घरेलू उद्योगों के लिए फायदेमंद लगता है, वहीं वैश्विक स्तर पर इसे आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। ट्रम्प के शपथ ग्रहण के बाद बीते दो महीनों में उनकी विदेश नीति ने वैश्विक मंच को हतप्रभ कर दिया है। नाटो पर बढ़ते दबाव और यूक्रेन को सैन्य सहायता रोकने की उनकी घोषणा ने रूस की आक्रामकता को बढ़ावा देने का खतरा पैदा कर दिया है। अपने पहले भाषण में तीसरे विश्व युद्ध को टालने का दम्भरस वादा करने वाले ट्रम्प की नीतियां अब यूरोप और अमेरिका के बीच दरार डाल रही हैं। दूसरी ओर, चीन के साथ टकराव ने भी इस अवधि में जोर पकड़ा है। ताइवान को लेकर उनका सख्त रुख एशिया में अस्थिरता का नया सबब बन सकता है। महज दो महीनों में ट्रम्प की नीतियों ने वैश्विक भू-राजनीति को एक अनिश्चित और तनावपूर्ण मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। पिछले दो महीनों में ट्रम्प की वापसी ने सोशल मीडिया और अमेरिकी समाज में ध्रुवीकरण को और गहरा किया है। शपथ लेने के बाद उन्होंने बोलने की आजादी बहाल करने और सरकारी सेंसरशिप पर रोक लगाने का आदेश दिया, जिसे उनके समर्थकों ने स्वागत किया। हालांकि, उनके विवादास्पद बयानों ने विरोधियों के साथ टकराव को बढ़ाया है। इन दो महीनों में फेक न्यूज़ और दुष्प्रचार की समस्या भी बढ़ी है।

बंटी का मछली खेल

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

इन दिनों बंटी मछली फार्म की चर्चा पूरे गांव में है। लोग कहते हैं कि वहां मछलियों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि मछली खाने वालों की बिस्कुटों की तरह हो गई है। लेकिन असली सवाल ये है कि बंटी ने ये मछलियां कैसे पैदा कीं? क्या वास्तव में ये बंटी की मेहनत का नतीजा है या फिर ये एक नाकामयाब ठगी का हिस्सा है? बंटी के मछली फार्म में हर कोई मछलियों की ताज़गी के बारे में बात कर रहा है, लेकिन असली ताज़गी तो वहां चल रहे घोटालों की है! गांव के चौक पर चार दोस्त, रामू, श्यामू, मंगू और सुरेश, चाय की दुकान पर चर्चा कर रहे थे। मंगू बोला, यार, सुना है बंटी ने तो मछली फार्म से करोड़ों कमाए हैं। ये तो हमारे गांव का सुपरस्टार बन गया है !श्यामू ने चिढ़ाते हुए कहा, क्या बंटी की मछलियां सच में ताज़ी हैं या वो बस दिखावे की मछलियां हैं? सुना है वो सरकारी स्कीम का फायदा उठाकर फर्जी तरीके से मछली बेचता है। रामू ने सिर हिलाते हुए कहा, अरे यार, वो तो खैर है, लेकिन बंटी का मछली फार्म तो ताजगी का प्रतीक बन गया है। क्या तुमने सुना है, उसने मुख्यमंत्री के सामने भी अपनी मछलियों का प्रदर्शन किया है? सुरेश ने चाय की चुस्की लेते हुए कहा, हां, और ये भी सुना है कि मुख्यमंत्री ने उसे एक पुरस्कार भी दिया है। शायद बंटी ने उसे यह सोचकर मछली खिलाई कि उसे कुछ मिल जाएगा! मंगू हंसते हुए बोला, बंटी के मछली फार्म में ऐसा क्या खास है? उसकी मछलियां तो शायद फ्रीज में पड़ी हुई मछलियों से भी पुरानी होंगी। श्यामू ने मुस्कुराते हुए कहा, सच में, जब से बंटी ने ये मछली फार्म खोला है, गांव में मछली के दाम आसमान छूने लगे हैं। क्या तुम सोच सकते हो, अब मछली खाने का मतलब सिर्फ मछली नहीं, बल्कि बंटी की मछली भी है! सुरेश ने आंखें खोलते हुए कहा, पर मुझे तो लगता है कि बंटी सिर्फ एक बड़ा ठग है। उसने मछलियों के नाम पर क्या-क्या नहीं किया होगा। सुना है उसने फर्जी दस्तावेजों से अपनी मछली फार्म की लाइसेंस भी बनवाई है। रामू ने हंसते हुए कहा, और फिर वो सब्जियों के साथ मिलाकर मछली बिरयानी बनाता है। इसे ही तो कहते हैं मछली में मटर डालना! मंगू ने चुटकी लेते हुए कहा, यार, बंटी को तो ठगने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहिए। उसकी फर्जी मछलियां सच में लोगों के दिलों को लूट रही हैं। अब तो उसे एक मछली वाले के रूप में पहचानने लगे हैं। श्यामू ने कहा, वो तो है, लेकिन क्या तुमने सुना है, गांव के लोग भी अब मछली की जगह बंटी को देखने जाते हैं। जैसे कि वो कोई फिल्म स्टार हो! सुरेश ने मजाक करते हुए कहा, भाई, जब बंटी के मछली फार्म का नाम 'सुपरस्टार मछली' हो गया है, तो फिर क्यों न उसका नाम भी सुपरस्टार बंटी रख दें? मंगू ने सहमति जताते हुए कहा, सच में, अब तो बंटी के मछली फार्म पर लोग सेल्फी खिंचवाने जाते हैं। जैसे बंटी का नाम मछली के नाम पर जड़ गया हो। श्यामू ने कहा, तुम्हें पता है, बंटी के मछली फार्म में जो मछलियां हैं, वो तो बस दिखावे की हैं। असली मछलियां तो वो बाजार से लाता है और अपना नाम रोशन करता है!

भाभी ने कहा ऐसा काम, रूठकर तपस्या में बैठ गई ननद

फिर भाई ने भी ले लिया बड़ा फैसला...अजब-गजब है कहानी

हर्ष पर्वत पर जीण माता और हर्ष भैरव का प्राचीन मंदिर है। मंदिर में काले और गोरे भैरव की पूजा होती है. जीण माता और हर्ष भैरव की एक साथ पूजा होती है।

सीकर के हर्ष पर्वत पर जीण माता और हर्ष भैरव का प्राचीन मंदिर है। इस मंदिर में भैरव दो रूप में विराजमान हैं, जिनमें एक काले और दूसरे गोरे भैरव हैं। खास बात यह है कि मंदिर की स्थापना के समय इन दोनों भैरव की कृष्ण और शुक्ल पक्ष के हिसाब से पूजा होती है।

सीकर जिला मुख्यालय से 14 किलोमीटर दूर हर्ष पर्वत पर भाई और बहन का बेहद प्राचीन मंदिर मौजूद है। इस मंदिर में बहन जीण माता और भाई हर्ष भैरव की एक साथ पूजा होती है। यह अनोखा मंदिर 1300 फिट की ऊंचाई पर स्थित है। इसकी स्थापना 1046 में चौहान राजा सिंह राज ने की थी। इस मंदिर में एक साथ तीन मूर्तियों को स्थापित किया गया था। यहां पर काले और गोरे भैरव की पूजा होती है।

जीण चालीसा में लिखी कथा के अनुसार, जब पहले भाभी के सिर से पानी का पात्र उतारने से नाराज बहन जीण तपस्या में बैठ गई थी। इस पर हर्ष ने उन्हें मनाने की कोशिश की। नहीं मानने पर हर्ष खुद भी पर्वत पर गुफा में तप करने लगे। तपस्या से जीण माता को दुर्गा का दर्जा मिला और हर्ष शंकर भगवान के रुद्र रूप भैरव बने। उन्हीं हर्ष की याद में उसी तपस्या वाली गुफा में इस मंदिर की नींव रखी गई। कृष्णा और शुक्ल पक्ष में अलग-अलग मूर्ति की पूजा इस मंदिर में भैरव दो रूप में विराजमान हैं, जिनमें एक काले और दूसरे गोरे भैरव हैं। खास बात यह है कि मंदिर की स्थापना के समय इन दोनों भैरव की कृष्ण और शुक्ल पक्ष के हिसाब से पूजा होती है। 15 दिन के कृष्ण पक्ष में काले भैरव और शुक्ल पक्ष के 15 दिनों में गोरे भैरव को पूजा होती है। यह मंदिर हर्ष पर्वत पर गुफा में मौजूद है। यह वही जगह है, जहां हर्ष द्वारा तपस्या कर भैरूत्व प्राप्त किया गया था।

10 किमी दूर है जीण धाम

हर्ष पर्वत के अलावा भैरव मंदिर से 10 किलोमीटर दूर पहाड़ की तलहटी में शक्तिपीठ जीण माता का मुख्य मंदिर मौजूद है। इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि जो भी भक्त जीण माता मंदिर में आता है, वह हर्ष भैरव के मंदिर में जरूर जाता है, तभी भक्त की मनोकामना पूरी होती है। इन दोनों मंदिरों में बहन अपने भाई की लंबी उम्र के लिए पूजा भी करती हैं।

आजमगढ़ में गुरु द्रोणाचार्य ने 88 हजार संतों के साथ किया था प्रवास

आजमगढ़ के फूलपुर क्षेत्र में ऋषि द्रोणाचार्य का प्राचीन आश्रम है, जो भक्तों के लिए आस्था का केंद्र है। यहां 88 हजार संतों ने प्रवास किया था। उनके इस स्थान पर प्रवास लेने के ही कारण इस स्थान का नाम गुरु द्रोणाचार्य आश्रम पड़ा।तब से लेकर आज तक यह स्थान आजमगढ़ के मुख्य धार्मिक स्थलों में से एक है।

आजमगढ़ः यूपी के आजमगढ़ को ऋषियों की धरती कहा जाता है। यह स्थान कई महान ऋषियों की तपोभूमि रही है, यहां पर आज भी इन ऋषियों की तपोभूमि मौजूद है। मसलन यहां महर्षि दुर्वासा ऋषि, महर्षि दत्तात्रेय और महर्षि चंद्रमा ऋषि के आश्रम स्थल मौजूद हैं। इसी तरह आजमगढ़ में एक ऐसा ऐतिहासिक और पौराणिक स्थल मौजूद है, जो भारत की सनातन सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए है। आजमगढ़ में ऋषि द्रोणाचार्य का एक ऐसा आश्रम है, जो भक्तों के लिए मुख्य आस्था का केंद्र है।

80 हजार संतों का प्रवास

आजमगढ़ के फूलपुर क्षेत्र के ख़ुटौली गांव में यह अति प्राचीन धार्मिक स्थल मौजूद है। वर्तमान में यहां पर भगवान भोलेनाथ और बजरंगबली का मंदिर बना हुआ है, लेकिन प्राचीन समय से यह स्थान गुरु द्रोणाचार्य के आश्रम के नाम से जाना जाता है। तमसा नदी के तट पर बसे इस आश्रम में हर समय आसपास के क्षेत्र से श्रद्धालुओं की भीड़ इकट्ठा होती है। प्राचीन समय में इस स्थान पर गुरु द्रोणाचार्य 88 हजार संतो के साथ प्रवास किए थे, तब से लेकर आज तक यह स्थान आजमगढ़ के मुख्य धार्मिक स्थलों में से एक है।

द्रोणाचार्य आश्रम के पुजारी डॉ. राजीव कुमार मिश्रा बताते हैं कि यह स्थान आजमगढ़ के प्राचीन और मुख्य धार्मिक केंद्रों में से एक है। यहां पर द्रोणाचार्य और उनके साथ ऋषि दुर्वासा, ऋषि कलोहरा, मुंडेश्वर नाथ आदि सहित 88 हजार ऋषि मुनियों ने इसी स्थान पर कई दिनों तक प्रवास किया था। उनके इस स्थान पर प्रवास लेने के ही कारण इस स्थान का नाम गुरु द्रोणाचार्य आश्रम पड़ा। मंदिर के पुजारी बताते हैं कि इस जगह पर प्राचीन भगवान शिव का मंदिर हुआ करता था, जो समय के साथ पुराना हो गया था। मंदिर के जीर्णोद्धार के दौरान यहां पर एक ईंट पाई गई थी जिसमें उर्दू में इस जगह के समय और स्थान का वर्णन किया गया था। जिसके अनुसार यह पता चल सका कि वह मंदिर 18वीं सदी में बनाया गया था।

आजमगढ़ के ख़ुटौली गांव में गुरु द्रोणाचार्य का आश्रम है। आश्रम में भगवान भोलेनाथ और बजरंगबली का मंदिर है। 2018 में पुराने मंदिर का जीर्णोद्धार कर नया निर्माण हुआ।

2018 में हुआ नया निर्माण

उन्होंने बताया कि सन 2018 में पुराने मंदिर को नए मंदिर में तब्दील किया गया और इस जगह का धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकास किया गया तब से लेकर आज तक यह जगह आसपास के क्षेत्र के साथ अन्य जिलों के लोगों के लिए भी मुख्य धार्मिक स्थलों में से एक है। यहां पर कई जिलों से जानने वाले दर्शनार्थी आते जाते रहते हैं। इस परिसर में एक प्राचीन गुफा भी मौजूद है जहां पर बताया जाता है कि पुराने समय में ऋषिमुनि दर्शन पूजन एवं साधना किया करते थे।

बिजेथुआ महावीरन के दर्शन

डॉ दिनेश चंद्र सिंह, डीएम, जौनपुर

शनिवार को बिजेथुआ महावीरन, सुल्तानपुर के दर्शन और जौनपुर पुलिस होली मिलन कार्यक्रम के दौरान भक्ति और प्रेम रस की जो अनुभूति हुई, उसमें ही आम और खास के लिए जीवन दर्शन निहित है। यूँ तो कहा गया है कि- जिंदगी की राहों में जो गम के साये हैं। हम एक में भी तन्हा थे, सब में भी अकेले हैं।

हुआ कुछ यूं कि डॉ कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के नेतृत्व में पुलिस लाइन जौनपुर में पुलिस विभाग की परंपरागत होली मिलन का आयोजन होना तय था। चूंकि शनिवार का दिन था। इसलिए अपने इष्टदेव हनुमानजी की पूजा-अर्चना के बाद अकस्मात मेरे मन में आया कि बिजिथुआ धाम (बिजेथुआ धाम), सुल्तानपुर के महावीरन हनुमानजी का आशीर्वाद प्राप्त किया जाए।

द यह धार्मिक स्थल जनपद जौनपुर की शाहगंज तहसील के समीप ही सुल्तानपुर जनपद सीमान्तर्गत है। जो कादीपुर तहसील क्षेत्र में अवस्थित है। इस प्रसिद्ध ऐतिहासिक धाम सम्बन्धी कथाओं के अनुसार, जब राम-रावण युद्ध के दौरान मेघनाथ के बाण लगने से लक्ष्मण जी मूर्क्षित हो गए तो हनुमानजी संजीवनी बूटी लाने के लिए हिमालय की ओर निकले।

कहते हैं कि अत्यधिक प्यास लगने पर वे विजेथुआ नामक इसी स्थल पर निर्मित उत्तरकुंड में पानी पीने के लिए चले गए। जबकि यहां पर रावण द्वारा भेजे गए कालनेमि नामक राक्षस ने वेश बदलकर उनकी यात्रा में विघ्न डालने की असफल कोशिश भी की। उसने साधु का वेश धारण कर लिया और उधर ही चल दिया, जिधर हनुमानजी पानी पीने के लिए जा रहे थे। इस बीच एक मकड़ी ने उनके कान में छद्मवेशी कालनेमि की मौजूदगी के बारे में उन्हें जानकारी दी।

तब हनुमानजी ने तत्काल कालनेमि का बद्ध किया और कुंड में स्नान के बाद संजीवनी बूटी की खोज में निकल पड़े। चूंकि संजीवनी बूटी से ही लक्ष्मण जी के प्राण की रक्षा हुई। इसलिए यह कुंड अब मकड़ी कुंड के नाम से विख्यात है। दर्शन का लाभ लेकर और विद्वत आचार्य से विचार विमर्श और दर्शन के बाद जब मैं जौनपुर आ रहा था तो जो अलौकिक अनुभूति हुई, उसकी चर्चा शब्दों में नहीं की जा सकती।

फिर होली मिलन समारोह

वहीं, जब मैं वापस लौटकर जनपद पुलिस लाइन में होली मिलन के निमंत्रण और आग्रह पर वहां पहुंचा। तो मैं बहुत ही सुंदर कपड़ा एवं नई वेशभूषा में था। हालांकि वहां पर यह देखकर हतप्रभ हो चुका था कि यह होली मिलन नहीं, बल्कि होली खेलने का आमंत्रण था।

क्योंकि वहां पर कीचड़, पानी, रंग और पानी के कीचड़ युक्त गड्ढे में सबको पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में गड्ढे में लाकर कीचड़ युक्त गड्ढे में स्नान कराकर होली खेली जा रही थी। इस प्रकार मन को यकीन नहीं हो रहा था कि क्या यहां पर अभी भी होली में ऐसा हुड़दंग होता है। परंतु आँखों से देख कर और सुनकर समझकर प्रयास किया कि ऐसी होली में कैसे प्रतिभाग करूँ।

फिर भी ऊर्जावान होने के कारण मैं कीचड़ युक्त गड्ढे में जाने से किसी तरह बचा, परन्तु पुलिस बल की प्रेम पूर्वक होली के खेल में सबके साथ सभी से प्रेम पूर्वक खेलने लगा। इस दौरान सबके कुर्ते फटे थे। न्यायाधीश भी उसी गड्ढे में उतरे फटे कुर्ते के बाद। वो भी बिना ऊपरी वस्त्र धारण किए ही होली खेल रहे थे।

मेरे द्वारा भी रंगों से बचने के क्रम में सिर, आंख और सम्पूर्ण शरीर रंगों से सने होने के कारण सभी ने मुझे भी मेरी कमीज को निकालकर वस्त्रहीन कर दिया। पुनः मैंने अन्य कठिनाइयों से बचने के लिए होली का गीत गाया जो कई रूप में वायरल किया जा रहा है।

परन्तु सच्चाई की जीत एवं रंगों के इस त्यौहार होली में गाया गया गीत विकास एवं धर्म, अध्यात्म एवं कर्तव्य निष्ठा पर आधारित मेरा सुझाव होगा, पुलिस लाइन में भी कीचड़ युक्त होली से बचकर पुष्पों, गुलाल, अबीर की होली खेली जानी चाहिए तथा होली मिलन के कार्यक्रम में होली खेलने के इस रूप से बचना चाहिए।

क्योंकि डीएम होने के नाते मेरा जाना अपरिहार्य था, इसलिए मुझे जाना पड़ा। मुझे आंखों में जलन भी महसूस हुई, परन्तु प्रेम की होली में आंखों की जलन ठीक हो गई।

एक वीडियो पुलिस लाइन जौनपुर का काफी वायरल हो रहा है जिसमें डीएम एसपी की कपड़ा फाड़ होली का उल्लेख है। पुलिस प्रशासन में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारी भी मानव हैं। महामानव या ऐसे नहीं, उनके हृदय में करुणा, माधुर्य, प्रेम और मस्ती न हो। हम सब भी मानव हैं। लघु मानव भी नहीं हैं कि प्रेम, करुणा, वात्सल्य, माधुर्य तथा मस्ती को भूल जाएं। जिला न्यायाधीश और मुझे आमंत्रण मिला। हमें यहां की परंपरा का बहुत अधिक अनुभव नहीं था।

कबीरदास जी ने ठीक ही कहा है कि पोथी पढ़ी पढ़ी जग मुआ, पंडित हुआ न कोई। ढाई आखर प्रेम का, पढ़े तो पंडित होई। उपरोक्त भाव के अनुरूप सभी ने मुझे रंगों से सराबोर कर दिया। आंखों में रंग भर जाने से और साहस नहीं था कि रंगों की होली में अपने को सराबोर करूँ।

इसलिए मंच से होली गाकर सभी को उत्साहित कर प्रेम एवं रंगों के त्यौहार होली में प्रेम से होली के त्यौहार का आनंद पुलिस बल के साथ लिया। वायरल वीडियो का सच यही है कि इसमें प्रेम है, उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा है, सभी त्यौहारों में उत्कृष्ट व्यवस्था दिए जाने का संकल्प है और गंगा जमुना तहजीब का सुंदर शानदार संदेश है।

इस प्रकार होली बीत गई। कुछ सुखद स्मृतियां शेष रह गईं हैं।

सब कुछ बदल रहा है- प्रकृति व परिस्थिति भी। जौनपुर महोत्सव 2025 की उपलब्धि एवं प्रशंसा से मन खुश था, परन्तु कदाचित मन में कुछ परेशानी भी थी, फिर भी होली अच्छी रही। सभी को होली की शुभकामनाओं के साथ जौनपुर महोत्सव 2025 एवं वर्ष 2025 की होली सुंदर रही और उद्देश्य परक रही। ₹यदि कर्म तेरे पावन हैं सभी, डूबेगी नहीं नाव तेरी कभी। तेरी बांह पकड़ने को, वह वेश बदलकर आएगा। पता नहीं किस रूप में आकर, नारायण मिल जाएगा। अच्छे कर्म करने के संकल्प के साथ सभी को पुनः होली की ढेर सारी शुभकामनाएं।

'शब्दों की शक्ति अपार होती है' सोच-समझ कर करें इस्तेमालः प्रेमानंद जी महाराज

प्रेमानंद जी महाराज का जीवन और उनके उपदेश हमें जीवन में शांति, संतुलन और सद्गुणों को अपनाने की प्रेरणा देते हैं। उनके विचारों में शब्दों की शक्ति को अत्यधिक महत्व दिया गया है। उनका मानना था कि जीवन में सच्चे सुख और शांति की प्राप्ति अच्छे शब्दों, प्रेम और संयम से होती है। उनके अनुसार, शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करना चाहिए क्योंकि इनका असर सिर्फ दूसरे व्यक्ति पर नहीं, बल्कि हमारी अपनी मानसिक स्थिति पर भी पड़ता है।

प्रेमानंद जी महाराज के विचारों का सार यह है कि शब्दों के प्रयोग से हम न सिर्फ किसी का दिल जीत सकते हैं, बल्कि अपने जीवन को भी शांतिपूर्ण और सुखी बना सकते हैं। अपशब्दों और गुस्से के वक्त बोले गए शब्दों से सिर्फ नकारात्मकता बढ़ती है। वहीं, अच्छे और मधुर शब्दों से हम अपने रिश्तों को मजबूत कर सकते हैं और आत्मिक संतोष प्राप्त कर सकते हैं।

उनका एक प्रसिद्ध कथन है, “शब्दों की शक्ति अपार होती है, जो हम बोलते हैं, वही हमारे जीवन में घटित होता है।” इस बात का अर्थ है कि हम जो शब्द बोलते हैं, वे हमारे जीवन को उसी दिशा में ले जाते हैं। यदि हम सकारात्मक शब्दों का चयन करते हैं, तो हमारी जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आएगा।

सके अलावा, प्रेमानंद जी महाराज ने यह भी कहा, “अपशब्दों से किसी का दिल नहीं जीत सकते, लेकिन अच्छे शब्दों से हम दिलों में स्थान बना सकते हैं।” यह वाक्य हमें सिखाता है कि हमें अपने शब्दों का चयन बहुत ध्यान करना चाहिए, क्योंकि एक बार कहे गए शब्द वापस नहीं आ सकते और वे दूसरों पर गहरी छाप छोड़ सकते हैं।

“क्रोध और वाणी पर नियंत्रण रखने से हम जीवन में शांति और सुख पा सकते हैं,” यह प्रेमानंद जी का एक और महत्वपूर्ण उपदेश है। जब हम गुस्से में होते हैं, तो हमारी वाणी अक्सर हमें और सामने वाले को भी चोट पहुंचाती है। ऐसे में चुप रहना सबसे उत्तम विकल्प होता है। इससे न सिर्फ हम खुद को शांत रख सकते हैं, बल्कि सामने वाले को भी मानसिक शांति मिलती है।

“अपशब्दों से दिलों में दीवारें बनती हैं, जबकि मधुर वाणी से सच्चे रिश्ते बनते हैं,” यह वाक्य हमें यह सिखाता है कि रिश्ते अच्छे शब्दों से बनते हैं और खराब शब्दों से टूटते हैं। जीवन में अच्छे रिश्तों की नींव हमारे शब्दों और संवाद पर आधारित होती है। इसलिए, हमें हमेशा अच्छे और सकारात्मक शब्दों का चुनाव करना चाहिए, ताकि हम अपने रिश्तों को मजबूत बना सकें।

महाभारत काल से जुड़ा है छत्तीसगढ़ के गंडई मंदिर का इतिहास

राजनांदगांवः गंडई में प्राचीन शिवजी का मंदिर स्थित है। 11वीं सदी में इसका निर्माण कलचुरी राजाओं द्वारा कराया गया था। इस प्राचीन मंदिर को देखने के लिए बड़ी संख्या में दूर-दूर से लोग पहुंचते हैं। पुरातत्व विभाग द्वारा इस मंदिर को संरक्षित किया गया है। खैरागढ़ छुईखदान गंड़ई जिले के गंडई में नगर पंचायत के बीचो बीच यह मंदिर स्थित है। डबल मंजिला होने के कारण मंदिर की खासियत बढ़ जाती है। निचे भगवान शिव विराजे हैं और उपर का एक हिस्सा खाली है। जहां जाने के लिए कोई रास्ता भी नहीं है।

शहरवासी और जानकार खेमू लाल बताते हैं कि मंदिर के मुख्य गेट पर पांचों पांडव का नाम लिखा गया है। इससे पता चलता है कि मंदिर काफी प्राचिन और ऐतिहासिक है। मंदिर का मुख पूर्व की ओर है। इसमें एक गर्भगृह और अंतराल है। जिसके ऊपर नागर लैटिना शिखर है। ये इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि मंदिर कभी मंडप से सुशोभित था। यहां फर्श पर चढ़ने के लिए छह सीढ़ियां है और मंदिर के सामने की ओर ढलाई की सजावट से पता चलता है कि इसका मंडप गिर गया है।

इस वजह से बेहद खास है यह मंदिर

मंदिर सप्त-रथ पैटर्न में बना है और छह उप-पीठों (स्तरों) से बने जगती (मंच) पर खड़ा है। ऊपर के तीन उप-पीठों को हाथियों, घोड़ों, संगीतकारों और नर्तकियों की तख़्तियों से सजाया गया है। संगीतकारों और नर्तकियों की अंतिम तख़्ती आदिवासियों को दर्शाती है, जैसा कि उनके कपड़ों और आभूषणों से स्पष्ट है। उसी तख़्ती में रामायण, वृक्ष-पूजा, नाग-पूजा और कुछ प्रेमी जोड़ों के दृश्य भी पाए जाते हैं। दक्षिण, पश्चिम और उत्तर में ऊपरी भद्रा आले खाली हैं, जबकि दक्षिण में निचले भद्रा आले में भैरव की छवि, पश्चिम में एक सती-स्तंभ और उत्तर में महिषासुरमर्दिनी की छवि है। अन्य देवताओं में नरसिंह, वराह और विष्णु की प्रतिमाएं पश्चिम दिशा में स्थित हैं।

पत्थरों पर की गई है खूबसूरत नक्काशी

इस मंदिर में बहुत ही खूबसूरत नक्काशी की गई है। साथ ही महाभारत कालीन, रामायण कालीन और कृष्ण काल के समय का चित्र पत्थरों पर उकेरा गया है। पांचो पांडव भगवान शिव के इस नंदीबैल की पूजा करते हुए दिखाई देते हैं। दरवाजे की खूबसूरती देखते ही बनती है। जिसमें अलग तरीके की नक्काशी की गई है। इस प्राचीन शिव मंदिर का निर्माण बीचो-बीच कराया गया है और मंदिर के चारों ओर खाली जगह छोड़ी गई है। अलग-अलग देवताओं को इन पत्थरों में इतनी खूबसूरती से उकेरा गया है कि देखने वाले मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

पति जैकी भगनानी को लेकर रकुल प्रीत सिंह का चौंकाने वाला खुलासा

बॉलीवुड के पसंदीदा जोड़ों में से एक, रकुल और जैकी 2021 से साथ हैं। रकुल ने शादी के बाद सोशल मीडिया पर अपने वेकेशन की कई तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए हैं, जिनमें उन दोनों की लव बॉन्डिंग साफ दिखाई देती है। अब रकुल ने अपने पति जैकी भगनानी को लेकर ऐसी बात कही, जिसे सुनने के बाद आप भी हैरान हो जाएंगे।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, रकुल ने एक इंटरव्यू में कहा, हम दोनों अपने आप में खुश हैं और साथ में और भी खुश रहते हैं। मुझे उन्हें बार-बार फोन करने की जरूरत नहीं पड़ती।

रकुल ने आगे यह भी बताया कि शादी के बाद उनके और जैकी के रिश्ते में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। उन्होंने डेटिंग शुरू करते वक्त ही इस बारे में बात कर ली थी। उनका रिश्ता खुशी पर टिका है, ना कि किसी कमी को पूरा करने पर। रकुल ने कहा कि वे दोनों अपने काम पर ध्यान देते हैं और साथ में समय बिताते वक्त काम को भूलने की कोशिश करते हैं। उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी गहरी दोस्ती है, जिसमें वे सब कुछ एक-दूसरे से साझा कर सकते हैं।

रकुल और जैकी की शादी में शिल्पा शेट्टी, राज कुंद्रा, वरुण धवन, नताशा दलाल, अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर जैसे कई बॉलीवुड सितारे शामिल हुए। शादी के बाद रकुल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी शादी की तैयारियों और जश्न के खूबसूरत पल दिखे। इसमें हल्दी, मेहंदी, संगीत और जयमाला जैसे लम्हें शामिल थे।

काम की बात करें तो रकुल, अंशुल शर्मा द्वारा निर्देशित 'दे दे प्यार दे' के सीक्वल में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग कथित तौर पर पंजाब, मुंबई और लंदन में की गई है। फिल्म में जिमी शेरगिल भी अहम किरदार में नजर आएंगे। दे दे प्यार दे 2, 14 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' बनी बेस्ट फिल्म, 'संतोष' के लिए शहाना गोस्वामी-संध्या सूरी को अवॉर्ड

कई प्रतिष्ठित अवॉर्ड अपने नाम कर चुकी पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को एक और पुरस्कार मिला है। रविवार को आयोजित एशियन फिल्म अवॉर्ड्स 2025 में इस फिल्म ने बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड जीता। वहीं, 'संतोष' मूवी का भी बोलबाला रहा। 'संतोष' फिल्म के लिए अभिनेत्री शहाना गोस्वामी को सम्मानित किया गया। साथ ही निर्देशक संध्या सूरी को भी अवॉर्ड मिला।

इन फिल्मों से था पायल की फिल्म का मुकाबला

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक अवॉर्ड्स के 18वें संस्करण का आयोजन कल रविवार को हांगकांग के वेस्ट कॉव्लून कल्चरल जिले के जिकू सेंटर में किया गया। एशियन फिल्म अवॉर्ड्स ने विजेताओं की सूची जारी की है। 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को बेस्ट फिल्म का पुरस्कार मिला। पायल कपाड़िया की फिल्म का मुकाबला 'ब्लैक डॉग' (चीन), 'एक्सहुमा' (दक्षिण कोरिया), 'टेकी कोमेथ' (जापान) और 'ट्वाइलाइट ऑफ द वॉरियर्सः वॉल्ड इन' (हांगकांग) के साथ था।

पायल कपाड़िया बोलीं- 'सम्मान की बात'

अवॉर्ड मिलने पर खुशी जताते हुए पायल ने कहा, 'हांगकांग जैसी सिनेमा के लिए शानदर जगह पर अपनी फिल्म के लिए सम्मानित होना एक खास अहसास था। एशिया के शानदार कामों के साथ उस समुदाय का हिस्सा होने पर बहुत गर्व है। इस अवॉर्ड के लिए नॉमिनेशन ही काफी खास था। उस पर अब यह पुरस्कार मिला तो यह और भी खास है'। 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' आधिकारिक रूप से इंडो-फ्रेंच के को-प्रोडक्शन की फिल्म है।

संध्या सूरी को बेस्ट न्यू डायरेक्टर का अवॉर्ड

इसी अवॉर्ड में शहाना गोस्वामी को फिल्म 'संतोष' में उनकी भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया। वहीं निर्देशक संध्या सूरी को बेस्ट न्यू डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला। शहाना ने कहा कि 'संतोष' में काम करना काफी शानदार अनुभव रहा।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम प्रणाली राठौड़ किसे कर रही हैं डेट, सीरीयल के को-स्टार का नाम आया सामने

आशय मिश्रा और प्रणाली राठौड़ ने इस बार होली साथ में मनाई। लेकिन उनके नए वीडियो ने लोगों के बीच यह चर्चा शुरू कर दी कि क्या वे दोनों डेटिंग कर रहे हैं।

वीडियो हुआ वायरल

प्रणाली राठौड़ टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है₹ से मशहूर हुई थीं। पहले लोग कहते थे कि उनका अफेयर हर्षद चोपड़ा के साथ है। लेकिन अब उनका एक नया वीडियो, जिसमें वो आशय मिश्रा के साथ दिख रही हैं, सबका ध्यान खींच रहा है। होली के मौके पर दोनों ने साथ में त्योहार मनाया और उसकी एक छोटी सी वीडियो क्लिप ने फैंस को सोच में डाल दिया कि क्या ये दोनों सच में एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

आशय का इंस्टाग्राम पोस्ट

आशय मिश्रा ने अपने इंस्टाग्राम पर यह वीडियो डाला, जिसमें वो प्रणाली और कुछ दोस्तों के साथ होली खेलते दिख रहे हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, ₹वाह! होली है...। इस वीडियो में प्रणाली और आशय की नजदीकी देखकर फैंस काफी उत्साहित हैं। वीडियो के नीचे कमेंट्स की बाढ़ आ गई। लोगों ने इन दोनों की जोड़ी पर जमकर प्यार बसराया। हालांकि, दोनों की ओर से अभीतक इस रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

फैंस के कमेंट्स

कुछ फैंस को लगा कि प्रणाली और आशय सच में डेटिंग कर रहे हैं। हालांकि दोनों ने इस बारे में कुछ नहीं कहा, लेकिन फैंस ने कमेंट्स में अपनी बात रखी। एक फैन ने लिखा, हमारे प्रशय को किसी की नजर न लगे। दूसरे ने पूछा, क्या प्रणाली और आशय डेटिंग कर रहे हैं? एक और फैन ने लिखा, श्रीमती शर्मा को उनके असली पति मिल गए, बधाई हो!

प्रणाली और आशय एक साथ कर चुके हैं सीरिलस

प्रणाली और आशय ने ₹दुर्गा₹ नाम के शो में साथ काम किया था। प्रणाली ने दुर्गा का किरदार निभाया और आशय ने अनुराग का। दोनों की जोड़ी को ऑन-स्क्रीन बहुत पसंद किया गया। यह शो जनवरी 2025 में खत्म हो गया, लेकिन दोनों की दोस्ती अभी भी बनी हुई है।

ओरी के खिलाफ केस दर्ज, माता वैष्णो देवी तीर्थ स्थल के बेस कैंप में शराब के सेवन का आरोप

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी उर्फ ओरहान अवात्रामणि के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। वे हाल ही में माता वैष्णो देवी के दर्शन करने पहुंचे। अपनी इस धार्मिक यात्रा के दौरान उन पर कटरा के एक बेस कैंप में शराब का सेवन करने का आरोप है। ओरी और आठ अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है।

ओरी के अलावा आठ अन्य पर केस दर्ज

'जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुसार, कटरा स्थित एक होटल में कथित तौर पर शराब पीने के आरोप में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी सहित आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है'। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर के बेस कैंप में शराब पीने के आरोप में ओरी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। ओरी के अलावा आठ अन्य लोगों पर भी केस हुआ है। इनमें एक रूसी नागरिक शामिल है। कानून के अनुसार, इस तीर्थ क्षेत्र में शराब और मांसाहारी भोजन का सेवन सख्त वर्जित है।

इंस्टाग्राम पर किया था पोस्ट

माता वैष्णो देवी दर्शन की अपनी धार्मिक यात्रा के दौरान ओरी ऐसी गलती कर बैठे कि अब उनकी गिरफ्तारी की नौबत आ गई है। ओरी की एक इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद ऐसा हुआ। ओरी ने कटरा के एक होटल में शराब पीने की अपनी फोटो सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा की थी। इसके बाद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और नियम तोड़ने का आरोप

ओरी और अन्य लोगों पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप है। साथ ही जिला मजिस्ट्रेट के आदेश का उल्लंघन करने के आरोप में ओरी और अन्य के खिलाफ केस कटरा पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ है। ओरी के अलावा अन्य आरोपियों की पहचान दर्शन सिंह, पार्थ रैना, रितिक सिंह, राशि दत्ता, रक्षिता भोगल, शगुन कोहली और एक रूसी नागरिक अनास्तासिला अर्जामास्किना के रूप में हुई है।

जगन शक्ति की मूवी में तमन्ना की एंट्री? साथ दिखेंगे ये बॉलीवुड स्टार्स?

निर्देशक जगन शक्ति की आगामी फिल्म में कथित तौर पर तमन्ना भाटिया नजर आएंगी। वहीं इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन और संजय दत्त की भी होने की उम्मीद है। इस फिल्म की शूटिंग मार्च के आखिर में शुरू होगी। यह एक एक्शन-ड्रामा फिल्म हो सकती है।

तमन्ना भाटिया मिशन मंगल फिल्म निर्माता जगन शक्ति द्वारा निर्देशित एक रोमांचक नई फिल्म में अजय देवगन और संजय दत्त के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हालांकि, फिल्म के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिल्म में तीनों का एक्शन अवतार देखने को मिल सकता है।

कथित तौर पर इस फिल्म का नाम रेंजर रखा गया है। इसे लव फिल्म्स बना रही है, जिसके साथ अजय देवगन पहले दे दे प्यार दे फिल्म पर काम कर चुके हैं। इस फिल्म में संजय दत्त विलेन की भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म की शूटिंग मार्च के आखिर में शुरू होगी। पिंकविला की खबर के मुताबिक, फिल्म के डायरेक्टर जगन शक्ति ने तमन्ना भाटिया को मुख्य भूमिका के लिए चुना है। तमन्ना अप्रैल के पहले हफ्ते में अजय देवगन और संजय दत्त के साथ शूटिंग शुरू करेंगी। यह फिल्म एक्शन और रोमांच से भरी होगी।

कथित तौर पर तमन्ना इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं। उनकी भूमिका अच्छी तरह लिखी गई है और इसमें एक खास मोड़ भी है। उन्होंने फिल्म के लिए अपनी कई तारीखें दी हैं और तैयारी शुरू कर दी है। तमन्ना ने डायरेक्टर जगन शक्ति के साथ स्क्रिप्ट पर भी कई बार चर्चा की है।

फिल्म में कई बड़े कलाकार होंगे, लेकिन उनके नाम अभी छिपाए गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म को पूरे साल में अलग-अलग चरणों में शूट किया जाएगा और 2026 में सिनेमाघरों में बड़े स्तर पर रिलीज होगी। कथित तौर पर यह एक महंगी फिल्म होगी। फिल्म में नए तरह के सींस होंगे और अजय नई तकनीक से कुछ खास करने के लिए तैयार हैं।

'आपके प्यार ने हमें साहस दिया है', 'क्रेजी' की सफलता से गदगद सोहम शाह ने दर्शकों को कहा शुक्रिया

फिल्म 'तुम्बाड़' फेम एक्टर-प्रोड्यूसर सोहम शाह इन दिनों अपनी फिल्म 'क्रेजी' को लेकर चर्चा बटोर रहे हैं। उनकी यह फिल्म 28 फरवरी को सिनेमाघरों में लगी। बहुत कम बजट की इस फिल्म की काफी चर्चा है और तारीफ हो रही है। फिल्म ने बॉक्स

ऑफिस पर ठीकठाक प्रदर्शन किया है। अब सोहम शाह ने पोस्ट शेयर कर दर्शकों का शुक्रिया अदा किया है।

बोले- 'जुनूनी फैसला था फिल्म 'क्रेजी' बनाना'

सोहम शाह ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, 'हमारी फिल्म को आपने जो बेशुमार प्यार दिया है, उसके लिए हम दिल से आभारी हैं। 'क्रेजी' जैसी छोटी फिल्म बनाना एक साहसिक कदम उठाने जैसा था। यह एक जुनूनी फैसला था। आपकी प्रतिक्रिया ने हमें नई, अनूठी फिल्में बनाते रहने की ताकत दी है'।

सोहम शाह ने आगे लिखा है, 'आपके अटूट सहयोग, दृढ़ विश्वास और असीम प्यार के लिए तहे दिल से शुक्रिया। जल्द ही फिर से फिल्मों के साथ सिनेमाघरों में मुलाकात होती है'। सोहम शाह की इस फिल्म को क्रिटिक्स से काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। फिल्म का निर्देशन गिरीश कोहली ने किया है और उन्होंने ही इसे लिखा है। सोहम शाह के अलावा इसमें शिल्पा शुक्ला , निमिषा सजायन और टीनू आनंद जैसे सितारे हैं।

टाइम्स स्क्वायर पर दिखाया गया मोहनलाल की फिल्म का प्रोमो, खुशी से झूम उठे फैंस

मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म 'एल2ः एम्पुरान' 27 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। ट्रेलर लॉन्च से पहले न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में फिल्म का एक प्रोमो दिखाया गया। खबरों के मुताबिक वहां 300 से ज्यादा लोग जमा हुए।

वीडियो बटोर रहा सुर्खियां

न्यूयॉर्क में हुए इस इवेंट की तस्वीरें और

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो में मोहनलाल के फैंस सफेद शर्ट और धोती में नजर आए। कई ने मोहनलाल का फेस मास्क भी पहन रखा था। एक वीडियो में फैंस की भीड़ चीखती और तालियां बजाती दिखी। टाइम्स स्क्वायर की स्क्रीन पर मोहनलाल का किरदार सामने आया तो फैंस ने सीटियां भी बजाईं। उनका नाम स्क्रीन पर दिखते ही वहां मौजूद लोग खुशी से शोर मचाते दिखे।

तय समय पर रिलीज होगी फिल्म

हाल ही में यह अटकलें लगाई गई थीं कि फिल्म की रिलीज डेट टल सकती है। प्रमोशन न होने और ट्रेलर न आने से फैंस काफी परेशान थे और तरह-तरह के कयास लगा रहे थे। यह भी खबर थी कि लाइका प्रोडक्शंस ने फिल्म छोड़ दी। हालांकि, मोहनलाल ने 16 मार्च को साफ किया कि फिल्म तय समय पर आएगी। साथ ही, बीते दिन यह भी जानकारी सामने आई कि इसका पहला शो 27 मार्च को सुबह 6 बजे शुरू होगा।

लूसिफर का है सीक्वल

'एल2ः एम्पुरान' फिल्म 'लूसिफर' का सीक्वल है। 'लूसिफर' से पृथ्वीराज सुकुमारन ने निर्देशन की दुनिया में डेब्यू किया था। इस बार फिल्म में मोहनलाल, पृथ्वीराज, टोविनो थॉमस, मंजू वॉरियर, अभिमन्यु सिंह, जेरोम फ्लिन, इंद्रजीत सुकुमारन और सूरज वेंजरमूडु जैसे सितारे हैं।

‘खाकी’ में सौरव गांगुली बने असली बंगाल टाइगर कैमियो नहीं बल्कि इस तरह कर रहे सीरीज का सहयोग

नीरज पांडे की आगामी सीरीज ‘खाकीः द बंगाल चैप्टर’ में दिग्गज क्रिकेटर सौरव गांगुली के कैमियो को लेकर लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं। अब निर्माताओं ने सीरीज से दादा के कनेक्शन को साफ कर दिया है। पूर्व क्रिकेटर फिल्म में किस तरह का सहयोग कर रहे हैं यह सामने आ हो चुका है।

‘खाकीः द बंगाल चैप्टर’ से क्या है सौरव गांगुली का कनेक्शन

सोमवार को निर्माताओं ने सीरीज का एक प्रमोशनल वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में सौरव गांगुली को वर्दी में देखा जा सकता है। वीडियो की शुरुआत उनकी शानदार एंट्री से होती है। उन्हें बंगाल टाइगर के रूप में पेश किया जाता है। वीडियो में वह स्क्रिप्ट के मुताबिक एक्टिंग करने की कोशिश तो करते हैं, लेकिन उसमें क्रिकेट का टच भी दिखाई देता है। अंत में डायरेक्टर उनसे पूछता है शो की मार्केटिंग करेंगे क्या? इस पर वह हामी भर देते हैं। सामने आए वीडियो से साफ हो चुका है कि वह सीरीज का प्रमोशन कर रहे हैं।

सौरव गांगुली ने सीरीज को लेकर अनुभव किया साझा

इस अप्रत्याशित लेकिन शानदार सहयोग के बारे में बात करते हुए सौरव गांगुली ने कहा, “एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो हमेशा थ्रिलर और पुलिस ड्रामा का दीवाना रहा है, ‘खाकी’ एक फ्रैंचाइज के रूप में निश्चित रूप से मेरी पसंदीदा में से एक है। इसलिए जब नेटफ्लिक्स ने मुझसे संपर्क किया, तो मैं एक सुपरफैन की हैसियत से ‘खाकी - द बंगाल चैप्टर’ की नई किस्त के लिए उनके साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित था। मैं सच में ऐसा महसूस करता हूं। इस सीरीज को बड़े पैमाने पर कोलकाता में शूट किया गया है और मनोरंजक कथा और शानदार अभिनय है। अच्छी थ्रिलर देखने वालों के लिए यह जरूरी सीरीज है। नीरज पांडे जैसे निर्माता के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है। यह मेरे लिए पहली बार है और मैं खाकी की पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं देना चाहूंगा।”

‘खाकीः द बंगाल चैप्टर’ कब होगी रिलीज?

नीरज पांडे की ‘खाकीः द बंगाल चैप्टर’ 20 मार्च से ओटीटी पर स्ट्रीम होगी। सीरीज में जीत मदनानी, प्रोसेनजीत चटर्जी, शाश्वत चटर्जी, ऋत्विक भौमिक, आदिल जफर खान, चित्रांगदा सिंह, परमब्रत चटर्जी, पूजा चोपड़ा, आकांक्षा सिंह, मिमोह चक्रवर्ती और श्रद्धा दास जैसे कलाकार शामिल है।

शादीशुदा लोगों के मोटे होने का खतरा तीन गुना अधिक, पर क्या है इसकी वजह?

आज के समय में कहा जाए कि मोटापा आपके लिए अभिशाप है, तो ये गलत नहीं होगा। जिस तरह से सभी उम्र के लोग इसका शिकार होते जा रहे हैं, ये कई प्रकार की बीमारियों का बोझ भी बढ़ाता जा रहा है। हृदय रोग हो या डायबिटीज, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हों या कैंसर जैसे घातक बीमारी, सभी के लिए मोटापे को एक बड़ा जोखिम कारक माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को अपने वजन को लेकर गंभीरता दिखाने की जरूरत है, अगर इसे कंट्रोल न किया गया तो आने वाले दशकों में आपके गंभीर बीमारियों की चपेट में आने का खतरा काफी बढ़ जाता है।

लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी को बढ़ते वजन के लिए प्रमुख कारक माना जाता रहा है। इसके अलावा कुछ प्रकार की अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याएं भी आपके वजन को बढ़ा सकती हैं। पर क्या आप जानते हैं कि शादीशुदा लोगों में मोटापे का खतरा अधिक रहता है?

विवाह के बाद वजन बढ़ने के क्या कारण हो सकते हैं? इसे कैसे कंट्रोल किया जा सकता है, आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं।

विवाह के बाद बढ़ जाता है मोटापा?

मोटापे की बढ़ती समस्या वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। इसके कारणों को समझने के लिए पोलैंड के विशेषज्ञों ने हाल ही में एक अध्ययन किया। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी ने अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर बताया कि अविवाहित पुरुषों की तुलना में विवाहित पुरुषों में मोटापे का जोखिम तीन गुना अधिक हो सकता है।

विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि विवाह के बाद पुरुष और महिला दोनों में मोटापे का खतरा बढ़ जाता है, हालांकि महिलाओं में ये दर कम देखी गई है।

अध्ययन में क्या पता चला?

मई 2025 में स्पेन के मालागा में 'मोटापा विषय पर यूरोपीय कांग्रेस' में इस अध्ययन के निष्कर्ष प्रस्तुत किए जाने हैं।

पोलैंड में 50 वर्ष की औसत आयु वाले 2,405 लोगों के चिकित्सा डेटा के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने पाया कि शादी होने के बाद पुरुषों में वजन बढ़ने की आशंका 62% और महिलाओं में 39% अधिक हो जाती है। वैसे तो इसमें बढ़ते उम्र की भी एक भूमिका होती है पर और भी कई कारक जिम्मेदार हो सकते हैं। शादी के बाद अगले हर वर्ष में पुरुषों में अधिक वजन (ओवरवेट) होने का जोखिम 3% और महिलाओं में 4% बढ़ता देखा गया है।

क्या कहती हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

ओबेसिटी हेल्थ अलायंस की निदेशक कैथरीन जेनर कहती हैं, आमतौर पर देखा गया है कि शादी के बाद लोगों का डाइट बढ़ जाता है और इसकी तुलना में शारीरिक गतिविधियों में कमी आ जाती है, जबकि महिलाएं सामाजिक दबाव के कारण शरीर के वजन के बारे में अधिक सचेत रहती हैं। हालांकि इन कारणों को दोष देने के बजाय, हमें ऐसी नीतियों की आवश्यकता है जो स्वस्थ विकल्पों को आसान बनाती हैं। ये सभी की अपने सेहत को लेकर भी जिम्मेदारी है कि आप वेट को कम करने के लिए लगातार प्रयास करते रहें।

पहले के अध्ययन पर भी उठे सवाल

हालांकि इसके पहले के एक अध्ययन में कहा गया था कि विवाहित पुरुष अविवाहित पुरुषों की तुलना में अधिक स्वस्थ होते हैं, हालांकि नया अध्ययन पुराने रिपोर्ट्स पर सवाल उठा रही है।

पिछले अध्ययनों में कहा गया था कि विवाहित पुरुष स्वस्थ जीवनशैली अपनाते हैं, जो अक्सर उनके जीवनसाथी से प्रभावित होती है। विवाह के बाद धूम्रपान-शराब की आदत कम हो जाती है, आहार बेहतर हो जाता है साथ ही चिकित्सा देखभाल भी बढ़ जाती है जिससे स्वास्थ्य में सुधार होता है।

महिलाओं में बढ़ती किडनी की बीमारियों का पता चल गया बड़ा कारण, आप भी तो नहीं हैं इसका शिकार?

किडनी से संबंधित बीमारियों का जोखिम काफी तेजी से बढ़ता जा रहा है। महिला हों या पुरुष, बच्चे हों या बुजुर्ग सभी इसका शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पुरुषों की तुलना में महिलाओं को क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) होने का खतरा अधिक रहता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसके लिए ऑटोइम्यून डिजीज, यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) और गर्भावस्था से संबंधित जटिलताओं को जिम्मेदार मानते हैं।

यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) महिलाओं में होने वाली एक आम समस्या है, लेकिन अगर आपको ये दिक्कत बार-बार हो रही है तो यह किडनी की बीमारी का कारण बन सकती है।

शोध बताते हैं कि बार-बार यूटीआई होने से भविष्य में किडनी फेलियर का खतरा भी बढ़ा जाता है। यूटीआई वैसे तो पुरुष और महिला दोनों को हो सकती है, पर महिलाओं में इसका जोखिम अधिक देखा जाता रहा है। आइए यूटीआई के कारण और इससे बचाव के लिए तरीके जानते हैं।

यूटीआई के कारण किडनी की बीमारियों का खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बार-बार मूत्र मार्ग में संक्रमण यानी यूटीआई होना गंभीर जोखिमों का कारण माना जाता है। ये संक्रमण ई. कोलाई जैसे बैक्टीरिया के कारण भी हो सकता है, अगर समय रहते इसपर ध्यान न दिया जाए या फिर संक्रमण का इलाज न हो पाए तो ये संक्रमण ब्लैडर से होते हुए किडनी तक पहुंच सकता है। इससे किडनी की बीमारी और यहां तक कि किडनी फेलियर की दिक्कत भी हो सकती है।

महिलाओं को यूटीआई का खतरा क्यों ज्यादा होता है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि महिलाओं का मूत्रमार्ग छोटा होता है, जिससे बैक्टीरिया आसानी से ब्लैडर तक पहुंच सकते हैं। गर्भावस्था, मासिक धर्म और मेनोपॉज के कारण होने वाले हॉर्मोनल बदलाव भी महिलाओं में यूटीआई का जोखिम बढ़ा देते हैं।

डॉक्टर बताते हैं कि कुछ और स्थितियां हैं जो यूटीआई और किडनी की बीमारियों का जोखिम बढ़ाने वाली हो सकती हैं। कम पानी पीने के कारण शरीर से अपशिष्ट और बैक्टीरिया फ्लश नहीं हो पाते, जिससे संक्रमण होने का खतरा बढ़ जाता है।

असंरक्षित यौन संबंधों के कारण भी बैक्टीरिया यूरिनरी ट्रैक्ट में प्रवेश कर सकते हैं।

जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर होती है उनमें भी संक्रामक रोगों का खतरा अधिक देखा जाता रहा है।

जिन लोगों का ब्लड शुगर कंट्रोल नहीं रहता है उन्हें भी यूटीआई सहित कई अन्य संक्रामक रोगों का जोखिम रहता है।

कैसे जानें कहीं आपको भी तो नहीं है यूटीआई?

शुरुआत में यूटीआई के कोई लक्षण नहीं नजर आते हैं। हालांकि जब संक्रमण बढ़ने लगता है तो आपको कई प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं।

पेशाब करते समय दर्द या बार-बार पेशाब करने की इच्छा होना।

अचानक पेशाब महसूस होना।

बहुत कम मात्रा में पेशाब आना या पेशाब के साथ खून आना।

पेट के निचले मध्य भाग में दर्द।

तेज गंध के साथ झाग वाला पेशाब आना।

इन संकेतों के साथ आपको तेज बुखार, उल्टी-मितली की भी दिक्कत हो सकती है।

अगर आपको इस तरह की समस्याओं का अनुभव हो रहा है तो तुरंत किसी डॉक्टर से संपर्क करें।

यूटीआई से बचाव के लिए क्या उपाय करें?

यूटीआई का समय पर पता लगाना और इलाज करना बहुत जरूरी है। उपचार का लक्ष्य संक्रमण को किडनी या ऊपरी मूत्र पथ में फैलने से रोकना है। आमतौर पर बैक्टीरिया को मारने के लिए एंटीबायोटिक दवाएं दी जाती हैं। आप दैनिक जीवन में कुछ बातों का ध्यान रखकर भी इस संक्रमण से बचाव कर सकते हैं।

खूब सारा पानी और पदार्थ पीते रहें।

जननांगों की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

सुरक्षित यौन संबंध बनाना जरूरी है।

अगर आपको डायबिटीज है तो शुगर लेवल को कंट्रोल में रखना संक्रमण से बचाव के लिए बहुत जरूरी है।

एसिडिटी का अटैक बार-बार? डाइट में लाएं ये आसान बदलाव और तुरंत मिलेगा आराम

अगर आपको बार-बार एसिडिटी हो रही है और इससे राहत नहीं मिल रही है, तो अपनी खानपान की आदतों में कुछ अहम बदलाव करके इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। एसिडिटी आमतौर पर गलत खानपान, तनाव और अनियमित जीवनशैली के कारण होती है। यहां कुछ असरदार टिप्स दिए गए हैं, जो आपकी फूड हैबिट्स को सुधारकर एसिडिटी की समस्या को कम करने में मदद करेंगे।

खानपान की आदतों में करें ये बदलाव

खाने का समय तय करें

रोजाना एक ही समय पर भोजन करें।

लंबे समय तक भूखे न रहें।

दिन में छोटे-छोटे मील्स लें (हर 2-3 घंटे में हल्का-फुल्का खाएं)।

भारी और तला-भुना खाना न खाएं

ज्यादा मसालेदार, तला-भुना और ऑयली फूड एसिडिटी को बढ़ा सकता है। इसके बजाय हल्का, उबला हुआ और कम मसाले वाला खाना खाएं।

कैफीन और कोल्ड ड्रिंक्स से बचें

चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक्स और सोडा जैसी चीजों से परहेज करें। इनके बजाय हर्बल टी या गुनगुना पानी पिएं।

खाने के तुरंत बाद न लेटें

भोजन के बाद कम से कम 30-40 मिनट तक सीधे बैठें।

लेटने से पेट का एसिड ऊपर आ सकता है, जिससे एसिडिटी बढ़ती है।

फाइबर युक्त आहार को अपनाएं

हरी सब्जियां, फल, साबुत अनाज और सलाद का सेवन करें। फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है और एसिडिटी से राहत देता है।

अल्कलाइन फूड्स को डाइट में शामिल करें

केला, खीरा, तरबूज, नारियल पानी और पपीता जैसे फल एसिडिटी को कम करने में मदद करते हैं।

पानी की मात्रा बढ़ाएं

दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं।पानी शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालकर एसिडिटी को कम करता है।

अदरक और तुलसी का सेवन करें

अदरक और तुलसी के पत्ते चबाने से एसिडिटी से राहत मिलती है। अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पाचन तंत्र को शांत करते हैं।

ऑफिस में काम करने वाले आधे से अधिक लोगों में जरूरी विटामिन की कमी

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हमें नियमित रूप से कई प्रकार के पोषक तत्वों से भरपूर आहार की आवश्यकता होती है। पर क्या आप रोजाना पौष्टिकता से भरपूर आहार का सेवन कर रहे हैं? ये सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि भारतीय आबादी में विटामिन्स की कमी के जो डेटा सामने आए हैं, वो काफी डराने वाले हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि भारत में लगभग 65 करोड़ से ज्यादा लोगों में विटामिन बी12 की कमी है, जिसका मुख्य कारण जनसांख्यिकी, आहार और कई अन्य कारक हो सकते हैं। धूम्रपान, शराब और एंटासिड का उपयोग भी विटामिन बी12 की कमी के कारण हो सकते हैं।

इसी से संबंधित एक हालिया अध्ययन की रिपोर्ट बताती है कि देश में बड़ी संख्या कॉरपोरेट कर्मचारी भी शरीर के लिए जरूरी इस विटामिन की कमी से जूझ रहे हैं। विटामिन बी12 की कमी एनीमिया और तंत्रिका संबंधी समस्याओं सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर सकती है।

कॉर्पोरेट वर्कर्स में देखी जा रही है विटामिन बी12 की कमी

डिजिटल हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म मेडीबडी ने हाल ही में एक अध्ययन में बताया कि भारत में खामोश के साथ एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बढ़ता जा रहा है। सर्वेक्षण में पाया गया है कि 57% से ज्यादा कॉर्पोरेट पुरुष विटामिन बी12 की कमी से पीड़ित हैं। 4,400 से अधिक प्रतिभागियों (3,338 पुरुष और 1,059 महिलाएं) के डेटा का विश्लेषण में पाया गया है कि शरीर को काम करते रहने के लिए जरूरी इस विटामिन की कमी तेजी से बढ़ती जा रही है।

महिला कर्मचारी भी इससे अछूती नहीं हैं, आधे से ज्यादा महिला वर्कर्स भी इस विटामिन की कमी से जूझ रही हैं, जिसके कारण दैनिक कामकाज के भी प्रभावित होने का खतरा बना रहता है।

क्यों कम होता जा रहा है ये जरूरी विटामिन?

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि व्यस्त शेड्यूल, अनियमित खान-पान और तनाव के उच्च स्तर के कारण, कॉर्पोरेट पेशेवर अक्सर जरूरी पोषण को अनदेखा कर देते हैं, जब तक कि इनके दुष्प्रभावों के लक्षण दिखने शुरू नहीं हो जाते। पुरुषों और महिलाओं में विटामिन बी12 की कमी बढ़ने के पीछे अपर्याप्त आहार को मुख्य कारण पाया गया है।

कॉर्पोरेट में काम करने वाले लोगों की दिनचर्या और रहन-सहन भी काफी प्रभावित रहता है। जीवनशैली में बदलाव, जिसमें अत्यधिक प्रोसेस्ड और जंक फूड्स का सेवन, शराब-धूम्रपान और अत्यधिक कैफीन का लगातार सेवन भी शरीर में विटामिन बी-12 के अवशोषण को बाधित कर देता है।

खान-पान में बस इस एक बदलाव से सेहत को मिलेंगे कई सारे फायदे

सेहत को ठीक रखने के लिए खान-पान में सुधार करना बहुत जरूरी माना जाता है। हम जो कुछ भी खाते हैं उसका सेहत पर सीधा असर होता है। आहार विशेषज्ञ कहते हैं, वैश्विक स्तर पर जिस तरह की बीमारियां बढ़ती जा रही हैं उससे बचे रहने के लिए कम उम्र से ही सभी लोगों को सावधान हो जाना चाहिए। कई शोध बताते हैं कि ज्यादा मात्रा में नमक और चीनी का सेवन आपको कई बीमारियों का शिकार बना सकता है, इसलिए स्वस्थ रहना चाहते हैं तो सबसे पहले चीनी का सेवन कम कर दें।

अच्छी सेहत के लिए चीनी की जगह गुड़ का सेवन करें। खानपान की आदत में बस इस एक बदलाव की मदद से आप कई बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। रिफाइंड चीनी के अधिक सेवन को डायबिटीज, हार्ट और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं के साथ कैंसर के लिए भी जिम्मेदार माना जाता रहा है।

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, आज से ही चाय में चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल शुरू कर दीजिए। चीनी की तुलना में गुड़ एक बेहतर विकल्प है, खासकर यदि आपको डायबिटीज या हार्ट से संबंधित समस्या है। चीनी की तुलना में गुड़ में कई पोषक तत्व जैसे विटामिन्स और मिनरल्स होते हैं जो शरीर के लिए फायदेमंद हैं।

विभिन्न शोध के आधार पर पता चलता है चीनी का सेवन कम करना और इसकी जगह गुड़ खाना आपको कई सारे स्वास्थ्य लाभ दे सकता है।

डायबिटीज वाले भी कर सकते हैं इसका सेवन

गुड़ को चीनी का एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प माना जाता है, जिन लोगों को डायबिटीज की दिक्कत है वह भी कम मात्रा में चाय में चीनी की जगह गुड़ मिलाकर इसका सेवन कर सकते हैं।

गुड़ में फाइबर, आयरन और फोलिक एसिड जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिनकी हमारे शरीर को नियमित रूप से आवश्यकता होती है। हालांकि अगर आपका शुगर अक्सर हाई रहता है तो बिना डॉक्टर की सलाह के गुड़ का सेवन भी न करें।

हार्ट हेल्थ के लिए भी इसके फायदे

चीनी का अधिक सेवन जहां शरीर में इंफ्लेमेशन के खतरे को बढ़ा देता है जिसके कारण कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियां हो सकती हैं, वहीं चीनी की जगह गुड़ की आदत बनाना आपको इन समस्याओं से बचाने वाला हो सकता है। गुड़ में पोटैशियम और सोडियम संतुलित मात्रा में होते हैं, जिससे रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। यह हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियों से बचाव करता है।

चीनी की जगह गुड़ खाने के और भी कई फायदे

गुड़ में फाइबर और पाचन एंजाइम होते हैं, जो आंतों की सफाई में मदद करते हैं। यह कब्ज, अपच और गैस की समस्या को कम करने में सहायक है।

गुड़ में आयरन और अन्य खनिज होते हैं जो रक्त को साफ करने और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

गुड़ आयरन और फोलिक एसिड से भरपूर होता है, जिससे लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन बढ़ता है और एनीमिया की समस्या दूर होती है।

गुड़ में मौजूद कैल्शियम, फॉस्फोरस और मैग्नीशियमहड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक हैं।

चीनी की तुलना में गुड़ धीमे पचने वाला कार्बोहाइड्रेट है। यह मेटाबॉलिज्म को तेज करता है और वजन को नियंत्रित रखने में मदद करता है।

गुड़ शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालता है, लिवर को डिटॉक्स करने में भी इससे लाभ पाया जा सकता है।

कैंसर का आयुर्वेदिक उपचार बताएं

प्रश्न : मेरी उम्र 65 वर्ष है। हाल ही में जीभ पर कैंसर का पता चला। ऑंकोलॉजिस्ट की राय से तुरंत शल्यक्रिया करवाई। अभी ठीक है। पर डॉक्टर कहते हैं यह फिर से हो सकता है। क्या आयुर्वेद में कैंसर का उपचार है? कृपा कर बताएं।

- ए प्रसाद राव, खम्मम

उत्तर : कैंसर को आयुर्वेद में ₹कर्कटार्बुद₹ कहते हैं। बेकार किस्म की विक्षत व बढ़ने वाली उपकला कोशिकाओं की नवीन वृद्धि जो शरीर के विभिन्न भागों में हो जाती है और उसके आसपास के ऊतकों को भी प्रभावित कर के रक्त व लसीका वाहिनीयों के रास्ते प्रवेश करके शरीर भर में फैल जाती हैं । यह प्रारंभिक अवस्था में कष्टसाध्य और जीर्ण अवस्था में असाध्य तथा जानलेवा भी हो जाती है।

जीभ का कैंसर अक्सर उन लोगों को होता है जो तंबाकू का सेवन, गुटखा, खैनी, जर्दा, किमाम, सिगरेट आदि के रूप में करते हैं। आयुर्वेद में कैंसर का इलाज है। ऊंझा का कैन्सोनिल और औरा का एनाकार्सिन एक शक्तिशाली जंतुघ्न एवं कैंसररोधी औषधकल्प है जो कैंसर के घाव, पीप, सड़न आदि को रोकता है।

आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथों में हीरक भस्म, अभ्रक भस्म , पन्ना भस्म, स्वर्ण भस्म आदि को अर्बुदरोधी बताया है। कांचनार, हल्दी, तुलसी और गुडूची में संक्रमणनाशक गुण भरे हैं। इसी कारण कैंसर की प्रथम अवस्था में इन औषधियों का प्रयोग बेहतरीन नतीजे देता है। कैंसर की शल्यक्रिया और रेडियो थेरेपी के साथ और बाद में कैंसोनिल एवं एनाकार्सिन भी देते रहने से कैंसर को मिटाने में महत्वपूर्ण मदद मिलती है। कैंसर जैसे राज रोग का इलाज योग्य आयुर्वेदाचार्य के संरक्षण में ही करना चाहिए। हां यह सच है कि जिसकी आयु बची है - उसी का इलाज संभव है।

प्रश्न : मेरी उम्र 32 वर्ष है। मूत्र सफेद आता है। इसका क्या कारण हो सकता है? कृपा कर बताएं।

- सत्येंद्र शर्मा, हैदराबाद

उत्तर : मूत्र शरीर का मल है। आयुर्वेद में तीन शारीरिक मलों का वर्णन आता है। पेशाब, पसीना और पाखाना। मूत्र का निर्माण वृक्क(गुर्दे) करते हैं। चयापचयजनित मल जो पानी में घुल जाते हैं उन्हें शरीर से बाहर निकालने का काम मूत्र करता है। इन्हीं घुलनशील पदार्थों के कारण मूत्र रंग में हल्का पीला या पीला सफेद होता है। कुछ अवस्थाओं में यह रंगहीन हो जाता है । इसके प्रमुख कारण है- अधिक पानी पीना, मानसिक रोग और डायबिटीज इन्सीपीडस। मूत्र में एल्ब्यूमिन की मात्रा बढ़ने से भी रंग बदल जाता है। बेहतर है आप मूत्र की परीक्षा करवाएं। कारण स्पष्ट हो जाएगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। टांसिल बढ़ गए हैं, जिसके कारण गले में दर्द, निगलने में दर्द, बुखार और पूरे शरीर में दर्द होने लगता है। आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- मोहम्मद अल्ताफ, करीमनगर

उत्तर : टॉन्सिल के बढ़ने को 'टॉन्सिलाइटिस' या 'तुंडीकेरीशोथ' कहते हैं। टॉन्सिल एक प्रकार की लसीका ग्रंथि हैं, जो गले के प्रवेश द्वार के दोनों और मांस की गांठ की तरह होती है। यह अन्नवह स्रोतस की प्रथम रक्षा पंक्ति है। अधिक ठंडा, अधिक खट्टा, चटपटा, आलू -चीनी के पदार्थ खाने, दूषित वातावरण में रहने से यह बढ़ जाती है। इसके बढ़ने से गले में दर्द, बदबूदार श्वास, जीभ पर मैल, सिरदर्द, बदनदर्द, स्वरभंग, बेचैनी, सुस्ती व बुखार भी आ जाता है।

घरेलू इलाज में आप इन नुस्खों को आजमा सकते हैं।

* एक गिलास पानी में पान का पत्ता, दो लौंग, मुलेठी का चूर्ण एक चम्मच व पिपरमेंट के 4 दाने डालकर इसका काढ़ा बनाएं और पिएं।

* गर्म पानी में चुटकी भर फिटकरी, इतना ही नमक डालकर गरारे करें।

* एक चम्मच अजवाइन को एक गिलास पानी में डालकर उबालें और गुनगुना होने पर इस पानी से कुल्ला करें।

* रात को सोते समय दो चुटकी पिसी हल्दी, आधी चुटकी पिसी काली मिर्च, अदरक का ताजा रस एक चम्मच -इन सबको मिलाकर गुनगुना करें और शहद (मात्रा एक से दो चम्मच) मिलाकर पी जाएं। यह दवा दो-तीन दिनों में ही टांसिल की सूजन को कम कर देती है।

आयुर्वेदिक औषधि में ऊंझा कांचनार गुग्गुलु दो-दो गोली, औरा एलेक्झी टिकिया एक- एक गोली गुनगुने पानी से दिन में तीन बार भोजन के बाद लेने से लाभ होता है।

* ऊंझा तालीसदी चूर्ण 2 ग्राम, कफकेतु रस दो गोली , अभ्रक भस्म 100पुटी 120 मिलीग्राम- तीनों मिलाकर खुराक बनाएं। ऐसी खुराक शहद में मिलाकर दिन में तीन बार लेने से जल्दी आराम मिलता है।

* ऊंझा कंठसुधार वटी या ऊंझा खदिरादि वटी दिन में आठ से दस गोली चूसने से आराम मिलता है।

ज्यादा ठंडी, मीठी, तीखी, तेज मसालेदार चीजें ना खाएं । मूली, टमाटर, गाजर, पालक आदि न लें। हल्का, संतुलित, ताजा आहार ही लेवें। अवश्य आराम मिलेगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

बॉम्बे हाई कोर्ट से गौतम अडानी को राहत

मार्केट रेगुलेशन उल्लंघन मामले में हुए बरी

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी और मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश अडानी को बॉम्बे हाई कोर्ट से सोमवार को बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट ने करीब 388 करोड़ रुपए के मार्केट रेगुलेशन के कथित उल्लंघन के मामले से बरी कर दिया है। सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) ने 2012 में अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) और उसके प्रमोटर गौतम अडानी, राजेश अडानी के खिलाफ मामला शुरू किया था और उन पर आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। साथ ही साथ चार्जशीट दाखिल की थी। साल 2019 में

दोनों उद्योगपतियों ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने एक याचिका दायर कर उसी साल के सेशन कोर्ट के आदेश को रद्द करने की मांग की थी। सेशन कोर्ट ने मामले से मुक्त करने से इनकार कर दिया गया था। जस्टिस आर एन लड्ढा की हाईकोर्ट की एकलपीठ ने सोमवार को सेशन कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया और दोनों को मामले से मुक्त कर दिया।

एसएफआईओ ने 2012 में दायर की थी चार्जशीट

दिसंबर 2019 में हाई कोर्ट ने सेशन कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी और इसे समय-समय पर बढ़ाया गया। साल 2012 में एसएफआईओ ने अडानी सहित 12 लोगों के खिलाफ आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए चार्जशीट दायर की थी, लेकिन मुंबई की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने मई 2014 में उन्हें मामले से बरी कर दिया। एसएफआईओ ने बरी करने के आदेश को चुनौती दी

सेशन कोर्ट ने पलट दिया था मजिस्ट्रेट का आदेश

नवंबर 2019 में सेशन कोर्ट ने मजिस्ट्रेट के आदेश को खारिज कर दिया और कहा कि एसएफआईओ ने अडानी समूह द्वारा अवैध लाभ का मामला बनाया था। उद्योगपतियों ने हाई कोर्ट में अपनी याचिका में सेशन कोर्ट के आदेश को "मनमाना और अवैध" बताया। इस मामले में लगभग 388 करोड़ रुपए के मार्केट रेगुलेशन उल्लंघन के आरोप शामिल थे। यह मामला एसएफआईओ की ओर से जांच के दौरान रेगुलेटरी अनुपालन और वित्तीय लेनदेन पर चिंताओं से उपजा था।

सोना 1,048 बढ़कर 87,891 के ऑल टाइम हाई पर:76 दिन में 11,729 दाम बढ़े; चांदी 1,363 बढ़कर 99,685 प्रति किलो

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमत आज यानी, 17 मार्च को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,048 बढ़कर 87,891 हो गया है। इससे पहले गोल्ड ने 13 मार्च को 86,843 का हाई बनाया था। वहीं, एक किलो चांदी आज 1,363 महंगी होकर 99,685 प्रति किलो पर पहुंच गई है। बीते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन गुरुवार को चांदी का भाव 98,322 रुपए प्रति किलो था। चांदी ने इससे पहले 23 अक्टूबर 2024 को 99,151 प्रति किलो का हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,710 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,560 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 82,100 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 89,560 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,560 रुपए है।

हैदराबाद : सोने की दर 24 कैरट के लिए रुपए 89560 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रुपए 82100/10 ग्राम।

बाजार में लौटी हरियाली; सेंसेक्स 341अंक चढ़ा, निफ्टी 22500 के पार

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। होली के त्योहार के बाद कारोबारी सप्ताह के पहले दिन शेयर बाजार में हरियाली लौट आई है। सोमवार को प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर बंद हुए। बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 341.04 अंक ऊपर बंद बंद हुआ। वहीं, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 111.55 अंक या 0.50 प्रतिशत की तेजी के 22,508.75 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 547.44 अंक उछलकर 74,376.35 अंक पर पहुंच गया था। सेंसेक्स पर सूचीबद्ध कंपनियों में से बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक, जोमैटो और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में तेजी रही। वहीं, आईटीसी, नेस्ले, भारतीय स्टेट बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में गिरावट का रुख रहा। बता दें कि बीते सप्ताह तगड़ी बिकवाली वाले इंडसइंड बैंक का शेयर रिजर्व बैंक के आश्वासन के बाद 5.30 प्रतिशत तक उछलने के बाद 0.72 प्रतिशत की बढ़त पर बंद हुआ। गौरतलब है कि शनिवार को रिजर्व बैंक ने ग्राहकों को आश्वस्त किया था कि निजी क्षेत्र के इस बैंक के पास पर्याप्त पूंजी उपलब्ध है। वहीं, एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट

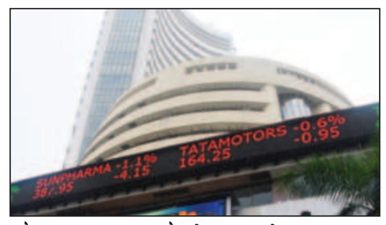

और हांगकांग का हैंगसेंग भी हरे निशान पर बंद हुआ। यूरोप के बाजार दोपहर के सत्र में बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। नए वित्त वर्ष से कारें खरीदनी महंगी हो जाएंगी। देश की दो बड़ी वाहन कंपनियों मारुति और टाटा ने चार फीसदी तक दाम बढ़ाने का फैसला किया है। मारुति ने बढ़ती लागत की वजह से वह एक अप्रैल से सभी मॉडलों की कीमतों में इजाफा करेगी। मारुति ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा, हर मॉडल पर अलग-अलग कीमतें बढ़ेंगी। कंपनी अल्टो के-10 से लेकर मल्टी पर्पज कारें बेचती है। फरवरी में कंपनी ने सभी मॉडलों की 32,500 रुपये तक कीमत बढ़ा दी थी। उधर, टाटा मोटर्स ने भी शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा, वह सभी वाणिज्यिक वाहनों की कीमतें एक अप्रैल से दो फीसदी तक बढ़ाएगी। कंपनी ने कहा, इनपुट लागत बढ़ने से उस पर असर हो रहा है, जिसकी वजह से ग्राहकों पर कुछ भार डालना जरूरी है। इसलिए सभी मॉडलों पर अलग-अलग कीमतें बढ़ेंगी।

बिटकॉइन कर देगी बर्बाद, चवन्नी जितनी रह जाएगी कीमत... क्रिप्टोकरेंसी को लेकर किसने दी चेतावनी?

नई दिल्ली,17 मार्च (एजेंसियां)। बिटकॉइन दुनिया की सबसे महंगी क्रिप्टोकरेंसी है। अभी एक बिटकॉइन की कीमत 83.52 हजार डॉलर (करीब 72.53 लाख रुपये) है। जनवरी में इसकी कीमत एक लाख डॉलर को पार कर गई थी। हालांकि बाद में इसमें गिरावट आ गई। अभी भी इसमें उतार-चढ़ाव जारी है। वहीं एक शख्स ने बिटकॉइन को लेकर चेतावनी दी है। इस शख्स का कहना है कि इसकी कीमत गिरकर 20 हजार डॉलर तक आ सकती है। प्रसिद्ध निवेशक और बिटकॉइन आलोचक पीटर शिफ ने बिटकॉइन की कीमतों को लेकर एक बड़ी चेतावनी दी है। उनका कहना है कि अगर अमेरिकी शेयर बाजार (खासकर नैस्डैक) में गिरावट आती है तो बिटकॉइन की कीमत 20,000 डॉलर तक गिर सकती है। यानी मौजूदा कीमत के मुकाबले करीब 25 फीसदी रह सकती है। उन्होंने यह चेतावनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी है।

क्या है मुख्य कारण?

अक्सर देखा गया है कि बिटकॉइन की कीमतें अमेरिकी टेक कंपनियों के शेयरों और नैस्डैक के उतार-चढ़ाव से जुड़ी होती हैं। पीटर शिफ का मानना है कि अगर नैस्डैक में गिरावट का दौर शुरू होता है तो इसका सीधा असर बिटकॉइन पर पड़ेगा और इसकी कीमतें गिर सकती हैं। शिफ ने नैस्डैक में पहले ही 12 फीसदी की गिरावट की ओर इशारा करते हुए कहा कि आगे बाजार में और गिरावट आ सकती है। इससे बिटकॉइन की कीमतों पर भारी असर पड़ेगा। उन्होंने एक्स पर लिखा है, 'अगर नैस्डैक 20% नीचे जाता है तो बिटकॉइन लगभग 65,000 डॉलर का होगा।

मार्केट के उतार-चढ़ाव का दिया उदाहरण

शिफ ने पिछले बाजार के उतार-चढ़ाव का उदाहरण देते हुए बताया कि नैस्डैक में पहले भी बड़ी गिरावटें देखी गई हैं। डॉट-कॉम बबल फूटने

के बाद नैस्डैक करीब 80% गिर गया था। 2008 के वित्तीय संकट के दौरान इसमें 55% की गिरावट आई थी। वहीं साल 2020 में कोविड के कारण आए संकट में भी इसमें करीब 30% की गिरावट देखी गई थी। इन तीनों बड़ी गिरावटों का औसत 55% है। शिफ का कहना है कि अगर नैस्डैक में 40% की गिरावट आती है तो बिटकॉइन 20,000 डॉलर या उससे भी कम पर पहुंच सकता है।

..तो बढ़ जाएगी बिकवाली

ईटीएफ में निवेश और इसकी बढ़ती लोकप्रियता के कारण फिलहाल बिटकॉइन अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। लेकिन शिफ का मानना है कि शेयर बाजार में गिरावट से बिटकॉइन की बिकवाली बढ़ सकती है, जिससे इसकी कीमतें गिर सकती हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इतनी बड़ी गिरावट बिटकॉइन को और भी निचले स्तर तक ले जा सकती है।

अभी क्या है कीमत?

कोइंजेको वेबसाइट के मुताबिक एक बिटकॉइन की कीमत सोमवार दोपहर 2:30 बजे करीब 83.52 हजार डॉलर थी। पिछले 7 दिनों में इसमें दो फीसदी की तेजी आई है। वहीं बात अगर एक महीने के रिटर्न की करें तो इसमें 14 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। हालांकि जानकार इसमें कम से कम एक साल तक टिके रहने की बात करते हैं। एक साल में बिटकॉइन ने 25 फीसदी रिटर्न दिया है।

हम हवा से बातें कर रहे, पाकिस्तान अभी भी रेंग रहा ट्रेनों की स्पीड के मामले में भी फिसड्डी है पड़ोसी देश

नई दिल्ली,17 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हुई ट्रेन हाईजैक मामले में पड़ोसी देश की दुनियाभर में किरकिरी हुई है। इस ट्रेन को पाकिस्तान में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हाईजैक किया था। बीएलए का दावा है कि उनके कई बंधकों को मार डाला है। जिस ट्रेन को हाईजैक किया था, उसका नाम जाफर एक्सप्रेस है। यह एक सुपरफास्ट ट्रेन है। हालांकि पाकिस्तान की ट्रेन स्पीड की बात करें तो वह काफी कम रहती है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि वहां इलेक्ट्रिक ट्रेन नहीं हैं। सारी ट्रेन डीजल से चलती हैं। दूसरी ओर भारत की बात करें तो हमारे यहां ट्रेन हवा से बातें करती नजर आती हैं। आज बताएंगे कि भारत में कौन सी ट्रेन सबसे तेज गति से चलती है और पाकिस्तान की ट्रेन की टॉप स्पीड क्या है।पाकिस्तान में ट्रेनों की अधिकतम स्पीड 105 किमी प्रति घंटा है। हालांकि पाकिस्तान ने कराची-पेशावर लाइन को सेमी हाई स्पीड के लिए अपग्रेड किया है। इस लाइन पर ट्रेन अधिकतम 120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ सकती है। पाकिस्तान ट्रेनों को इससे भी अधिक स्पीड पर चलाने का प्लान बना रहा है। पाकिस्तान का प्लान ट्रेनों की स्पीड 160 किमी प्रति घंटा करने का है।पाकिस्तान की सबसे तेज दौड़ने वाली ट्रेन का नाम काराकोरम एक्सप्रेस है। यह ट्रेन कराची और लाहौर के बीच चलती है। इस ट्रेन की अधिकतम स्पीड 105 किमी प्रति घंटा होती है। इस ट्रेन को अगस्त 2002 में शुरू किया गया था। इसमें इकनॉमी, एसी बिजनेस आदि जैसे कोच हैं। काराकोरम के अलावा पाकिस्तान की सुपर एक्सप्रेस, ग्रीन लाइन ट्रेन, खैबर मेल आदि ट्रेन भी तेज गति से दौड़ती हैं। लेकिन अधिकतम स्पीड 105 किमी प्रति घंटे से कम रहती है।बात अगर भारत में ट्रेनों की स्पीड की करें तो पाकिस्तान की ट्रेन कहीं नहीं ठहरती। भारत में ट्रेन की अधिकतम स्पीड 180 किमी प्रति घंटा है। वहीं कई ऐसी ट्रेन हैं जो करीब 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पटरियों पर दौड़ती हैं। हालांकि भारत में भी काफी रूट पर पटरियों की स्थिति ऐसी नहीं है कि वहां 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन दौड़ सकें। लेकिन सरकार इन ट्रैक को लगातार अपग्रेड कर रही है। कई रूट ऐसे हैं जिन्हें सेमी हाई स्पीड के लिए अपग्रेड किया गया है। यहां ट्रेन 150 किमी प्रति घंटे की ज्यादा स्पीड से दौड़ सकती है। भारत में वंदे भारत एक्सप्रेस सबसे तेज चलने वाली ट्रेन है। इस ट्रेन की टॉप स्पीड 180 किमी प्रति घंटा है। इस स्पीड पर इस ट्रेन का टेस्ट रन भी हो चुका है।

फिर जागा महंगाई का 'जिन्न'

फरवरी में 2 .38फीसद बढ़ गया डब्ल्यूपीआई

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। करीब 3 महीने से सोया महंगाई का जिन्न एक बार फिर जागता हुआ दिखाई दे रहा है। फरवरी की थोक महंगाई दर के सरकारी आंकड़े जारी हो गए हैं। इसमें एक बार फिर उछाल देखा गया है। फरवरी में होलसेल प्राइस इंडेक्स पर आधारित महंगाई दर मामूली रूप से बढ़कर 2.38 प्रतिशत हो गई है। फरवरी से पहले जनवरी में थोक महंगाई दर 2.31 प्रतिशत के लेवल पर थी। थोक महंगाई में लगातार तीन महीने तक गिरावट देखी गई और अब इसके बाद अब फरवरी में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है।फरवरी में थोक महंगाई बढ़ने की बड़ी वजह सब्जी, तेल और पैकेज्ड ड्रिंक्स की कीमतों में तेजी आना है। पिछले साल फरवरी के डेटा को देखें, तब थोक कीमतों पर आधारित महंगाई की दर सिर्फ 0.2 प्रतिशत थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि फरवरी 2025 में महंगाई दर में वृद्धि की मुख्य वजह खाद्य उत्पादों, खाद्य वस्तुओं, अन्य विनिर्मित वस्तुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं और कपड़ा आदि की कीमतों का बढ़ना है। इस दौरान मैन्यूफैक्चर्ड प्रोडक्टस इंडेक्स भी 0.42 प्रतिशत बढ़ा है। डेटा के मुताबिक मैन्यूफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की

महंगाई दर बढ़कर 11.06 प्रतिशत हो गई। वहीं वनस्पति तेल की महंगाई दर में बढ़ोतरी 33.59 प्रतिशत और पैकेज्ड ड्रिंक्स में 1.66 प्रतिशत रही। हालांकि, सब्जियों की कीमतों में नरमी आई है।थोक बाजार में आलू की महंगाई की दर 74.28 प्रतिशत से घटकर 27.54 प्रतिशत पर आ गई। इसका मतलब ये है कि जनवरी आलू की कीमतें जितनी बढ़ी थी, उसके मुकाबले इस महीने कम बढ़ी हैं, लेकिन इसका ये मतलब ये कतई नहीं है कि आलू की कीमतें सस्ती हैं। इसी तरह दूध की कीमतों में बढ़ोतरी पिछले महीने के 5.40 प्रतिशत से घटकर 1.58 प्रतिशत पर आ गईं। फलों और प्याज की कीमतें क्रमशः 20 प्रतिशत और 48.05 प्रतिशत बढ़ीं हैं।फरवरी में पेट्रोल-डीजल, गैस (ईंधन) और बिजली कैटेगरी की महंगाई दर में गिरावट देखी गई और ये 0.71 प्रतिशत रही है।

मारुति के बाद अब टाटा की गाड़ियां भी होंगी महंगी एक अप्रैल से दो फीसद बढ़ जाएगी कीमत

नई दिल्ली,17 मार्च (एजेंसियां)। भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने 1 अप्रैल 2025 से अपनी गाड़ियों की कीमत बढ़ाने की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि बढ़ती लागत के चलते यह कदम उठाना जरूरी हो गया है। ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में कच्चे माल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिसका असर कंपनी के खर्चों पर पड़ रहा है। टाटा मोटर्स अपने कमर्शियल वाहनों यानी ट्रकों की कीमत में 2% तक की बढ़ोतरी करेगी। यह बढ़ोतरी अलग-अलग मॉडल और वेरिएंट के हिसाब से अलग-अलग होगी। इससे पहले मारुति ने भी अप्रैल से अपनी गाड़ियों की कीमत में 4 फीसदी तक बढ़ोतरी करने की घोषणा की। टाटा मोटर्स ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, कि 1 अप्रैल 2025 से उसके कमर्शियल वाहनों की रेंज में 2% तक की मूल्य वृद्धि होगी। बढ़ते इनपुट कॉस्ट को संतुलित करने के लिए मूल्य वृद्धि की जा रही है और यह प्रत्येक मॉडल और वेरिएंट के अनुसार अलग-अलग होगी। कंपनी का कहना है कि बढ़ती लागत के कारण उसके लिए यह कदम उठाना जरूरी हो गया है।इससे पहले भारत की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने भी अप्रैल 2025 से अपनी सभी गाड़ियों की कीमतों में 4% तक की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। कंपनी ने इसके पीछे कई कारण बताए हैं। कच्चे माल की बढ़ती कीमतें, ट्रांसपोर्टेशन का खर्चा बढ़ना और महंगाई का बढ़ना, इन सब कारणों से कंपनी को यह फैसला लेना पड़ा है। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी उतार-चढ़ाव बना हुआ है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए मारुति सुजुकी ने अपनी गाड़ियों के दाम बढ़ाने का फैसला किया है।

निवेश मंत्रा: पुरानी व्यवस्था के तहत एक लाख का टैक्स बचाने का अंतिम मौका, आयकर रिटर्न भरते समय रखें ध्यान

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। जो लोग पुरानी कर व्यवस्था के तहत आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करना चाहते हैं, उन्हें इस महीने के इन आखिरी कुछ दिनों का पूरा फायदा उठाना चाहिए। अपनी कर बचत रणनीति के तरीकों में से एक आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80डी का उपयोग जरूरी है। इसके तहत आप अपने, अपने परिवार और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम का भुगतान करने पर एक लाख रुपये तक की पूरे वित्त वर्ष के दौरान कर कटौती का दावा कर सकते हैं।आपने वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) में स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी खरीदी है या नवीनीकरण प्रीमियम का भुगतान किया है तो कर कटौती का दावा कर सकते हैं। पॉलिसी दस्तावेज को संभाल कर रखें और आईटीआर भरते समय इसकी भी जानकारी दें। ध्यान दें कि आपको पॉलिसी दस्तावेज अपलोड करने की जरूरत नहीं है। इनकम टैक्स रिटर्न भरने

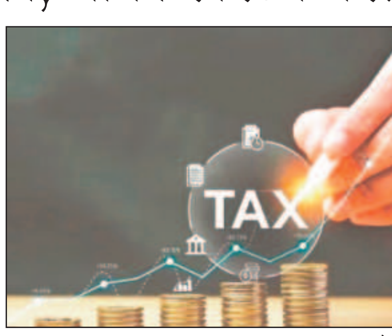

की अंतिम तारीख 31 जुलाई होती है लेकिन जुर्माने के साथ दिसंबर तक भर सकते हैं।आप 60 वर्ष से कम के हैं, तो 25,000 रुपये तक की आयकर कटौती का दावा कर सकते हैं। वरिष्ठ नागरिक 50,000 रुपये तक की कटौती का दावा कर सकते हैं। आप माता-पिता के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम का भुगतान करते हैं, तो उनकी आयु के आधार पर 60 वर्ष से कम होने पर 25,000 रुपये या फिर 60 साल से ज्यादा की उम्र पर 50,000 रुपये की अतिरिक्त कर कटौती का दावा कर सकते हैं। यानी कुल मिलाकर आप 75,000 रुपये तक की कटौती का दावा कर सकते हैं। स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी पॉलिसीधारक, उसके जीवनसाथी और उसके आश्रित बच्चों के कवरेज के लिए ली जा सकती है।माता-पिता के बीमा (प्रीमियम) के लिए अतिरिक्त कटौती 25,000 रुपये तक उपलब्ध है, यदि वे 60 वर्ष से कम आयु के हैं। यदि माता-पिता 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के हैं, तो कटौती राशि 50,000 रुपये तक हो सकती है। ऐसे मामले में जहां आप और आपके माता-पिता भी 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के हैं, तो धारा 80डी के तहत कर कटौती के रूप में एक लाख रुपये तक का दावा कर सकते हैं, यदि आप अपने और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम का भुगतान कर रहे हैं। निवारक स्वास्थ्य जांच के लिए 5,000 रुपये की कटौती की मंजूरी है। हालांकि, 5,000 रुपये की यह कटौती उम्र के आधार पर 25,000 रुपये या 50,000 रुपये की सीमा तक सीमित है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मीन	में
चंद्र-	तुला	में
मंगल	मिथुन	में
बुध-	मीन	में
गुरु-	वृष	में
शुक्र-	मीन	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मीन	में
केतु-	कन्या	में

लग्नारंभ समय	
मीन....	06-14 बजे
मेष---	07-50 बजे
वृष---	09-34 बजे
मिथुन..	11-34 बजे
कर्क....	13-50 बजे
सिंह---	16-00 बजे
कन्या---	18-06 बजे
तुला----	20-12 बजे
वृश्चिक..	22-21 बजे
धनु......	00-35 बजे
मकर....	02-44 बजे
कुंभ....	04-36 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायण • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-25
सूर्यास्त - 18-23
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी 22-09 तक उपरान्त पंचमी
मास - चैत्र कृष्ण ,मंगलवार 18 March
नक्षत्र - स्वाति 17 -51 तक उपरान्त विशाखा
योग - व्याघात 16-43 तक उप हर्षण
करण- बव 08-52 तक उप बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - मंगलाचौथ

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:25 से 16:55 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:25 - 07:53	अशुभ	काल	18:23 - 19:55	अशुभ
उत्पात	07:53 - 09:24	अशुभ	लाभ	19:55 - 21:25	शुभ
चंचल.	09:24 - 10:54	शुभ	उत्पात	21:25 - 22:54	अशुभ
लाभ	10:54 - 12:24	शुभ	शुभ	22:54 - 00:24	शुभ
अमृत	12:24 - 13:54	शुभ	अमृत	00:24 - 01:53	शुभ
काल	13:54 - 15:25	अशुभ	चंचल	01:53 - 03:23	शुभ
शुभ	15:25 - 16:55	शुभ	रोग	03:23 - 04:53	अशुभ
रोग ..	16:55 - 18:23	अशुभ	काल.	04:53 - 06:25	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
दिन शांत रहेगा । पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी । आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें । कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं । अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें । पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें ।आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी ।इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें । अपने आपको फिटनेस कार्यक्रम की आदत डालने के लिए काफी समय दें।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है । इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं , लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं । इसीलिए लोग आपकी सलाह का उल्टा कर रहें हैं । खुद को और अपने रवैये में बदलाव लायें फिर बेहतर नतीजे मिलेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
अपने प्रति ईमानदार रहें क्योकि इसी से आप हरेक स्थिति में खुश रह पायेंगे ।केवल दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान न करें ,जो आपको भी अच्छा लगे,वही करें ।आपको यह सोचने में कुछ समस्या हो सकती है कि कहां से शुरू करूं,इसलिए सारे पहलू देखकर अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है । आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा । आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।इस अप्रत्याशित घटना के कारण आपके छोटी अवधि के लगभग सभी कार्य प्रभावित होंगें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आपको कई सारे मुद्दे सलझाने हैं और ये सभी काफी महत्व के मसले हैं ।इन सबके चक्कर में आपको कम समय मिल पायेगा और आप इन सबमे फंसा हुआ सा अनुभव करेंगे । इसके अलावा ,आज आपको कुछ ऐसी योजनाओं के बारे में भी पता चलेगा जो कुछ अलग सी दिखाई दे रही हैं । आप आज अपनी परेशानी के चलते कुछ ऐसा कह या कर सकते हैं जिसके लिए आपको बाद में पछताना पड़ सकता है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज फैसला लेने का दिन है । आप पिछले सप्ताह से कई चीजों के बारे में चिंता कर रहें हैं । आज कोई ऐसा फैसला लेना पड़ सकता है जो शुरू में काफी कठोर लगे ।लेकिन आपको इस बारे में अपने दिल की सुननी चाहिए ।ये सोचना है कि अब मुझे क्या करना चाहिए? ये नही कि मुझे क्या करना होगा?अपने दिल की बात सुनें,इससे आपको लाभ होगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें । अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपको मदद की जरुरत है और आप जितनी जल्दी यह बात समझ लेंगे उतना ही अच्छा है । समय रहते किसी दोस्त या मेंटर से मिली मदद से आप फिर से जीवन में आपस आ पायेंगे। जिन बदलावों का आप विरोध करते आ रहे हैं ,उनकी महत्ता आपको अब समझ में आएगी और आप खुद उन्हें करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे ।अपनी व्यावहरिक जरूरतों के रास्ते में अपने अहम को न आने दें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे । आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगी। आप पिछले कुछ समय से किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को टाल रहें हैं लेकिन आज इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर रखकर सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है आज आप मूड में जबर्दस्त बदलाव महसूस करेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है । आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे । ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे । आज सेहत और ऊर्जा दोनों ही आपके मजबूत पहलू है कोई काम असंभव नही लगता।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे ।सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे । आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं। आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे ।सामान्यत आप बहुत स्पष्ट सोचते हैं लेकिन आज अपनी समस्याओं और असुरक्षाओं के चलते तार्किक तरीके से नही सोच पायेंगे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बीजेपी नेताओं का ऑडियो वायरल, पार्षदों की लगा रहे बोली

कहा–लखन का मंत्री पद जाएगा, लेकिन साव तो रहेगा, पार्षद बोले–ये लोग मंत्री को गोली मरवा देंगे

कोरबा, 17 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन और भाजपा नेताओं के खिलाफ साजिश का एक ऑडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बीजेपी नेता और कोरबा नगर निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल, उनके सहयोगी बद्री अग्रवाल पार्षदों की बोली लगा रहे हैं। इस दौरान फोन पर एक स्थानीय पत्रकार भी जुड़ा है।

वायरल ऑडियो में कह रहे हैं कि लखन का मंत्री पद जाएगा, लेकिन साव तो रहेगा। इसके लिए करीब 1 लाख रुपए में डील हो रही है। ऑडियो वायरल होने के बाद बीजेपी पार्षद लामबंद हो गए हैं। बीजेपी पार्षदों का कहना है कि ये लोग मंत्री पर गोली भी चलवा सकते हैं। एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

वायरल ऑडियो में बद्री अग्रवाल कह रहा है चिंता की कोई बात नहीं है, जो पार्षद हितानंद के पक्ष में बयान देंगे, उसके लिए हम खड़े हैं। लखन का मंत्री पद तो जाएगा, लेकिन अरुण साव तो रहेगा। उस पार्षद के वार्ड में पूरा काम होगा, फायदा होगा। इसके बाद आगे पत्रकार कहता है कि वह इन पार्षदों को स्पष्ट कर रहा है कि हितानंद अग्रवाल से जीवन भर काम पड़ना है, कमाई भी होगी।

दरअसल, कोरबा नगर निगम के नवनिर्वाचित सभापति नूतन सिंह ठाकुर को बीजेपी ने पार्टी से निष्कासित कर दिया। साथ ही मंत्री लखनलाल देवांगन को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नूतन सिंह ने पार्टी के आधिकारिक प्रत्याशी हितानंद अग्रवाल के खिलाफ बागी होकर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की थी। मामले की जांच के लिए भाजपा ने 3 सदस्यीय टीम का गठन किया है। 7 दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी गई है। बीजेपी की जांच कमेटी में पूर्व विधायक गौरीशंकर अग्रवाल को संयोजक बनाया गया है। इसके अलावा रजनीश सिंह और श्रीनिवास राव को सदस्य बनाया गया है।

कमेटी के पर्यवेक्षक गौरीशंकर अग्रवाल 17 मार्च यानी अपनी टीम के साथ जांच के लिए कोरबा जाएंगे। आरोप है कि पर्यवेक्षक गौरीशंकर अग्रवाल के सामने अपने पक्ष में बयान दिलवाने के लिए 50 हजार से लेकर एक लाख तक सेटिंग करने की कोशिश एक स्थानीय पत्रकार के माध्यम से की गई है। जानकारी के अनुसार हितानंद अग्रवाल ने सभापति चुनाव में हार के बाद बालको नगर के कुछ पत्रकारों को अपने घर पर बुलाकर यह रणनीति बनाई थी। पत्रकारों को कहा गया कि पार्षदों का मंत्री और विकास महतो के खिलाफ झूठा वीडियो बनाकर लाने पर 50 हजार तक की राशि मिलेगी। पार्षदों को भी एक लाख तक देने की डील हुई। हितानंद अग्रवाल पर भाजपा पार्षदों ने आरोप लगाया है कि पार्षदों को मंत्री लखनलाल देवांगन और विकास महतो के खिलाफ जांच दल के आगे बयान देने की डील की गई। बयान के दौरान स्टिंग करने वाले पत्रकारों के लिए भी पैसा फिक्स किया गया। भाजपा के पार्षद चंद्रलोक सिंह ने कहा कि हितानंद अग्रवाल और बद्री अग्रवाल ओछी राजनीति कर रहे हैं।

सीधे-साधे नेता मंत्री लखनलाल देवांगन को फंसाने और उनको मंत्री पद से हटाने के लिए साजिश कर रहे हैं। ऐसे लोग मंत्री पर गोली भी चलवा सकते हैं। वहीं ऑडियो सामने आने के बाद देर रात भाजपा के पार्षदों ने सिविल लाइन थाना रामपुर पहुंचे।

होली पर हंगामा, 80 नामजद, 22 को जेल

रघुवर दास बोले– दबाव में प्रशासन कर रही काम
बाबूलाल ने कहा– उपद्रवियों को बचाया जा रहा

गिरिडीह, 17 मार्च (एजेंसियां)। गिरिडीह के घोड़थंबा में होली पर हुई हिंसक घटना पर प्रदेश की राजनीति गरमाई हुई है। पक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी के तीर चलाए जा रहे हैं। भाजपा नेता और पूर्व सीएम रघुवर दास ने साफ कहा कि भाजपा के शासन काल में अभी इस तरह की घटना को अंजाम देने की हिम्मत किसी ने नहीं की। उन्होंने दर्ज एफआईआर को लेकर कहा कि प्रशासन दबाव में आ कर काम कर रही है। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रशासन उपद्रवियों को बचा रही है। दरअसल, इस घटना पर राजनीतिक बयानबाजी तब शुरू हुई जब इस मामले में दर्ज की गई एफआईआर की कॉपी सामने आई। घटनास्थल पर प्रतिनियुक्ति किए गए मजिस्ट्रेट सुरेंद्र प्रसाद वर्णवाल की ओर से घोड़थंबा थाने में एफआईआर दर्ज कराया गया है। इस एफआईआर में 80 लोगों को नामजद बनाया गया है वहीं दोनों समुदाय के 22 लोगों को जेल भेजा गया है। मजिस्ट्रेट सुरेंद्र प्रसाद वर्णवाल की ओर से दिए गए आवेदन में बताया है कि होली की शाम 6.30 से 7.00 बजे के बीच जमुआ-कोडरमा रोड से गुंडरी गांव का होली का टोली तेज आवाज में गाना बजाते हुए आए और मस्जिद रोड में घुसने लगे। इनकी संख्या लगभग 15 से 20 थी। शाम का वक्त था, गली की संकीर्ण थी और उस वक्त शाम का नमाज पढ़ने दूसरे समुदाय के लोग थे, ऐसे में होली वाली टोली को रोका गया तो वे हंगामा करने लगे। रोकने के बाद भी वे घुसने लगे। जिसका विरोध करते हुए दूसरे समुदाय के लोगों द्वारा आक्रोशित हो कर मस्जिद की ओर से होली की टोली पर शीशा, ईंट पत्थर और पेट्रोल बम फेंका जाने लगा। इसके बाद लोग ज्यादा उग्र हो गए। हंगामे ने बड़ा रूप ले लिया। इस दौरान कई गाड़ियों में आग भी लगा दी गई।

बाबूलाल मरांडी

रघुवर दास

इधर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने दर्ज कराई एफआईआर और कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने अपने X अकाउंट पर लिखा कि यह आशंका थी कि प्रशासन उपद्रवियों का बचाव करते हुए मामले को संतुलित दिखाने के लिए पीड़ित हिंदू पक्ष पर कार्रवाई कर सकती है। अब इस मामले में दर्ज एफआईआर को देखने से ऐसा लगता है जैसे यह कोई शिकायतवाद नहीं, बल्कि हिंदुओं पर हुए हमले का एक पूर्व नियोजित खाका हो। एफआईआर में जिस प्रकार से घटना को वर्णित किया गया है, उससे ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस-झामुमो के शासन में हिंदुओं ने होली मनाकर कोई अपराध कर दिया है। बाबूलाल मरांडी ने एफआईआर को पूरी तरह तुष्टिकरण से प्रभावित बताया है। उन्होंने लिखा है कि हेमंत सरकार की हिंदू विरोधी मानसिकता स्पष्ट नजर आती है। सिर्फ पीड़ित हिंदू पक्ष को कटघरे में खड़ा कर उन्हें ही दोषी ठहराया जाने की सुनियोजित साजिश रची गई है। घटना के असली गुनहगारों को बचाने की पटकथा लिखकर सरकार ने उपद्रवियों का मनोबल बढ़ाने और भविष्य में हिंदुओं के ऊपर ऐसे ही हिंसक हमले करने के लिए प्रेरित किया है।

रायपुर एमआईसी मेंबर की घोषणा

लिस्ट में 4 महिलाएं, 10 पुरुष, दीपक को लोककर्म, मनोज को नगरीय नियोजन

रायपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे ने मेयर इन काउंसिल (एमआईसी) के सदस्यों की घोषणा की है। 14 सदस्यों में 4 महिलाएं और 10 पुरुष शामिल किए गए हैं। सभी सदस्यों को अलग-अलग विभाग बांटा गया है। मेयर मीनल चौब ने कहा कि सभी सदस्य मिलकर रायपुर का विकास करेंगे।

सीनियर पार्षदों में उपनेता प्रतिपक्ष रहे मनोज वर्मा, दीपक जायसवाल, सरिता दुबे का नाम सूची में है। नए पार्षदों में खेम कुमार सेन, संतोष साहू जैसे पहली बार पार्षद बने पार्षदों के नाम शामिल हैं। एमआईसी में नए और पुराने पार्षदों का समीकरण देखने को मिला। रायपुर निगम में 70 वार्ड पार्षद हैं। वार्ड के हिसाब से 20 फीसदी पद एमआईसी के लिए आरक्षित किए गए हैं। 14 अलग-अलग विभाग तय किए गए हैं। हर विभाग के लिए अलग-अलग सदस्यों को जिम्मेदारी दी गई है। इनमें जल, स्वास्थ्य, संस्कृति, राजस्व, वित्त, उद्यान, नगर निवेश, लोक निर्माण जैसे विभाग अहम हैं। नगर निगम में एमआईसी सदस्यों की भूमिका और जिम्मेदारी महत्वपूर्ण होती है। राज्य में जिस तरह मंत्रियों की भूमिका होती है। उसी तरह नगर निगम में एमआईसी सदस्यों की भूमिका कैबिनेट की तरह होती है। एमआईसी गठन का अधिकार महापौर को होता है।

अजय चंद्राकर बोले– एनजीओ विदेशी फंडिंग से कन्वर्जन करा रहे

विधानसभा में उठा मुद्दा, गृहमंत्री शर्मा बोले– छत्तीसगढ़ में देश का सबसे सख्त कानून लाएंगे

रायपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री और बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर ने सोमवार को विधानसभा में बजट सत्र की कार्यवाही के दौरान एनजीओ को मिलने वाली विदेशी फंडिंग से कन्वर्जन का मुद्दा उठाया। चंद्राकर ने सदन में सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि राज्य में कई एनजीओ विदेशी फंडिंग के जरिए मतांतरण (कन्वर्जन) करा रहे हैं।

इस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि वर्तमान में राज्य की 153 संस्थाओं को विदेशी फंडिंग मिल रही है, जबकि पहले यह संख्या 364 थी। इनमें से 84 संस्थाओं की फंडिंग पर रोक लगाई जा चुकी है और 127 की वैधता समाप्त कर दी गई है। शर्मा ने सदन में ऐलान किया कि छत्तीसगढ़ सरकार धर्मांतरण रोकने के लिए देश का सबसे सख्त कानून लाएगी। गृह मंत्री शर्मा ने बताया कि विदेशी फंडिंग की निगरानी केंद्र सरकार करती है, लेकिन किसी संस्था को लेकर अतिरिक्त शिकायत मिलती है तो राज्य सरकार भी जांच कर सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य की शिक्षण संस्थाओं को कई विभागों से 200-300 करोड़ रुपये का अनुदान मिलता है, और सरकार पिछले तीन सालों में दिए गए अनुदानों का परीक्षण (ऑडिट) कराने जा रही है। इससे पहले प्रश्नकाल में पीडब्ल्यूडी और डीएमएफ फंड का मुद्दा उठा। नेता प्रतिपक्ष महंत ने कहा कि बिलासपुर के पीडब्ल्यूडी विभाग में मेंटेनेंस और विद्युतिकरण के नाम पर 100 करोड़ का भुगतान किया गया। महंत ने आरोप लगाया कि 40-50 हजार की एसी 3 से 4 लाख में खरीदे गए। इस पर डिप्टी सीएम साव ने बताया कि 9,156 जगहों पर मरम्मत कार्य किया गया। जिसमें 67 करोड़ रुपए खर्च हुआ है। साव ने कहा कि समय-समय पर कर्मचारी जांच करते हैं। महंत के आरोप पर उन्होंने कहा है कि अगर कहीं गलत ढंग से भुगतान हुआ है तो इसकी जानकारी दे दें। कांग्रेस विधायक लखेश्वर बघेल ने बस्तर में डीएमएफ मद और सीएसआर मद की राशि के खर्चे का मामला उठाया। वाणिज्य और उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने खर्च के बारे में बताया। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने इसे पिछली सरकार के वक्त का मामला बताया। इससे नाराज लखेश्वर बघेल ने कहा- कोई काम मत करिए, कोई खर्च मत करिए, सिर्फ पिछले पांच साल के काम की जांच करवा लीजिए। इस पर मंत्री देवांगन ने कहा- आप ही के समय के शासी परिषद में खर्च को लेकर फैसला हुआ है, आगे बैठक होगी तो सभी से चर्चा कर उसपर भी काम के लिए निर्णय लेंगे।

रायगढ़ के ट्रांसफॉर्मर स्टोर में लगी भीषण आग

करीब 200 ट्रांसफॉर्मर जलकर राख, दूर–दूर तक दिखी लपटें और धुआं, 30 लाख का नुकसान

रायगढ़, 17 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में ट्रांसफॉर्मर स्टोर एरिया में भीषण आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि करीब 200 ट्रांसफार्मर जल गए। आग की लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थीं। 200 ट्रांसफॉर्मर जल गए। बिजली विभाग को करीब 30 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। घटना कोटरा रोड के गजानंद पुरम कॉलोनी की है।

मिली जानकारी के अनुसार आग सुबह 8 से 9 बजे के बीच लगी। आग लगते ही आस-पास के लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर 5 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंची। आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है, लेकिन अभी भी दूर से धुआं दिखाई दे रहा है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह अचानक गजानंद पुरम कॉलोनी के पीछे से धुआं निकलने लगा। पहले तो लगा कि किसी ने कूड़े के ढेर में आग लगा दी है, लेकिन धीरे-धीरे आग भयावह होती चली गई। आग की लपटें दूर-दूर से दिखाई दे रही थीं।

कॉलोनी के लोगों ने बताया कि धुएं के कारण आसपास रहने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई। आसपास रहने वाले लोग पहले तो आग बुझाने की कोशिश करते रहे, लेकिन आग की लपटें इतनी बढ़ गई थीं कि उसे बुझाना मुश्किल हो गया। 2023 में भी ट्रांसफॉर्मर स्टोर एरिया में आग लग गई थी।

गजानंद पुरम कॉलोनी में रहने वाले राहुल सोनी के घर का कुछ हिस्सा भी आग की चपेट में आ गया। घर के पीछे की खिड़की, दरवाजा, पाइप लाइन, बिजली केबल समेत कई सामान जल कर राख हो गए। फायर ब्रिगेड की मदद से आग को बुझाया गया। वहीं कॉलोनी के कुछ घरों को खाली कराया गया है।

मामले में स्टोर एरिया कार्यपालन अभियंता गुंजन शर्मा ने बताया कि जैसे हमारी टीम को जानकारी मिली तुरंत मौके पर पहुंचे हैं। आग बुझाने की कोशिश जारी है। फील्ड से जो खराब ट्रांसफॉर्मर आते हैं, वही यहां रखे हुए थे। भीषण आग एक ट्रांसफॉर्मर से दूसरे ट्रांसफॉर्मर तक पहुंची है।

जिला सेनानी बी कुजूर ने बताया कि आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। बिजली के केबल में लगी आग को हटाकर उस पर काबू पाया जा रहा है।

कॉन्स्टेबल ने एएसआई पर दागी 18 गोलियां, मौत

पहली गोली माथे पर फिर 17 सीने में उतारी, गाली देने से भड़का आईटीबीपी जवान

रायपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर के मुड़ीपार स्थित आईटीबीपी 38वीं बटालियन (भारत तिब्बत सीमा सुरक्षा बल) कैंप में कॉन्स्टेबल ने इंसास राइफल से एएसआई की गोली मारकर हत्या कर दी। एएसआई ने आरक्षक के सिर और सीने पर 18 गोलियां बरसाई हैं। पुलिस ने आरोपी आरक्षक को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना सुबह 9 बजे की है। मॉर्निंग परेड के दौरान एएसआई देवेंद्र सिंह दहिया के डांटने से गुस्से में आकर आरक्षक सरोज कुमार ने फायरिंग की है।

इसकी जानकारी मिलने पर खरोरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

आईटीबीपी की 38वीं बटालियन के उच्च अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

दोनों आईटीबीपी बटालियन में ही रहते थे

आरोपी कॉन्स्टेबल सरोज कुमार (32) बिहार के बक्सर जिले का रहने वाला है। वहीं मृतक एएसआई देवेंद्र सिंह दहिया (56) हरियाणा के रहने वाले थे। दोनों रायपुर के आईटीबीपी 38बीवीं बटालियन के कॉलोनी में ही रहते थे। आरोपी आरक्षक सरोज कुमार के 5 और 3 साल के दो बेटे हैं। आरोपी परिवार के साथ ही रहता था।

बेटी से पिता और दोस्त ने किया रेप

होली की रात पड़ोसी के घर जाने का बहाना बनाकर ले गए, एक आरोपी गिरफ्तार

बोकारो, 17 मार्च (एजेंसियां)। बोकारो में सगे पिता ने अपनी 11 वर्षीय बेटी के साथ दोस्त के साथ मिलकर गैंगरेप किया। घटना शनिवार की रात 11 बजे के करीब बालीडीह थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर की है। रविवार रात पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जबकि अरोपी पिता अभी फरार है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि पिता, मां से छिपकर उसे पड़ोसी के घर जाने का बहाना कर घर से बाहर ले गए। यहां पिता के दोस्त लक्खी चंद्र गाड़ी लेकर इंतजार कर रहे थे। फिर दोनों बच्ची के साथ पास के पहाड़ी पहुंचे। वहां बच्ची के साथ दोनों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया। किसी तरह बच्ची घर पहुंची तो मां के सीने में मुंह छिपाकर रोने लगी। बच्ची ने मां ने घटना की पूरी जानकारी दे दी। रात बीतने के बाद बच्ची को लेकर उसकी मां थाना पहुंची और पुलिस को घटना की सूचना दी।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। बच्ची को मेडिकल जांच में भेजने के बाद आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू की गई। रविवार की रात एक आरोपी लक्खी चंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि आरोपी पिता की तलाश में छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी का भी मेडिकल जांच कराया है।

होली खेलने से मना करने पर छात्रा ने दी जान

गुमला, 17 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के गुमला जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। भरनो थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय मैट्रिक की छात्रा ने रविवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका होली नहीं खेलने की बात पर अपनी मां के साथ विवाद हुआ और इसके बाद छात्रा ने अपनी जान दे दी।

मृतका की पहचान अम्लीया कल्याणपुर ऊपर टोला निवासी विजय भूषण सिंह की बेटी मनीषा कुमारी के रूप में हुई है। वह भरनो गर्ल्स हाई स्कूल में पढ़ती थी।

परिजनों के अनुसार, मनीषा दोस्तों के साथ रविवार को रंग गुलाल खेल रही थी। इस पर उसकी मां ने कहा कि अब होली बीत चुकी है, सब बंद करो। इसी बात पर विवाद बढ़ा था। मनीषा ने मां से हुए विवाद के बाद गुस्से में अपने कमरे में चली गई।

कमरे में रस्सी का फंदा बनाकर पंखे से फांसी लगा ली। घटना के समय घर के परिवार के अन्य सदस्य अपने-अपने कमरे में थे। कुछ देर के बाद उसकी मां ने देखा कि मनीषा फंदे से लटकी हुई है इसके बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

मृतका के चाचा महावीर सिंह ने बताया कि मनीषा के पिता ओडिशा में शराब फैक्ट्री में काम करते हैं। मनीषा थोड़ी जिद्दी स्वभाव की थी। उसने इस वर्ष मैट्रिक की परीक्षा दी थी और सोमवार को प्रैक्टिकल होना था। इधर, सूचना मिलते ही भरनो थाना के एसआई मंटू चौधरी मौके पर पहुंचे।

बेकाबू स्कॉर्पियो ने 3 युवकों को रौंदा

धमतरी, 17 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने 3 युवकों को रौंद दिया। वहीं 4 लोग घायल हो गए। मृतक और घायल एक ही गांव में रहने वाले। ग्रामीणों को रौंदने के बाद स्कॉर्पियो नाले में जा घुसी। जानकारी के मुताबिक 8 युवक खाना खाकर रोड किनारे टहल रहे थे। हादसे के बाद ड्राइवर फरार हो गया। वहीं स्कॉर्पियो का मालिक अंदर फंसा हुआ था, उसे भी गंभीर चोट आई है। मामला बिरेझर चौकी क्षेत्र का है। दरअसल, नेशनल हाईवे से लगे ग्राम दरबा में रात करीब 10 बजे स्कॉर्पियो अभनपुर की ओर से आ रही थी। तेज रफ्तार की वजह से स्कॉर्पियो बेकाबू हो गई। सड़क किनारे टहल रहे ग्रामीणों को स्कॉर्पियो ने रौंद दिया।

स्कॉर्पियो के टक्कर से सभी इधर-उधर फेंका गए। वहीं कुछ युवक स्कॉर्पियो के चपेट में आ गए। जिसके चलते 3 युवकों ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद दो युवकों की ऑन द स्पॉट मौत हो गई थी।

घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं एक घायल को अभनपुर रेफर किया गया था। रेफर किए गए युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। टक्कर मारने के बाद स्कॉर्पियो का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। लेकिन स्कॉर्पियो में मौजूद वाहन मालिक अंदर फंस गया। एसडीओपी रागिनी तिवारी ने बताया कि वाहन मालिक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना में भावेश साहू (21), गोलू यादव (24), खिलेश्वर सपहा (20) की मौत हुई है। वहीं डिगु यादव, पुष्कर निर्मलकर, नरेंद्र यादव का इलाज अस्पताल में जारी है।

मंईयां सम्मान योजना में हेमंत सरकार ने की ठगी

पूर्व सीएम रघुवर दास ने बोला जबरदस्त हमला

रांची/ दुमका, 17 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर मंईयां सम्मान योजना के नाम पर बहन-बेटियों को ठगने का आरोप लगाया है। दुमका स्थित बासुकीनाथ धाम में रविवार को पूरे परिवार के साथ पूजा-अर्चना करने आए भाजपा नेता रघुवर दास ने कहा कि चुनाव के पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा राज्य की 18 से 50 साल की उम्र तक की महिलाओं को 2,500 रुपए प्रतिमाह देने का वादा किया था, लेकिन चुनाव जीतने के बाद इस राशि के भुगतान के लिए तरह-तरह की शर्तें लगा दीं।

रघुवर दास कहा कि दिसंबर में 57 लाख महिलाओं को 2,500 रुपए की राशि दी गई। अब ऐसी महिलाओं की संख्या घटा दी गई है। यह लाखों महिलाओं के साथ वादाखिलाफी है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि झामुमो, राजद और कांग्रेस के गठबंधन की हेमंत सरकार-पार्ट वन में विकास का कोई काम नहीं हुआ, जबकि 2014 से 2019 तक भाजपा की डबल इंजन सरकार में साहिबगंज में गंगा नदी पर सेतु, नए एयरपोर्ट और देवघर में एम्स का निर्माण कराया गया। उन्होंने हेमंत सरकार पर आदिवासियों को भी छलने का आरोप लगाया। राज्य में विधि-व्यवस्था पर सवाल खड़ा करते हुए रघुवर दास ने कहा कि हर रोज हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं घट रही हैं। पुलिस-प्रशासन फेल है। बेटियों की इज्जत लूटी जा रही है। संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ का सिलसिला जारी है। आए रोज हो रही लव जिहाद की घटनाएं चिंता का विषय हैं। इन मामलों में सरकार की चुप्पी शर्मनाक है। उन्होंने गिरिडीह के घोड़थम्भा में होली के दिन हिंसक झड़प की घटना के लिए भी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। इससे पूर्व रघुवर दास ने देवघर स्थित वैद्यनाथ धाम में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उनकी पुत्रवधू जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू भी मौजूद रहीं। पूजा-अर्चना करने के बाद रघुवर दास ने समस्त झारखंडवासियों की खुशहाली के लिए भगवान भोलेनाथ की मंगल आरती भी की।

कोयला तस्करों की बाइक से स्कूली छात्राएं घायल

गुस्साई भीड़ ने बाइक में लगाई आग
विधायक ने प्रशासन को ठहराया जिम्मेदार

धनबाद, 17 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद में कोयला तस्करों की तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से दो छात्राएं जख्मी हो गईं। हादसे के बाद स्थानीय लोग इतना आक्रोशित हो गए कि कोयला ढुलाई में इस्तेमाल होने वाली बाइक को आग के हवाले कर दिया। घटना सोमवार को बाघमारा स्थित मधुबन थाना क्षेत्र के खरखरी रेलवे पुल के पास हुई।

दरअसल, कोयला तस्करों की तेज रफ्तार बाइक ने दूसरी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार के साथ दो स्कूली छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साई भीड़ ने नवागढ़-महुदा मोड़ मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और दुर्घटनाग्रस्त बाइक में कोयला रखकर आग लगा दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि आशाकोठी खटाल के कोयला तस्करों की दबंगई से सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। वहीं, घटनास्थल पर पहुंचे बाघमारा विधायक शत्रुध्न महतो ने सरकार और जिला प्रशासन को इस स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अवैध कोयला कारोबार पर रोक नहीं लगा तो रोड से लेकर सदन तक मुद्दे को उठाया जाएगा।

नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम

तबाही मचाने वाला 'सामान' बरामद

चाईबासा, 17 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के एक जंगली इलाके में सुरक्षाकर्मियों ने रविवार को शक्तिशाली संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के सदस्यों ने सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाने के लिए आईईडी लगाया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि माओवादियों की गतिविधियों से प्रभावित क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), कोबरा, झारखंड जगुआर और जिला सशस्त्र पुलिस के सुरक्षा बलों को टोंटो पुलिस थाने की सीमा के भीतर हाथीबुरू और लेमसाडीह गांवों के बीच जंगल के रास्ते में लगाए गए 10 किलोग्राम वजन के आईईडी का पता चला।

पश्चिमी सिंहभूम जिले के पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने मौके पर ही आईईडी को निष्क्रिय कर दिया और तलाश अभियान जारी रहा। पुलिस ने टोंटो और छोटानागरा पुलिस थानों के अंतर्गत जंगली इलाकों से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद तथा दो आईईडी बृहस्पतिवार को बरामद किए थे, जिनमें से एक का वजन 15 किलोग्राम था। इस करह से नक्सलियों की एक बड़ी साजिश नाकाम कर दी गई। झारखंड के खूंटी जिले की पुलिस ने 13 साल से वांटेड प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई (पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया) के तीन नक्सलियों को रविवार को गिरफ्तार किया। इनमें बिरसा नाग उर्फ बिरसा मुंडा, तीनू नाग उर्फ सीनू मुंडा और फगुआ मुंडा शामिल हैं। तीनों खूंटी जिले के सोयको थाना क्षेत्र अंतर्गत आयूबहातू गांव के रहने वाले हैं।

अमेरिकी कोर्ट की रोक के बावजूद 261 वेनेजुएलाई नागरिक डिपोर्ट

गैंग मेंबर बताकर जेल भेजा, ट्रम्प के अधिकारी बोले- आदेश आने तक फ्लाइट्स उड़ चुकी थीं

वॉशिंगटन, 17 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को वेनेजुएला के 261 अप्रवासी नागरिकों को अल सल्वाडोर की सुपरमैक्स जेल भेज दिया है। अमेरिका ने इन्हें ड्रग्स बेचने वाली गैंग्स का सदस्य बताते हुए 'एलियन एनिमी एक्ट' के तहत ये कार्रवाई की है। अल सल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले ने सोशल मीडिया पर बताया कि वेनेजुएलाई गैंग 'ट्रेन डी अरागुआ' के 238 सदस्य और अंतरराष्ट्रीय गैंग एमएस-13 के 23 सदस्य रविवार सुबह वहां पहुंचे। एक अमेरिकी कोर्ट के तरफ से इन लोगों को डिपोर्ट किए जाने के आदेश पर रोक लगा दी गई थी। इसके बाद भी अमेरिका ने इन लोगों को डिपोर्ट कर दिया। ट्रम्प प्रशासन के अधिकारियों के मुताबिक, जब तक कोर्ट का आदेश आया, तब तक फ्लाइट उड़ान भर चुकी थीं। इन लोगों के अल सल्वाडोर पहुंचने का वीडियो राष्ट्रपति नायब बुकेले ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसमें हथकड़ी पहने लोग फ्लाइट से उतारे जा रहे हैं और उन्हें जबरन जेल ले जाया जा रहा है। इसके अलावा इन लोगों के जेल ट्रांसफर करने की कुछ तस्वीरें भी राष्ट्रपति कार्यालय ने जारी की हैं। डिस्ट्रिक्ट जज जेम्स ई. बोआसबर्ग ने शनिवार को एक आदेश जारी कर वेनेजुएलाई लोगों के डिपोर्टेशन को अस्थायी रूप से रोक दिया था।

सरकारी वकीलों ने उन्हें बताया कि उस समय दो विमान उड़ान भर चुके थे। इनमें से एक अल साल्वाडोर और दूसरा होंडुरास के लिए निकला था। तब जज ने दोनों विमानों को वापस बुलाने का भी निर्देश दिया, लेकिन इसे अपने लिखित आदेश में शामिल नहीं किया। इसके चलते प्रशासन ने इसे नजरअंदाज कर दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने रविवार को बताया कि प्रशासन ने किसी भी अदालत के आदेश को नजरअंदाज नहीं किया है। यह आदेश कानूनी रूप से आधारहीन था और जब इसे जारी किया गया, तब तक संदिग्ध आतंकवादी पहले ही अमेरिका से हटा दिए गए थे। 1798 का 'एलियन एनिमी एक्ट' अमेरिका का पुराना युद्ध के समय का कानून है। ये राष्ट्रपति को युद्ध के समय किसी भी शत्रु विदेशी नागरिक को हिरासत में लेने, प्रतिबंधित करने या देश से बाहर करने का अधिकार देता है। ये कानून अमेरिकी कांग्रेस ने 6 जुलाई 1798 को पारित किया था। इसे चार कानूनों के एक ग्रुप 'एलियन एंड सेडिशन एक्ट्स' का हिस्सा माना जाता है।

ट्रम्प ने दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद अल सल्वाडोर से समझौता किया था, जिसके तहत अमेरिका के हिंसक अपराधियों और अवैध अप्रवासियों को वहां की जेलों में रखा जाएगा। अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के सामने यह प्रस्ताव रखा था, जिसे उन्होंने तुरंत स्वीकार कर लिया।

मार्को रुबियो ने बुकेले के प्रस्ताव की तारीफ करते हुए कहा- अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे किसी भी अपराधी, चाहे वह किसी भी देश का हो, अल सल्वाडोर उन्हें अपनी जेलों में रखेगा। किसी भी देश ने पहले ऐसी पेशकश नहीं की थी। हम इस समझौते से बहुत खुश हैं।

अल सल्वाडोर में जनवरी 2023 में एक जेल का निर्माण हुआ था। इसका नाम 'आतंकवादी बंदी केंद्र' है, जिसे सीईसीओटी के नाम से भी जाना जाता है। यह दुनिया की सबसे बड़ी जेलों में से एक है। इसमें 40 हजार से ज्यादा कैदी रखे जा सकते हैं। नायब बुकेले ने कहा कि वह इस जेल में मामूली पैसे लेकर अमेरिका के खतरनाक कैदियों को रखेंगे। इससे दोनों देशों को फायदा होगा।

ट्रंप ने शेयर किया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पॉडकास्ट का वीडियो

भारतीय प्रधानमंत्री ने दोस्त बताकर की थी जमकर तारीफ

वॉशिंगटन, 17 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पॉडकास्ट का वीडियो लिंक अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया है। लेक्स फ्रिडमैन को दिए करीब 3 घंटे के एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ने ह्यूस्टन में 2019 के 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम का जिक्र किया था और बताया था कि कैसे डोनाल्ड ट्रंप का एक इशारा उनकी याद में बना हुआ है। मोदी ने ट्रंप की तारीफ करते हुए कहा कि उनमें (ट्रंप में) हिम्मत है। वे अपने फैसले खुद लेते हैं। उनका अमेरिका फर्स्ट वाला नजरिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कि ये कुछ ऐसे गुण हैं जिनसे वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में प्रभावित हुए हैं।

इंटरव्यू के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जाने-माने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्चर फ्रिडमैन से कहा, कि ह्यूस्टन में हमारा एक कार्यक्रम था, हाउडी मोदी। राष्ट्रपति ट्रंप और मैं दोनों वहां थे और पूरा स्टेडियम पूरी तरह से भरा हुआ था। अमेरिका में किसी कार्यक्रम में भारी भीड़ एक बहुत बड़ा क्षण होता है। जहां खेलों में स्टेडियमों में भीड़ होना आम बात है, वहीं राजनीतिक रैली के लिए यह असाधारण था। प्रधानमंत्री मोदी ने इंटरव्यू में आगे कहा कि भारतीय प्रवासी बड़ी संख्या में जमा हुए थे। हम दोनों ने भाषण दिया और वह नीचे बैठ कर मेरी बातें सुनते रहे। यह उनकी विनम्रता है। अमेरिका के राष्ट्रपति दर्शकों के बीच बैठे थे और मैं मंच से बोल रहा था, यह उनकी ओर से एक शानदार भाव-भंगिमा थी। प्रधानमंत्री मोदी ने पॉडकास्ट में बताया कि अपना भाषण खत्म करने के बाद उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद दिया और उनसे स्टेडियम का चक्कर लगाने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के स्टेडियम का चक्कर लगाने के लिए सहमति जताई और उन्होंने मेरे साथ चलना शुरू कर दिया। उनकी पूरी सुरक्षा व्यवस्था चौंक गई। मेरे लिए, वह क्षण वास्तव में दिल को छू लेने वाला था, इसने मुझे दिखाया कि इस व्यक्ति में साहस है। वह अपने फैसले खुद लेते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने मुझ पर और मेरे नेतृत्व पर इतना भरोसा किया कि वह भीड़ में मेरे साथ आगे बढ़ गये। यह आपसी विश्वास की भावना थी और हमारे बीच बना एक मजबूत बंधन था, जिसे मैंने उस दिन वास्तव में देखा था। पिछले साल रिकॉर्ड तीसरी बार जीत हासिल करने वाले पीएम मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति की जमकर तारीफ की, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह उनके इंडिया फर्स्ट नजरिए से मेल खाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब हाल ही में चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें गोली लगी तो मैंने उसी मजबूत इरादे वाले राष्ट्रपति ट्रंप को देखा। वह जो उस स्टेडियम में मेरे साथ हाथ में हाथ डालकर चल रहे थे। गोली लगने के बाद भी, वे अमेरिका के लिए अडिग रहे, उनका जीवन उनके राष्ट्र के लिए था। उनके प्रतिबिंब में उनकी 'अमेरिका फर्स्ट स्पिरिट' दिखती है, ठीक वैसे ही जैसे मैं राष्ट्र प्रथम में विश्वास करता हूं। मैं इंडिया फर्स्ट के लिए खड़ा हूं और इसलिए हम इतने अच्छे से जुड़ते हैं।

राजनांदगांव में 40 डिग्री के करीब पारा

रायपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सभी जिले मार्च के दूसरे पखवाड़े में ही तेज गर्मी में तप रहे हैं। पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच चुका है। दुर्ग और रायपुर संभाग में गर्मी का असर ज्यादा है। रविवार को राजनांदगांव सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। रायपुर समेत उत्तर छत्तीसगढ़ के जिलों में लू जैसे हालात बन गए हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अगले तीन दिन मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ के जिलों में अधिकतम तापमान स्थिर रहेगा। 20 मार्च के बाद से 2-3 डिग्री की गिरावट होने की संभावना है।

नेशनल असेंबली के स्पीकर ने बंद कमरे में बुलाया सत्र

सांसदों को दिए जाएंगे सुरक्षा से जुड़ी जानकारी

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज सादिक ने बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में घातक हमलों के बाद मंगलवार को राष्ट्रीय सुरक्षा पर संसदीय समिति की बंद कमरे में बैठक बुलाई है। डॉन अखबार ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नेशनल असेंबली के स्पीकर से मंगलवार को दोपहर डेढ़ बजे संसद भवन में सुरक्षा बैठक बुलाने को कहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, सैन्य नेतृत्व संसदीय समिति को मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर व्यापक जानकारी देगा।

यह घटनाक्रम पड़ोसी अफगानिस्तान के साथ सीमा साझा करने वाले दोनों प्रांतों में हुए घातक आतंकवादी हमलों की शृंखला के मद्देनजर हुआ है। नेशनल असेंबली के एक सूत्र का हवाला देते हुए डॉन ने बताया कि चूंकि सुरक्षा पर कोई संसदीय समिति गठित नहीं की गई है, इसलिए नेशनल असेंबली की रक्षा और विदेश मामलों की स्थायी समितियों के सदस्य, संघीय कैबिनेट के सदस्य, चार प्रांतों के मुख्यमंत्री और सभी संसदीय दलों के नेता या उनके प्रतिनिधि बंद दरवाजे के सत्र में भाग लेंगे।

प्रधानमंत्री शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर इस ब्रीफिंग में शामिल होंगे। इस बीच, अखबार ने बताया कि सरकार प्रांत में बढ़ते आतंकवादी हमलों में शामिल बीएलए और अन्य आतंकवादी समूहों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान की योजना बना रही है। प्रधानमंत्री के एक सहयोगी राणा अहसन अफजल ने कहा कि सरकार सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के लिए जल्द ही एक बहुदलीय सम्मेलन (एमपीसी) बुलाएगी।

हाफिज सईद की हत्या का खतरा बढ़ा

घर जेल में तब्दील, कताल की हत्या से घबराई पाकिस्तानी सेना, लश्कर सरगना की सुरक्षा बढ़ाई

इस्लामाबाद, 17 मार्च (एजेंसियां)। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के शीर्ष कमांडर अबू कताल को पाकिस्तान में मार दिया गया है। लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक और 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद पर भी हमला होने की खबर है। कहा जा रहा था कि हमले में हाफिज सईद मारा जा चुका है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया है कि अज्ञात बंदूकधारियों ने सईद को निशाना बनाया है। पाकिस्तान में उसके ठिकानों के आसपास सुरक्षा बढ़ाए जाने और सरकार की चुप्पी ने सईद की मौत की चर्चा को हवा दी है। हालांकि पाक पत्रकार एजाज ने इसे खारिज किया है लेकिन उन्होंने माना है कि हाफिज खतरे में है।

जियो न्यूज के रिपोर्टर एजाज सईद ने बताया है कि लगातार इस तरह की बातें चल रही हैं कि हाफिज सईद को कत्ल कर दिया गया है। ये बात तो सही नहीं है लेकिन ये सही है कि हाफिज सईद खतरे में है। सईद पर पहले भी हमले हुए हैं। दरअसल अबू कताल सिंधी को हाल ही में अज्ञात लोगों ने गोली मार दी है। कताल काफी एक्टिव रहा था तो इन गुटों में तो ये कहा जाने लगा कि उसके साथ सईद को भी मार दिया गया है। एजाज का कहना है कि पाकिस्तान में हालिया समय में टारगेट किलिंग देखने को मिली हैं। ऐसे लोगों को मारा जा रहा है, जो भारत की हिट लिस्ट में हैं। कताल के करीबी और आईएसआई से जुड़े लोग इसके पीछे भारत की एजेंसी रॉ को मान रहे हैं। ये माना जा रहा है कि सईद भी खतरे में है। ऐसे में उसकी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। उसके घर को अब सबजेल में तब्दील किया जा रहा है, जहां उसे रखा गया है। हाफिज सईद पर हमले की अफवाह पहले भी उड़ती रही हैं, हालांकि पाक सरकार अंतरराष्ट्रीय छवि बचाने के लिए उस पर चुप्पी साधे रखती है। इस बार भी आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया लेकिन जिस तरह से कताल की हत्या के बाद पंजाब के झेलम में सड़कों को सील कर दिया गया।

बांग्लादेश में यूनिवर्सिटी ने दो हिंदू छात्रों को सस्पेंड किया

इस्लाम के अपमान का आरोप, 5 और छात्रों को सस्पेंड करने के लिए प्रदर्शन

ढाका, 17 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश के ढाका में पबना यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने रविवार को इस्लाम के कथित अपमान के आरोप में दो हिंदू छात्र बिकर्ण दास दिव्या और प्रणय कुंडू को सस्पेंड कर दिया। इसके अलावा पांच और हिंदू छात्रों को सस्पेंड करने की मांग की जा रही है। यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर डॉ. कमरुज्जमां खान के मुताबिक दोनों छात्रों के खिलाफ पिछले शुक्रवार को आरोप लगाए गए थे, जिसके बाद तुरंत कारण बताओ नोटिस जारी किए गए, लेकिन उनके जवाब संतोषजनक नहीं थे। मामला सुलझाने के लिए यूनिवर्सिटी के डिसिप्लिन बोर्ड ने एक इमरजेंसी बैठक बुलाई थी।

शनिवार को फार्मेसी डिपार्टमेंट के 5 अन्य छात्र विद्युत सरकार, सुवर्ण सरकार, दीपू बिस्वास, तनय सरकार और अंकन घोष के कुछ वॉट्सएप चैट्स सोशल मीडिया पर लीक हो गए थे। आरोप है कि ये पांचों स्टूडेंट्स कथित तौर पर इस्लाम के बारे में अपमानजनक टिप्पणी कर रहे थे। इस मामले के सामने आते ही यूनिवर्सिटी के कुछ स्टूडेंट्स ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और इन पांचों को तत्काल सस्पेंड करने की मांग करने लगे।

स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी के मेन गेट और एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिस पर ताला लगा दिया। रविवार दोपहर करीब 2.30 बजे यूनिवर्सिटी प्रॉक्टर ने स्टूडेंट्स से बात की और दो हिंदू स्टूडेंट्स को अस्थाई तौर पर सस्पेंड कर दिया।

उन्होंने यह भी कहा की फार्मेसी डिपार्टमेंट के पांच हिंदू छात्रों के मामले में 24 घंटे के अंदर फैसला लिया जाएगा। इसके बाद स्टूडेंट्स ने अपना विरोध प्रदर्शन खत्म कर दिया और गेट खोल दिए।

बांग्लादेश में 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना सरकार गिरने के बाद से भारत विरोधी भावनाओं को बल मिला है। इसके अलावा अल्पसंख्यकों से जुड़े धार्मिक स्थलों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। हिंदू नेताओं को धमकियां मिल रही हैं। इस्कॉन से जुड़े धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास देशद्रोह के आरोप में 25 नवंबर से पुलिस हिरासत में हैं।

बांग्लादेश में 5 जून को हाईकोर्ट ने जॉब में 30% कोटा सिस्टम लागू किया था, इसके बाद से ही ढाका में यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट कर रहे थे। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा था। यह आरक्षण खत्म कर दिया गया तो छात्रों ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग शुरू कर दी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में छात्र और आम लोग प्रधानमंत्री और उनकी सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर आए। इस प्रोटेस्ट के दो महीने बाद 5 अगस्त को शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गईं। इसके बाद सेना ने देश की कमान संभाल ली।

भारत नहीं चाहेगा बलूचिस्तान में अशांति

पूर्व पाकिस्तानी उच्चायुक्त ने खोली हिंसा की परतें, अमेरिका, ईरान और चीन का लिया नाम

इस्लामाबाद, 17 मार्च (एजेंसियां)। भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रहे अब्दुल बासित ने बलूचिस्तान में हो रही हिंसा पर प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि बलूचिस्तान में अशांति के पीछे अकेले भारत नहीं कई देशों पर शक की सुई घूम रही है। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि बलूचिस्तान का अस्थिर होना भारत के लिए कई लिहाज से अच्छा नहीं है। बासित ने इसमें ईरान की किसी भूमिका को भी नकारा है। साथ ही उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान की सरकार बलूचिस्तान के लोगों से बातचीत और प्यार-मुहब्बत के जरिए इस मसले का हल निकालने की तरफ कदम बढ़ाए। अब्दुल बासित ने अपने एक वीडियो में कहा है, 'जाफर एक्सप्रेस पर हमले के बाद लगातार कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। एक तो ये है कि बलूचिस्तान के लोगों की उस तरह से तरक्की नहीं हुई, जैसे होनी चाहिए थी। ये बात सही है और इसकी वजह से बलूच लोगों में गुस्सा है। हालांकि वहां के गुट इतने बड़े हमले बिना किसी विदेशी मदद के नहीं कर सकते हैं, ये भी एक सच है। ऐसे में कई देशों पर उंगली उठ रही है।' बासित का कहना है कि दुनिया के कई देशों की इस इलाके में दिलचस्पी की वजह ग्वादर पोर्ट है। चीन के लिहाज से सीपैक के लिए ये जरूरी है कि ग्वादर पोर्ट सक्रिय रहे। दूसरी ओर अमेरिका नहीं चाहता है कि ग्वादर चले और चीन को समुद्र के बड़े हिस्से पर पहुंच मिल जाए। भारत के रिश्ते भी चीन से अच्छे नहीं रहे हैं। ऐसे में समझ आता है कि ग्वादर पोर्ट तक चीन को जाने से रोकने के लिए बलूचिस्तान में हिंसा का सहारा लिया जा सकता है। पाकिस्तान की सेना ने जाफर एक्सप्रेस की घटना के लिए भारत को जिम्मेदार कहा है। इस तरफ इशारा करते हुए बासित ने कहा, 'भारत ने पाकिस्तान के आरोपों को खारिज किया है। हालांकि सच्चाई ये है कि पाकिस्तान ने सबूतों के आधार पर ही उंगली उठाई है।

इस सबके बीच मुझे लगता है कि बलूचिस्तान में हिंसा चाबहार पोर्ट पर असर डाल सकती है, जो भारत के लिए बहुत अहम है। इतना ही नहीं इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर भी प्रभावित हो सकता है। भारत को रूस, ईरान, यूरोप और मध्य एशिया से जोड़ने वाला 7,200 किलोमीटर लंबा रूट चाबहार की तरह ही दिल्ली के लिए अहम है।

डीजे बजाने के विवाद में फायरिंग की दो आरोपी गिरफ्तार

जमशेदपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। जमशेदपुर पुलिस ने डीजे विवाद में फायरिंग कर एक व्यक्ति को घायल करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। संदीप सिंह और राकेश शर्मा को मतलाडीह से पकड़ा गया है। डीएसपी तौसीफ ने सोमवार को बताया कि आरोपियों से 9 एमएम का पिस्टल, एक मैगजीन और 7.6 एमएम के दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। घटना 11 मार्च को बर्मा माइंस में एक शादी समारोह में डीजे बजाने को लेकर शुरू हुई थी। इसके बाद 14 मार्च को संदीप सिंह, राकेश शर्मा और धीरज सिंह ने बागबेड़ा थाना क्षेत्र के कृष्णापुरी में महेश प्रसाद के घर जाकर मारपीट की।

उन्होंने फायरिंग भी की, जिसमें महेश घायल हो गए। अब महेश की स्थिति खतरे से बाहर है।

मैं बंगबंधु की बेटी, जब तक जिंदा हूं, देश को झुकने नहीं दूंगी

क्या बांग्लादेश को इस्लामिक आतंक का सेंटर बनने से रोक पाएंगी?

ढाका, 17 मार्च (एजेंसियां)। शेख हसीना को पिछले साल अगस्त में एक हिंसक प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश की सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। वो भारत में शरण ली हुई हैं और उन्होंने अपनी पार्टी अवामी लीग के कार्यकर्ताओं को दिए गये एक संदेश में अपने दर्द का इजहार किया है। उन्होंने कहा कि बंगबंधु का 'स्वर्णिम बांग्लादेश' का सपना टूटने के कगार पर है। शेख हसीना ने अपने पिता शेख मुजीब उर रहमान के 150वें जन्म दिवस पर अपनी पार्टी के लोगों को संबोधित किया है। उन्होंने कहा कि कुछ गुमराह, स्वार्थी लोगों के हाथों उनका 'स्वर्णिम बंगाल' का सपना टूटने के कगार पर है। हसीना ने आगे कहा कि उन लोगों ने अपने फायदे के लिए हमारी युवा पीढ़ी को गुमराह किया है। फिर भी, जब तक मैं, बंगबंधु की

बेटी, ज़िंदा हूं, मैं देश और उसके लोगों के कल्याण के लिए काम करती रहूंगी।

शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश को आजादी दिलाने वाले बंगबंधु के खिलाफ खतरनाक अभियान चलाया गया है और देश भर में उनकी मूर्तियां तोड़ दी गईं। उनका जिक्र करने वालों को मोहम्मद यूनुस का शासन सजा दे रहा है। मोहम्मद यूनुस के शह पर चरमपंथियों की भीड़ ने उनके म्यूजियम, उनके पैतृक आवास को जलाकर राख कर दिया। बंगबंधु के अस्तित्व को खत्म करने की बांग्लादेश में कोशिशें की जा रही हैं।

शेख हसीना ने संदेश देते हुए कहा कि आज, स्वतंत्र बांग्लादेश देशद्रोहियों और मुक्ति-विरोधी ताकतों के हाथों में है। लेकिन वे भी जानते हैं कि बंगबंधु को बंगालियों के दिलों से मिटाया नहीं जा सकता है। उनके आदर्श शाश्वत और कभी खत्म होने वाले नहीं हैं। वो बंगाली लोगों की भावनाओं, यादों और चेतना में हमेशा थे, हैं और रहेंगे। 32 धानमंडी में ऐतिहासिक घर को ध्वस्त करने के बाद भी ऐसे लोगों को शांति नहीं मिली है।" शेख हसीना ने अपने संबोधन में इन बातों के अलावा वर्तमान शासन में महिलाओं के दमन का भी जिक्र किया है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने ये भी आश्वासन दिया है कि उनकी पार्टी उनके उत्थान का समर्थन करेगी और उन्हें वापस पटरी पर लाएगी।

आपको बता दें कि पिछले साल अगस्त में सत्ता गंवाने के बाद अवामी लीग एक बार फिर से पैरों पर खड़ा होने की कोशिश करने लगी है, जिसने मोहम्मद यूनुस के शासन को डरा दिया है।

ट्रम्प यूक्रेन जंग रोकने के लिए पुतिन से बात करेंगे

रूस बोला- पहले नाटो देश वादा करें कि यूक्रेन को मेंबरशिप नहीं देंगे

मॉस्को, 17 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूक्रेन जंग खत्म करने के लिए कल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करेंगे। अमेरिका के रूस के सामने 30 दिन के सीजफायर का प्रस्ताव रखा है।

ट्रम्प ने मीडिया से कहा कि हम यह हम देखना चाहते हैं कि क्या हम उस युद्ध को समाप्त कर सकते हैं। हो सकता है कि हम कर सकें, हो सकता है कि हम न कर सकें, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे पास मंगलवार को राष्ट्रपति पुतिन से बात करने का अच्छा मौका है। यूक्रेन राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की 30 दिन के सीजफायर प्रस्ताव पर

सहमत हैं। रूस ने भी सैद्धांतिक तौर पर सहमति जताई है, लेकिन राष्ट्रपति पुतिन का कहना है किसी भी समझौते पर साइन करने से पहले कुछ शर्तों को मानना होगा। रूसी उप विदेश मंत्री अलेक्जेंडर ग्रुश्को का कहना है कि हमें इस बात की ठोस गारंटी मिलनी चाहिए कि यूक्रेन न्यूट्रल पोजिशन में रहेगा, नाटो देशों यह वादा करना होगा कि वो यूक्रेन को मेंबरशिप नहीं देंगे। उन्होंने कहा- इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि नाटो फोर्सेज किस लेबल के तहत यूक्रेनी इलाके में तैनात की गई हैं। ट्रम्प ने पिछले शुक्रवार को कहा था कि यूक्रेन जंग रोकने लिए राष्ट्रपति पुतिन से अच्छी बात हुई थी। उन्होंने कहा कि ऐसी उम्मीद है कि ये जंग बहुत जल्दी खत्म हो जाएगी। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, हमारी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बहुत अच्छी और सार्थक बातचीत हुई, और इस भयानक युद्ध के अंत की बहुत अच्छी संभावना है। ट्रम्प ने लिखा कि हजारों यूक्रेनी सैनिक पूरी तरह से रूसी सेना से घिरे हुए है, वो बहुत ही खराब और असुरक्षित स्थिति में हैं।

अमेरिकी इंटेलिजेंस हेड बोलीं-भारत में पाक समर्थित हमले इस्लामी आतंक

इससे दुनिया पर खतरा, ट्रम्प ने इस्लामी आतंकवाद से लड़ने का वादा किया है

वाशिंगटन, 17 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी नेशनल इंटेलिजेंस की हेड तुलसी गबार्ड ने भारत में लगातार हो रहे पाकिस्तान समर्थित आतंकी हमलों को इस्लामी आतंक बताया है। उन्होंने कहा- ये आतंक भारत और अमेरिका समेत कई मिडिल ईस्ट देशों के लिए भी खतरा बनता जा रहा है। उन्होंने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प मुस्लिम आतंकवाद से निपटने के अपने वादे पर कायम हैं। तुलसी रायसीना डायलॉग में शामिल होने के लिए भारत आई हैं।

तुलसी ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इस्लामी आतंक से

लड़ने के अपने वादे को लेकर बहुत क्लियर हैं। इस आतंक ने हमें घेर लिया है और लगातार अमेरिकी लोगों पर खतरा बना हुआ है। ये भारत, बांग्लादेश में लोगों को प्रभावित करता रहा है और मौजूदा समय में सीरिया, इजराइल और मिडिल ईस्ट के कई देशों में लोगों पर असर डाल रहा है। मुझे पता है पीएम मोदी इस खतरे को बहुत गंभीरता से लेते हैं। दोनों नेता इस खतरे को पहचानने और इसे हराने के लिए मिलकर काम करेंगे।

राजनीति छोड़ न्यूज चैनल का हिस्सा बनीं तुलसी 2016 के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार थीं। बाद में उन्होंने हिलेरी क्लिंटन की जगह बर्नी सेंडर्स का समर्थन किया था। वह 2020 में भी राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी की दौड़ में शामिल रहीं। बाद में उन्होंने बाइडेन का साथ दिया।

2022 में पार्टी छोड़ने के बाद तुलसी ने फॉक्स न्यूज को जॉइन कर लिया था। वह वहां कई शो में को-होस्ट के तौर पर नजर आईं। तुलसी ने 2022 के चुनाव में कई रिपब्लिकन उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार किया।

भारतवंशी नहीं हैं तुलसी गबार्ड

तुलसी को उनके नाम की वजह से कई बार भारतवंशी कहा जाता है। हालांकि वे भारतवंशी नहीं हैं। वे खुद कई बार ऐसा कह चुकी हैं। तुलसी का जन्म एक समोअन अमेरिकी परिवार में हुआ था। उनके पिता कैथोलिक थे।

'स्थिति खराब हो सकती है', बीजेपी एमएलए रेवंतराम डांगा ने सीम को लिखा पत्र

हनुमान बेनीवाल पर लगाए आरोप

नागौर, 17 मार्च (एजेंसियां)। नागौर जिले के खींवसर से विधायक रेवंतराम डांगा का मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लिखा पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गत 30 जनवरी को लिखे गए पत्र में विधायक की पीड़ा सामने आई है। उन्होंने पत्र में लिखा कि हनुमान बेनीवाल दोनों पार्टियों में सांठ-गांठ करके नागौर जिले में राजनीति करते हैं। ऐसा हाल रहा तो आगामी पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा की स्थिति अत्यधिक खराब हो सकती है।

विधायक रेवंत डांगा ने पत्र में लिखा कि 'विधानसभा क्षेत्र खींवसर में तहसीलदार, नायब तहसीलदार, बाल विकास परियोजना अधिकारी, उप रजिस्ट्रार, ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, विकास अधिकारी, मुख्य खण्ड शिक्षा अधिकारी, विद्युत विभाग के एईएन, जेईएन सहित अन्य विभागों के खण्ड स्तरीय अधिकारियों के स्थानान्तरण व पदस्थापन के लिए उन्होंने जो अनुशंषा की थी, उसके विपरीत राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) विचारधारा के अधिकारियों/कर्मचारियों को खींवसर विधानसभा क्षेत्र में लगाया गया है। इससे खींवसर के भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में भारी रोष है।

डांगा ने आरोप लगाते हुए पत्र में लिखा कि सर्विदित है कि आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल दोनों पार्टियों में सांठ-गांठ करके खींवसर सहित संपूर्ण नागौर जिले में अपनी राजनीति करते हैं। यही हाल रहा तो आगामी पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा की स्थिति अत्यधिक खराब हो सकती है। सूत्रों के अनुसार डांगा का पत्र सीएमओ से सम्पर्क पोर्टल पर डालकर नागौर जिला प्रशासन से वस्तुस्थिति की जानकारी मांगी गई थी, वहीं से वायरल हो गया।

लम्बे समय से नहीं हुए तबादले

रेवंतराम डांगा ने कहा कि खींवसर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस सरकार के समय लगे अधिकारियों व कर्मचारियों के तबादले लम्बे समय से नहीं हुए थे। पहले विधानसभा फिर लोकसभा और उसके बाद उप चुनाव के कारण तबादले नहीं हो पाए थे, इसलिए मैंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था।

'मोदी जी पॉडकास्ट करते हैं, प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं'

सचिन पायलट ने कसा तंज; बोले- डबल इंजन सरकार होने के बावजूद राजस्थान के लिए कुछ नहीं

दौसा, 17 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने आज प्रदेश और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। करौली जिले के हिण्डौन जाते समय जीरोता में रुके पायलट ने स्थानीय कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की और मीडिया से बातचीत के दौरान भजनलाल सरकार और केंद्र सरकार की योजनाओं पर सवाल उठाए।

सचिन पायलट ने कहा कि डबल इंजन सरकार होने के बावजूद केंद्र के बजट में राजस्थान के लिए कुछ भी नहीं रखा गया। उन्होंने कहा कि चार लाख रोजगार देने का वादा किया गया था, लेकिन अब तक पूरा नहीं हुआ। SC/ST छात्रों की छात्रवृत्ति पेंडिंग पड़ी है, जो उनके साथ अन्याय है। सरकार असमंजस और खींचतान में फंसी हुई है। उन्होंने राजस्थान

विधानसभा के गतिरोध पर भी भजनलाल सरकार को कटघरे में खड़ा किया।

पीएम मोदी के पॉडकास्ट पर पायलट का तंज

केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए पायलट ने कहा कि अमेरिका भारत के व्यापारियों, किसानों और नागरिकों पर टैरिफ लगाना चाहता है, लेकिन मोदी जी इस पर एक शब्द भी नहीं बोलते। चीन हमारी जमीन कब्जा रहा है और सरकार मित्रता की बात कर रही है। मित्रता होनी चाहिए, लेकिन हमारे आर्थिक हितों की रक्षा करना प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी है।"

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बहुत पॉडकास्ट करते हैं, रेडियो पर आते हैं, लेकिन प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करते और मणिपुर जाने से भी बचते हैं।

कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की तैयारी

सचिन पायलट ने कहा कि यह वर्ष कांग्रेस संगठन को मजबूत करने का वर्ष है। उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक में संगठन को मजबूत करने के लिए रणनीति बनाई गई है। ब्लॉक और जिला स्तर पर कांग्रेस को और सशक्त करने के लिए नए अध्यक्ष नियुक्त किए जाएंगे। आने वाले 8 महीनों में कांग्रेस को और सक्रिय किया जाएगा।

जल जीवन मिशन में 55 करोड़ का फर्जीवाड़ा, कैसे हो जांच?

जब अधिकारी ही डाल रहे पर्दा; मंत्री बोले - 'हर हाल में होगी जांच'

जयपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। जलदाय विभाग की पेयजल परियोजनाओं में इंजीनियर और ठेकेदारों की मिलीभगत से हुए 55 करोड़ के फर्जीवाड़े पर जांच अधिकारी ही पर्दा डाल रहे हैं। परियोजनाओं में भ्रष्टाचार और घटिया सामग्री के उपयोग की जांच में विजिलेंस और गुणवत्ता विंग की तीन कमेटियां ही जांच में हीलाहवाली कर रही है।

कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुए करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार की जांच विंग में तैनात इंजीनियर ही जांच से पिंड छुड़ाना चाहते हैं। उन्हें मालूम है कि जांच हुई तो 150 इंजीनियरों पर गाज गिर सकती है। मामले में जल कनेक्शन किए बिना जन जीवन मिशन (जेजेएम) पोर्टल पर फर्जी एंट्री कर श्री श्याम ट्यूबवेल व गणपति ट्यूबवेल कंपनी को 55 करोड़ का भुगतान करने का आरोप है। इससे पहले भी जयपुर, अलवर, कोटपूतली, बहरोड़, नीमकाथाना में अनियमित भुगतान की जांच के लिए क्रॉस रीजन कमेटियों ने 10 प्रतिशत जांच कर मामले को दबा दिया था।

इंजीनियर लॉबी का दबाव

श्रीश्याम और गणपति ट्यूबवेल कंपनी ने पांच जिलों में इरकॉन कंपनी का फर्जी प्रमाण-पत्र लगा कर 900 करोड़ के टेंडर लिए। जानकारों का कहना है कि सीनियर इंजीनियरों के दबाव के चलते कमेटियों में शामिल विजिलेंस और गुणवत्ता विंग के इंजीनियर जांच कमेटियों से ही निकलना चाहते हैं।

जांच से कन्नी काट रहे इंजीनियर

भुगतान में भ्रष्टाचार की जांच के लिए 31 जनवरी 2025 को विजिलेंस और गुणवत्ता नियंत्रण विंग में तैनात इंजीनियरों की तीन कमेटियां बनाई गई। कमेटियों को 15 जनवरी तक रिपोर्ट अतिरिक्त मुख्य सचिव को देनी थी। अधीक्षण अभियंता केके अग्रवाल, अधिशासी अभियंता प्रदीप गुप्ता और अधीक्षण अभियंता विश्वजीत नागर की अध्यक्षता में बनी तीनों कमेटियों ने एक माह बाद भी रिपोर्ट नहीं सौंपी है। वहीं कमेटी में शामिल इंजीनियरों अब इसकी जांच से पीछा छुड़ाना चाह रहे हैं।

ऐसे हुआ फर्जी भुगतान

जेईएन और एईएन ने बिना काम और मौके पर पाइप नहीं होने पर भी माप पुस्तिका में गलत एंट्री कर दोनों फर्मों को भुगतान करवा दिया। फर्मों को 55 करोड़ के फर्जी भुगतान के मामले में 150 इंजीनियरों को नोटिस जारी

कर जबाव मांगा गया था। इंजीनियरों के जबाव का तीन कमेटियां जांच कर रही हैं कि फील्ड इंजीनियरों ने गलत भुगतान किया या नहीं। इन कमेटियों की रिपोर्ट के आधार पर ही कार्रवाई संभावित हैं।

जांच कहां तक पहुंची, लेंगे जानकारी

कांग्रेस सरकार के समय जेजेएम में हुई वित्तीय अनियमिताओं की जांच हर हाल में होगी। अभी विधानसभा सत्र भी चल रहा है और इस वजह से भी हमारे अधिकारी व्यस्त थे 55 करोड़ के अनियमित भुगतान मामले में गठित तीनों कमेटियों की जांच कहां तक पहुंची इसकी जानकारी सोमवार को अधिकारियों से ली जाएगी।

भारत-पाक बॉर्डर पार कर राजस्थान में घुसी महिला

वापस पाकिस्तान लौटने से किया इनकार; बोलीं- मुझे जान से मार देंगे

श्री गंगानगर, 17 मार्च (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित विजेता पोस्ट पर एक पाकिस्तानी महिला के भारतीय सीमा में प्रवेश का मामला सामने आया है। अलसुबह करीब 5 बजे यह महिला तारबंदी पार कर भारतीय क्षेत्र में आ गई, जिसके बाद सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस उपाधीक्षक प्रशांत कौशिक ने बताया कि यह मामला विजेता पोस्ट का है। सुबह करीब 5 बजे पाकिस्तानी महिला ने तारबंदी पार कर भारतीय सीमा में प्रवेश किया। लेकिन, विजेता चौकी पर तैनात जवानों ने महिला को पकड़ लिया। महिला से पूछताछ के साथ ही उसके मोबाइल की की जांच की जा रही है। महिला ने अपना नाम हुमारा

बताया है। वह बलूचिस्तान के केच जिले के दगरी खान गांव की रहने वाली है। महिला की उम्र करीब 32 साल है। सूत्रों के अनुसार जब जवानों ने महिला को वापस जाने के लिए कहा तो उसने पाकिस्तान लौटने से इनकार कर दिया। महिला का कहना है कि अगर वो दोबारा पाकिस्तान गई तो उसे जान से मार देंगे।

अभी तक BSF अधिकारियों ने महिला को पुलिस के सुपुर्द नहीं किया है। उन्होंने कहा कि महिला से पूछताछ जारी है और सुरक्षा एजेंसियां इसकी विस्तृत जांच में जुटी हुई हैं। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि उसका भारत आने का उद्देश्य क्या था और उसके किसी संदिग्ध संगठन से संबंध हैं या नहीं।

टीकाराम जूली के बयान पर जोगाराम पटेल का पलटवार

कहा- 'कुछ लोगों की आदत होती है बैंड बजाने की'

जोधपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में हुए उपचुनाव और राजनीतिक घटनाक्रमों पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बयान का कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर में जवाब दिया। उन्होंने कहा, ₹कुछ लोगों की आदत होती है बैंड बजाने, गमछा हिलाने और ईंट से ईंट बजाने की। लेकिन इसका परिणाम सभी के सामने है, चाहे राजस्थान हो या उपचुनाव की तीन सीटें। किसकी बैंड बजी, किसका गमछा हिला, यह जनता जानती है। महाराष्ट्र, हरियाणा या दिल्ली हर जगह नतीजे स्पष्ट हैं। हाल ही में हुए नगर निकाय और पंचायत चुनावों में भी सब कुछ साफ हो गया है।₹

जोधपुर दौरे पर क्या बोले मंत्री जोगाराम पटेल?

कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल जोधपुर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने जनसुनवाई की और अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों को होली और रमज़ान की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा, ₹राजस्थान में दोनों त्योहार प्रेम और भाईचारे के साथ मनाए गए। सभी ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। सरकार ने भी व्यवस्था सुनिश्चित की, जिसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार। मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर भी आमजन के साथ बधाइयों और रंग-गुलाल का कार्यक्रम किया, जिससे पूरे प्रदेश में सौहार्दपूर्ण माहौल बना। मैं कामना करता हूँ कि यह प्रेम और भाईचारा यूं ही बना रहे।₹

मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक बजट दिया

पटेल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने लगातार दो ऐतिहासिक बजट दिए हैं। उन्होंने कहा, ₹बीते तीन दिनों में हजारों ग्रामवासी मुख्यमंत्री का आभार जताने आ रहे हैं। सरकार विकास कार्यों को लेकर प्रतिबद्ध है। हम 'विकसित और समृद्ध राजस्थान 2047' के संकल्प को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।₹

टीकाराम जूली पर साधा निशाना

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पटेल ने कहा, ₹शब्दों के चयन में सावधानी बरतनी चाहिए। यह हमारी संस्कृति नहीं कि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री या प्रदेश अध्यक्ष के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया जाए। हमने पांच साल तक देखा कि कुछ लोग होटलों में बैठकर राजनीति कर रहे थे और कुर्सी की खींचतान में लगे थे, लेकिन फिर भी जनता ने उन्हें नकार दिया। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है 'राजस्थान का विकास, जनता की सेवा और प्रदेश को समृद्ध बनाना।'

'विस चुनाव में मेरी गलती रही जो स्टैंड नहीं ले पाया' : कांग्रेस प्रदेश प्रभारी रंधावा

जयपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बदलने की चर्चाओं को अफवाह बताया है। उन्होंने कहा कि गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे पहले जब भी कांग्रेस विपक्ष में रही, उसका प्रदर्शन कमजोर रहा, लेकिन इस बार पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया और उत्तर भारत में सबसे ज्यादा सीटें जीतीं। रंधावा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और डोटासरा अच्छा काम कर रहे हैं और संगठन को आगे बढ़ा रहे हैं। इसलिए बदलाव की कोई बात नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष और डोटासरा में कोई नाराजगी नहीं

रंधावा ने यह भी साफ किया कि टीकाराम जूली और डोटासरा के बीच कोई मतभेद नहीं है। विधानसभा सत्र के दौरान हुई घटनाओं पर दोनों लगातार उन्हें जानकारी दे रहे थे। जूली द्वारा माफी मांगने का फैसला भी डोटासरा की सहमति से लिया गया था। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस मजबूत है, लेकिन कुछ सीटों पर पार्टी कमजोर रही। इन इलाकों में संगठन को मजबूत करने की जरूरत है।

संगठन को मजबूत करने पर जोर

बैठक में पूर्व डिप्टी सीएम और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि यह साल संगठन को मजबूत करने का है। हमें कार्यकर्ताओं को ताकत देनी होगी ताकि आने वाले छोटे चुनावों में कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन कर सके। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि बूथ स्तर पर वोटों की गणित समझनी होगी। हमें यह जानना होगा कि हमें कहां से समर्थन मिला और कहां नहीं, ताकि वोट बैंक बढ़ाने की दिशा में काम किया जा सके।

सीआरपीएल जवान ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

सीकर, 17 मार्च (एजेंसियां)। सीकर जिले के श्रीमाधोपुर थाना क्षेत्र में होली की छुट्टी पर घर आए एक सीआरपीएफ जवान द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। जवान ने अपने नए मकान में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। घटना का पता उस समय चला जब उसका छोटा भाई उसे देखने घर पहुंचा। मृतक जवान की पहचान प्रहलाद राय वर्मा (45) निवासी नांगल-भीम के रूप में हुई है। वह सीआरपीएफ में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात थे और वर्तमान में अजमेर में अपनी ड्यूटी कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, शनिवार को वह श्रीमाधोपुर स्थित अपने नए मकान में गए थे, लेकिन घर नहीं लौटे। जब उनके छोटे भाई लोकेश ने उन्हें ढूंढने की कोशिश की, तो घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला। कई बार आवाज लगाने के बावजूद जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद लोकेश अपने गांव नांगल-भीम वापस गया और घर की दूसरी चाबी लेकर दोपहर 2 बजे श्रीमाधोपुर पहुंचा। जब दरवाजा खोला गया तो प्रहलाद राय वर्मा का शव फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना तुरंत परिजनों और पुलिस को दी गई। श्रीमाधोपुर थाना पुलिस दोपहर 3 बजे मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर श्रीमाधोपुर सीएचसी की मॉर्च्युरी में रखवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। परिजनों के अनुसार, प्रहलाद राय वर्मा ने साल 2001 में सीआरपीएफ जॉइन किया था। वह छह भाइयों में सबसे बड़े थे और वर्तमान में अजमेर में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रह रहे थे। प्रहलाद राय वर्मा की शादी साल 2002 में पटवारी का बास निवासी सुशीला से हुई थी।

कानोड़ की इलेक्ट्रिक शॉप से 1.57 करोड़ के जेवर और नकदी ले गए चोर, सीसीटीवी में दिखे चार संदिग्ध

उदयपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। उदयपुर के कानोड़ बस स्टैंड पर अनुपम इलेक्ट्रिक में शनिवार देर रात बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। दुकान से करीब 1.57 करोड़ रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और ढाई लाख रुपये नकद चोरी हो गए। चोर दुकान में रखी हिसाब-किताब की डायरी भी अपने साथ ले गए।

पुलिस जांच में सामने आया कि दुकान के सामने से चार संदिग्ध व्यक्ति भागते हुए नजर आए हैं। दुकानदार लक्ष्मीलाल मेहता ने बताया कि वह जेवर गिरवी रखकर पैसे उधार देने का काम करता है। लक्ष्मीलाल मेहता हमेशा की तरह शनिवार शाम 6:30 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। सुबह 4 बजे पड़ोसी दुकानदार कार्तिक लक्षकार ने सूचना दी कि दुकान का शटर खुला पड़ा है। जब वे मौके पर पहुंचे तो देखा कि एक शटर खुला था, लेकिन टूटा हुआ नहीं था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि चोरों ने इसे बेहद शातिर तरीके से खोला होगा। द ुकान के अंदर जाने पर मेहता ने देखा कि लॉकर भी टेक्निकल तरीके से खोला गया था। इसमें रखे ढाई लाख रुपये कैश, 150 किलो चांदी और 20 तोला सोने की ज्वेलरी गायब थी।

मौजूदा बाजार मूल्य के अनुसार इनकी कुल कीमत 1.54 करोड़ रुपये आंकी गई है। सूचना मिलते ही कानोड़ थानाधिकारी मुकेश कुमार मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है। पुलिस ने घटनास्थल के पास खड़ी एक संदिग्ध बाइक को जब्त किया है। भींडर थानाधिकारी पुनाराम गुर्जर भी जांच में जुटे हैं।

दुकानदार लक्ष्मीलाल मेहता का कहना है कि उनकी दुकान पर 100 से अधिक गांवों के लोग आते हैं और गिरवी रखकर पैसे लेते हैं। इस चोरी में न सिर्फ जेवर और नकदी बल्कि ग्राहकों का पूरा हिसाब-किताब भी चोरी हो गया है, जिससे आगे परेशानी हो सकती है।

वन रक्षक परीक्षा: दोस्त के कमरे पर मंगवाया पेपर, 5-5 लाख रुपए में बेचा; गर्लफ्रेंड को भी दिया

जयपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 पेपर लीक मामले में तीन आरोपियों को और गिरफ्तार किया है। 25 हजार का इनामी आरोपी हीराराम उर्फ हरीश सारण ने एसओजी की पूछताछ में तीनों के बारे में जानकारी दी। एडीजी वी.के. सिंह ने बताया कि बाड़मेर के गुड़ामलानी स्थित बांटा निवासी कंवराराम जाट, गुड़ामलानी निवासी सांवलाराम जाट व जालौर के भीनमाल निवासी रमेश कुमार जाणी को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि कंवराराम ने उदयपुर पुलिस लाइन के पीछे स्थित कॉलोनी में सांवलाराम के किराए के लिए मकान पर वन रक्षक भर्ती परीक्षा का 13 नवंबर 2022 को दोनों पारियों का सॉल्वड लीक पेपर प्राप्त किया। यह पेपर मुख्य आरोपी झबराराम जाट के मोबाइल से मिला था। बाद में प्रिंटर मंगवाकर पेपर का प्रिंट निकाला और हैंडलर्स के जरिए अभ्यर्थियों को 5-5 लाख रुपए में पढ़ाया। आरोपी सांवलाराम ने उदयपुर के केंद्र पर परीक्षा दी और गर्लफ्रेंड शारदा मीणा को भी द्वितीय पारी का पेपर पढ़ाकर परीक्षा दिलवाई।

एडीजी सिंह ने बताया कि आरोपी रमेश कुमार जाणी पहले पकड़े गए आरोपी हीराराम का भांजा है, जो शराब व बायोडीजल की तस्करी करता है। आरोपी रमेश ने पेपर पढ़ाने के बाद हीराराम के मोबाइल को उदयपुर में सांवलाराम के भाई की दुकान पर और फिर जोधपुर में दोस्त के घर पर रखवाया था। वहीं हीराराम की कार को भी साथ ले गया था।

20 मार्च तक रिमांड पर आरोपी

गिरतार तीनों आरोपियों ने उदयपुर व राजसमंद के परीक्षा केंद्रों पर 15 अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले वन रक्षक भर्ती परीक्षा 2020 की दोनों पारियों का सॉल्वड लीक पेपर पढ़ाया था। तीनों आरोपी 20 मार्च तक एसओजी की रिमांड पर हैं। अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

औरंगजेब कब्र विवाद

नागपुर में पथराव–आगजनी

वीएचपी ने औरंगजेब का पुतला फूंका, इसके बाद हिंसा गाड़ियों में तोड़फोड़, डीसीपी समेत कई घायल

नागपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। औरंगजेब कब्र विवाद में महाराष्ट्र के नागपुर के महाल इलाके में सोमवार शाम दो पक्षों में हिंसा हो गई। विश्व हिंदू परिषद ने औरंगजेब का पुतला फूंका था, इसके बाद हिंसा भड़क गई।

अधिकारियों ने बताया– अफवाह फैली कि प्रदर्शनकारियों ने पुतले के साथ एक धार्मिक पुस्तक जलाई है। इससे दो पक्षों में पथराव हुआ। कई गाड़ियों में तोड़फोड़ हुई। दो जेसीबी में आग लगाई गई। पुलिस ने बवाल कर रहे लोगों को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले भी छोड़े हैं। घटना में डीसीपी, पुलिसकर्मी समेत चार लोग घायल हुए हैं। फिलहाल इलाके में शांति है। भारी पुलिस बल तैनात है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोगों से प्रशासन का पूरा सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा– हम लगातार पुलिस–प्रशासन के संपर्क में हैं। नागपुर एक शांतिपूर्ण शहर है। किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें। नागपुर डीसीपी अर्चित चांडक ने कहा– गलतफहमी के कारण यह घटना हुई है। स्थिति कंट्रोल में है। सभी से अपील है कि बाहर न निकलें। पत्थरबाजी न करें। कुछ पुलिस कर्मी घायल हुए हैं। मेरे पैर में भी हल्की चोट आई।

गोदावरी की स्थिति को उजागर करने 'महा पदयात्रा'

पेद्दापल्ली, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कोरुकंती चंद्र ने गोदावरी नदी की दयनीय स्थिति और कालेश्वरम परियोजना के महत्व के बारे में जनता को समझाने के लिए 'महा पदयात्रा' शुरू की। इस आंदोलन का उद्देश्य राज्य सरकार की लापरवाही को उजागर करना भी है। चंदर ने गोदावरीखानी शहर के बाहरी इलाके में गोदावरी नदी के तट पर भगवान शिव और समक्का–सरक्का देवी की पूजा करके पदयात्रा शुरू की।

180 किमी की पदयात्रा 22 मार्च को पेद्दापल्ली, सुल्तानाबाद, करीमनगर, बेजेंकी, सिद्दीपेट, कोमुरावेली और प्राग्नापुर से होते हुए एर्रावल्ली पहुंचेगी। शनिवार को वे बीआरएस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से मुलाकात करेंगे और किसानों की समस्याओं पर उनसे चर्चा करेंगे। उद्घाटन कार्यक्रम में पेद्दापल्ली और मंचेरियल जिलों के बीआरएस नेताओं ने भाग लिया।

सांसद अरुणा के घर पहुंचे पुलिस आयुक्त

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद, पश्चिमी क्षेत्र के डीसीपी एस.एम. विजय कुमार और एसीपी वेंकटगिरी के साथ सोमवार को भाजपा सांसद डी.के. अरुणा के जुबली हिल्स स्थित आवास पर पहुंचे, जहां रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति ने घुसपैठ की थी। अधिकारियों ने छत, बगीचे और रसोई सहित स्थान की जांच की और चोर के घर में घुसने और जाने के तरीके और मार्गों की पुष्टि की। बाद में, भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, यह सुनिश्चित करने के लिए आवास पर अतिरिक्त पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था की गई।

रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति महबूबनगर से सांसद अरुणा के घर में घुस आया और करीब दो घंटे तक परिसर में रहा। हालांकि, उस समय अरुणा घर में मौजूद नहीं थीं और आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए महबूबनगर गई हुई थीं। पुलिस को घर से सीसीटीवी फुटेज मिली है, जिसमें दस्ताने और मास्क पहने एक व्यक्ति घर में घूमता हुआ दिखाई दे रहा है। वह करीब एक घंटे तक रसोई में रहा। जुबली हिल्स पुलिस जांच कर रही है।

नारायण मूर्ति ने सीएम रेवंत से मुलाकात की

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म अभिनेता और पीपुल्स स्टार आर. नारायण मूर्ति ने सोमवार को यहां मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आर. नारायण मूर्ति को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। नलगोंडा के सांसद कुंदुरू रघुवीर रेड्डी भी मौजूद थे। तेलंगाना सरकार ने अप्रैल में गद्दर के नाम पर राज्य फिल्म पुरस्कार देने का फैसला किया है। आर. नारायण मूर्ति गद्दर पुरस्कारों के लिए दिशा–निर्देश, नियम और लोगो तैयार करने के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित समिति के सलाहकार हैं। इस संदर्भ में उनकी मुलाकात महत्वपूर्ण हो गई है।

महंगे आई फोन की तस्करी करने वाला गिरोह पकड़ा गया

पांच महिलाएं दस सेलफोन के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस चौकी ने पांच महिलाओं के एक समूह को पकड़ा। महिलाएं कस्टम अधिकारियों को बताए बिना कुल 10 महंगे आईफोन की तस्करी करने का प्रयास कर रही थीं। ये महिलाएं फ्लाइट संख्या 6ई–1496 से रस–अल–खैमाह (यूएई) से हैदराबाद आ रही थीं, जो सोमवार को सुबह लगभग 7:30 बजे राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर उतरी। यह ऑपरेशन जे. बलाराजू, एसएचओ आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस चौकी और उनके कर्मचारियों के नेतृत्व में एसीपी, शमशाबाद, केएस राव की प्रत्यक्ष निगरानी में किया गया। के. रामकुमार, एडिशनल डीसीपी शमशाबाद जोन और आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस चौकी के सावधानीपूर्वक समन्वय के कारण मामले का खुलासा हुआ। अधिकारियों को सुबह 7:00 बजे के आसपास विश्वसनीय सूचना मिली और उन्होंने तुरंत उड़ान के आगमन की निगरानी के लिए पर्याप्त महिला कर्मियों सहित एक टीम तैनात की। अंतर्राष्ट्रीय आगमन निकास क्षेत्र में संदिग्ध सामान के साथ पांच महिलाओं को देखने पर, अधिकारियों ने पता लगाया कि वे पहचान से बचने के लिए वैकल्पिक मार्ग लेने का प्रयास कर रही थीं। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई से महिलाओं को पकड़ लिया गया,

जिन्हें आगे की पूछताछ के लिए पास के केबिन में ले जाया गया। जांच करने पर, महिलाओं को उनके सामान में छिपाकर कुल 10 आई फोन ले जाते हुए पाया गया। उनके प्रत्येक हैंडबैग में दो फोन पाए गए, साथ ही उनके दो चेक–इन बैगेज में 10 अतिरिक्त फोन बॉक्स छिपे हुए थे। पूछताछ करने पर, महिलाएं कोई खरीद रसीद या वैध स्वामित्व का प्रमाण नहीं दे सकीं। आगे की जांच से पता चला कि फोन को रस–अल–खैमाह से लगभग 90 हजार रुपये प्रति फोन की छूट पर खरीदा गया था, जिसका उद्देश्य उन्हें भारत में अधिक कीमत पर बेचना था, जिससे करों की चोरी हो और भारत सरकार को धोखा दिया जा सके। इस अवैध गतिविधि में शामिल महिलाओं की पहचानरिजवाना बेगम, सबा खानम, उमर बेगम, सुरिया खानम, लेय्यून्निसा के रूप में हुई। जब्त किए गए फोन और उनके संबंधित बॉक्स को सबूत के तौर पर सुरक्षित कर लिया गया है। तस्करी किए गए सामान के कुल मूल्य की जांच की जा रही है। डीसीपी शमशाबाद जोन, साइबराबाद पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ करों की चोरी और देश में सामान की तस्करी करने के लिए कानूनी कार्रवाई की जा रही है। आरजीआईए पीएस में बीएनएस की धारा 318(4) और 112(1) के तहत मामला संख्या 243/2025 दर्ज किया गया है। जांच अभी चल रही है और मामले में शामिल व्यक्तियों से पूछताछ की जाएगी। कानून के प्रावधानों के अनुसार उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साइबराबाद पुलिस अवैध तस्करी गतिविधियों से निपटने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि इस तरह के उल्लंघनों से तेजी से और कानून के अनुसार निपटा जाए। आगे की जांच जारी है और भविष्य में इस तरह की अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए अतिरिक्त उपाय किए जाएं।

संगारेड्डी में इंदिराम्मा आवास में प्राथमिकता की मांग

दिव्यांग व्यक्तियों ने किया प्रदर्शन

संगारेड्डी, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्यांग व्यक्तियों ने सोमवार को संगारेड्डी कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि सरकार उन्हें प्राथमिकता के आधार पर इंदिराम्मा आवास आवंटित करे। एसोसिएशन के मानद अध्यक्ष ए माणिक ने कहा कि अधिकांश विकलांग गरीब हैं और उनके पास अपना घर नहीं है। उन्होंने सरकार से विकलांगों को मनरेगा जॉब कार्ड प्रदान करने के अलावा हर साल 160 दिन का काम देने का भी आग्रह किया क्योंकि इनमें से अधिकांश विकलांग व्यक्तियों को कोई काम नहीं मिल पाता है। बाद में उन्होंने कलेक्टर वल्लूरु क्रान्ति को अपनी शिकायत प्रस्तुत की।

नौवीं कक्षा की छात्रा ने की आत्महत्या

निर्मल, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भैंसा में आत्महत्या करने वाले एक युवा छात्र के परिवार के सदस्यों ने सोमवार को न्याय की मांग और आत्महत्या के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर बस स्टैंड के सामने धरना दिया। फुलेनगर में एक निजी स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली कोमल (13) ने रविवार को कथित तौर पर फांसी लगा ली। उसके माता–पिता और परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि कोमल को इसलिए आत्महत्या करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि वह कॉलोनी के एक युवक द्वारा उत्पीड़न सहन करने में असमर्थ थी। उन्होंने उसकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। जब पुलिस ने उन्हें घटना की जांच का आश्वासन दिया तो उन्होंने अपना विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया। पुलिस ने बताया कि शोभा की शिकायत के आधार पर फुलेनगर निवासी अन्वेष के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है।

हिरासत में लिए गए बीआरएस विद्यार्थी कार्यकर्ता

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने कई बीआरएस विद्यार्थी कार्यकर्ताओं को उस समय हिरासत में ले लिया जब उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा परिसर में किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने के आदेश के विरोध में तेलंगाना विधानसभा का घेराव करने का प्रयास किया। राज्य अध्यक्ष जी श्रीनिवास यादव, टी बालू और अन्य के नेतृत्व में बीआरएसवी कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए विधानसभा भवन में घुसने की कोशिश की।

पेंटर ने संतोषनगर में की खुदकुशी

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। निजी समस्याओं के कारण रविवार रात संतोषनगर स्थित अपने घर में एक पेंटर ने आत्महत्या कर ली। संतोषनगर के आरएन कॉलोनी निवासी वल्लू अरुण (45) अपने दो बच्चों– बेटी खुशी (4) और बेटे तरुण के साथ रहते थे। उनकी पत्नी ने डेढ़ साल पहले पारिवारिक कारणों से आत्महत्या कर ली थी। उसकी मौत के बाद अरुण शराब पीने लगा और बच्चों की उपेक्षा करने लगा। इस स्थिति में उसकी बहन गोकले शैलजा ने पास में ही एक कमरा किराए पर ले लिया और अरुण और उसके बच्चों की देखभाल करने लगी। संतोषनगर के उपनिरीक्षक पी मणिकांत राजू ने बताया कि रविवार को अरुण ने घर में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

करदाताओं को एकमुश्त ब्याज माफी की पेशकश : के. हरिता

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त, वाणिज्यिक कर, तेलंगाना के. हरिता ने सभी करदाताओं से 31 मार्च, 2025 तक कर मांगों का भुगतान करके सरकार द्वारा पेश की जा रही एकमुश्त ब्याज और माफी योजना का लाभ उठाने की अपील की। उद्योग के सदस्यों, अधिवक्ताओं, सीए, सीएमए और कर पेशेवरों सहित 300 से अधिक प्रतिनिधियों की एक सभा को संबोधित करते हुए वाणिज्यिक कर आयुक्त ने उन्हें चार वित्त वर्षों 2017–18 से 2020–21 के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई ब्याज माफी योजना के लाभों के बारे में बताया और उनसे योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया क्योंकि ब्याज और जुर्माने की पूरी छूट के लिए केवल पूर्ण कर मांग का भुगतान ही पर्याप्त है। योजना का लाभ उठाने के लिए, करदाताओं को अन्य शर्तों के अधीन 31 मार्च, 2025 तक कर मांग का भुगतान करना होगा। हरिता ने करदाताओं से आग्रह किया कि वे बड़ी संख्या में आगे आएं जहां इन वर्षों के लिए कर मांगें बकाया हैं और अंतिम समय की भीड़ के कारण होने वाली तकनीकी गड़बड़ियों से बचने के लिए जल्द से जल्द कर मांगों का भुगतान करें।

फोलर वी. राठौड ग्रूप्स द्वारा रंगारंग होली और गणगौर महोत्सव कार्यक्रम में–एलएनसी कन्वेन्शन सेंटर, पिल्लर नं.268, अत्तापुर, हैदराबाद में फोलर वी. राठौड ग्रूप्स द्वारा होली और गणगौर महोत्सव कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन करते हुए अशोक कल्पना बरमेचा, नाराय़ण एवं सुरेंद्र राठौड का सम्मान करते हुए राजकुमार बिहानी, रणजीत सिंह तथा कार्यक्रम संरक्षक राकेश कुण्डलिया, कार्यक्रम संचालक दिलीप डागा एवं कार्यक्रम में धमाल प्रस्तुतकर्ता डा. संजय मुकुंदगढ सहित उपस्थित फोलर के असंख्य सदस्यगण । उपरोक्त महोत्सव कार्यक्रम का प्रतिनिधित्व नारायण सिंह राठौड एवं सुरेन्द्र सिंह राठौड ने किया है।

सिकंदराबाद रेलवे सुरक्षा बल ने दलाल को पकड़ा

75,000 रुपये के रेलवे टिकट किए जब्त

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), सिकंदराबाद डिवीजन ने रविवार को रेलवे यात्रा टिकट बेचने के आरोप में एक दलाल को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने उसके पास से 75,000 रुपये मूल्य के तीन ई–टिकट जब्त किये। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के अधिकारियों ने यात्रियों को दलालों से टिकट खरीदने या ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा करने के प्रति आगाह किया है।

एससीआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस तरह की अवैध गतिविधि पर नजर रखने और यात्रियों को बचाने के लिए दलालों को पकड़ने और बिना टिकट यात्रा को नियंत्रित करने के लिए एक विशेष अभियान नियमित रूप से चलाया जा रहा है।

दिलसुखनगर स्थित होली महोत्सव के अवसर पर रेखाकंवर–शंकरसिंह राजपुरोहित के दोयता धैर्य राज सुपुत्र वनिताकंवर–दर्शनसिंह के डोयटन कार्यक्रम में उपस्थित राजूसिंह, हीरसिंह, तेजसिंह सेवड़, महाजन बैंक चेयरमैन पारसमल रांका, वाईस चेयरमैन सुरेश संचेती, डायरेक्टर पारसमल कोठारी, जगदीश वर्मा, उत्तमचन्द अंकल, सुरेश कोठारी, श्वेता रांका, सीआईएसएफ सब–इंस्पेक्टर एयरपोर्ट चन्दनसिंह, लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह, सोहनसिंह, पृथ्वीसिंह, दिनेशसिंह, रुपसिंह राजपुरोहित, राजाराम, राजू सीरवी, व अन्य।

किसरा मंडल बंडलागुडा व चिरीयाला जोन स्थित श्री आईजी सेवा संघ में आदविक मुलेवा ढूंढोत्सव व डोयटन कार्यक्रम में उपस्थित समस्त सीरवी समाज गणमान्य पदाधिकारी भंगाराम मुलेवा, भंवरलाल मुलेवा सोहनलाल हाम्बड़ ,मांगीलाल काग, कालुराम काग, डायाराम लचेटा,प्रभुराम परिहारिया,तुलसाराम सिन्दडा, अर्जुनलाल बर्फा, किशनसिंह राठौड़, नारायणलाल परिहार, हुक्माराम सानपुरा, कालुराम काग चितल, मोतीलाल काग, ओमप्रकाश पंवार, गीरधारीलाल चोयल, मोतीलाल मादावत, भोमाराम चोयल,मलाराम चोयल, सुरेश सैणचा, नेमाराम हाम्बड़, जगदीश काग, मंगल मुलेवा, जगदीश सीरवी, बाबूलाल मुलेवा, पारसमल शर्मा, ओंकारलाल हाम्बड़ , बाबूलाल मुलेवा,गोपाराम ,लिकमाराम सोहनलाल, महेश , महेन्द्र, ओमप्रकाश,पुकराज ,कानाराम, मोहनलाल ,धर्मीचंद मुलेवा परिवार व समाज बन्धु।

अखिल भारतीय बैंक द्वारा 23 से 25 मार्च तक हड़ताल

हैदराबाद, 17 सोमवार(स्वतंत्र वार्ता)। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस(अखिल भारतीय बैंक) ने रविवार 23 मार्च की मध्य रात्रि से मंगलवार 25 मार्च की मध्य रात्रि तक अर्थात् निरंतर 2 दिन (48 घंटे) हड़ताल का आह्वान किया है।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस 9 बैंक यूनियनों का संयुक्त समन्वय निकाय है, जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, निजी क्षेत्र के बैंकों, विदेशी बैंकों, सहकारी बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के 8 लाख से अधिक कर्मचारियों और अधिकारियों का प्रतिनिधित्व करता है। इस दो दिवसीय हडताल में जो बैंक शामिल हैं उनमें अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ -एआईबीइए, अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ–एआईबीओसी, राष्ट्रीय बैंक कर्मचारी परिसंघ– एनसीबीई, अखिल भारतीय बैंक अधिकारी संघ– एआईबीओए, भारतीय बैंक कर्मचारी महासंघ -बीइएफआई, भारतीय राष्ट्रीय बैंक कर्मचारी महासंघ–आईएनबीओसी, भारतीय राष्ट्रीय बैंक अधिकारी कांग्रेस, एनओबीडब्ल्यू, बैंक कर्मियों का राष्ट्रीय संगठन एनओबीओ, बैंक अधिकारियों का राष्ट्रीय संगठन आदि शामिल हैं।

ऑटोमोबाइल चोर गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स (दक्षिण–पूर्व) जोन ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर सोमवार को चदरघाट में एक ऑटोमोबाइल चोर को पकड़ लिया और एक ऑटोरिक्शा बरामद किया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सैदाबाद निवासी बाइक टैक्सी चालक मोहम्मद हनीफ कुरैशी (23) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आसानी से पैसा कमाने की चाहत रखने वाले हनीफ ने 10 मार्च को न्यू मालकपेट के अकबरबाग में खड़ी एक ऑटोरिक्शा चुरा ली। वह उसे बेचकर उससे मिलने वाले पैसों को अपने खर्चों के लिए इस्तेमाल करने के मौके की तलाश में था। एक गुप्त सूचना के आधार पर टास्क फोर्स के अधिकारियों ने उसे चदरघाट के आजमपुरा 'एक्स' रोड पर नियमित वाहन जांच के दौरान पकड़ा। हनीफ ने ऑटोमोबाइल चोरी करना कबूल किया। उसके पास से चोरी का ऑटोरिक्शा जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति को जब्त वाहन के साथ आगे की कार्रवाई के लिए चदरघाट पुलिस को सौंप दिया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

ओबीसी समुदाय 42 ...

सदन के नेता के रूप में मैं आश्वासन दे रहा हूं कि सक्रिय कदम उठाऊंगा और 42 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण हासिल कराऊंगा। सभी दलों के नेताओं से अपील है कि वे एक साथ आएं और इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से मिलें। हम ओबीसी आरक्षण को 42 प्रतिशत बढ़ाने के लिए आवश्यक कानूनी सहायता भी लें। जब तक पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण नहीं मिल जाता हम शांत नहीं बैठेंगे। हम कामारेड्डी घोषणापत्र के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने विधान परिषद में कहा कि सरकार कर्ज के बोझ और अन्य कारणों से नकदी की कमी का सामना कर रही है। आरबीआई से 4,000 करोड़ रुपये का कर्ज लेने के बाद कर्मचारियों को वेतन दे रही है। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों से महंगाई भत्ते (डीए) और अन्य के भुगतान के संबंध में सहयोग की अपील की। हालांकि वेतन हर महीने की पहली तारीख को दिया जाएगा। सीएम ने कहा कि हर महीने की पहली तारीख को वेतन देना मुश्किल हो जाता है। मैं सरकारी कर्मचारियों से अपील करता हूं कि वे हर महीने की पहली तारीख को वेतन लेकर सरकार की सेवा करें। कभी–कभी, हमें रिजर्व बैंक से कर्ज लेना पड़ता है। मैं वित्तीय स्थिति के संबंध में सभी तथ्य और आंकड़े उनके सामने रखूंगा ताकि वे भुगतान पर अपने विचार दे सकें।

चंद्रबाबू नायुडू का ...

इससे पहले जनसेना पार्टी के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा था कि देश को सिर्फ दो नहीं, तमिल समेत अनेक भाषाओं की जरूरत है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि कुछ लोग हिंदी का विरोध क्यों कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि वही लोग फिल्मों को हिंदी में डब कर लाभ कमाने की अनुमति भी दे रहे हैं। किसी भी भाषा को जबरन थोपना या विरोध करना भारत की राष्ट्रीय और सांस्कृतिक एकता के लिए हानिकारक है।

कांग्रेस बोली-रेलवे ...

इधर, राज्यसभा में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने वॉकआउट किया। दोनों पार्टियों के सांसद डुप्लीकेट वोटर आईडी पर चर्चा की मांग कर रहे थे।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों के 10 सांसदों ने नियम 267 के तहत नोटिस दिया। इसके तहत उन्होंने मांग की कि सदन की दिनभर की कार्यवाही रोकी जाए और मुद्दे (डुप्लीकेट वोटर आईडी) पर चर्चा हो। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने इससे इनकार कर दिया।

बजट सत्र के दूसरे फेज के तीनों दिन (10, 11, 12 मार्च) डीएमके सांसदों ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) और ट्राई–लैंग्वेज को लेकर खूब हो–हल्ला किया। कांग्रेस ने गुजरात में भारत–पाक बॉर्डर पर अदाणी ग्रुप के रिन्युएबल एनर्जी प्रोजेक्ट को मंजूरी दिए जाने पर सवाल उठाया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल के पूरे सीजन से उमरान मलिक बाहर

कोलकाता ने चेतन सकारिया को किया शामिल; पहले नेट बॉलर के तौर पर शामिल थे

कोलकाता, 17 मार्च (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज उमरान मलिक आईपीएल-2025 के पूरे सीजन से चोट की वजह से बाहर हो गए हैं। लीग का यह सीजन 22 मार्च से शुरू होकर 25 मई तक चलेगा। कोलकाता नाइट राइडर्स ने उनकी जगह लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर चेतन सकारिया को टीम में शामिल किया गया है।

चेतन सकारिया भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुके हैं। सकारिया ने एक वनडे और दो टी-20 इंटरनेशनल मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वह 19 IPL मैच भी खेले हैं, जिनमें उन्होंने 20 विकेट लिए हैं। सकारिया को 75 लाख रुपए में टीम में शामिल किया है।

नेट गेंदबाज के तौर पर केकेआर से जुड़े थे चेतन सकारिया

चेतन सकारिया को आईपीएल-2025 के मेगा ऑक्शन में कोई भी खरीददार नहीं मिला था। इसके बाद सकारिया कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम में बतौर नेट गेंदबाज शामिल हुए थे। अब केकेआर ने उन्हें उमरान मलिक के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल कर लिया।

आईपीएल-2025 का पहला मैच खेलेगी केकेआर

आईपीएल का यह 18वां सीजन है, जो मार्च 22 से खेला जाना है। इस सीजन का पहला मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाना है।

यह मैच केकेआर के होम ग्राउंड ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। इस सीजन केकेआर की कमान अजिंक्य रहाणे को सौंपी गई है।

पहले ही मैच में अजिंक्य रहाणे रच देंगे इतिहास

तीन आईपीएल टीमों की कप्तानी करने वाले पहले खिलाड़ी

कोलकाता, 17 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 का आगाज 22 मार्च से होने जा रहा है, जहां पहले ही मैच में डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा। पिछले सीजन टीम को खिताब जिताने वाले श्रेयस अय्यर अब टीम के साथ नहीं हैं, जिसके बाद अजिंक्य रहाणे को टीम का नया कप्तान बनाया गया है। रहाणे के लिए आरसीबी के खिलाफ पहला ही मैच काफी खास होने वाला है, जहां वो एक खास रिकॉर्ड बना अपने नाम कर सकते हैं।

दरअसल इस मैच में उतरते ही रहाणे आईपीएल इतिहास के पहले भारतीय क्रिकेटर बन जाएंगे, जिन्होंने तीन आईपीएल टीमों की कप्तानी करेंगे। उन्होंने सबसे

पहले साल 2017 में पुणे सुपर जायंट्स के लिए कप्तानी की थी। इसके बाद उन्होंने 2018 में राजस्थान रॉयल्स की कमान संभाली थी। उन्होंने इस टीम के लिए 2019 में भी कप्तानी की।

ये विदेखी खिलाड़ी भी संभाल चुके तीन टीमों की कमान

आईपीएल के इतिहास में अब तक सिर्फ तीन खिलाड़ी ही तीन अलग-अलग टीमों की कमान संभाल चुके हैं। इनमें कुमार संगाकारा, महेला जयवर्धने और स्टीव स्मिथ का नाम शामिल है। जयवर्धने पंजाब किंग्स, कोच्चि टस्कर्स केरल और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रह चुके हैं, जबकि संगाकारा ने पंजाब किंग्स, डेक्कन चार्जर्स और सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी की है। इसके अलावा पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्मिथ पुणे वॉरियर्स इंडिया, राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स की कमान संभाल चुके हैं।

ऐसा रहा है रहाणे का करियर

आईपीएल में रहाणे का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। उन्होंने अब तक 185 मैचों की 171 पारियों में 30.14 की औसत से 4,642 रन बनाए हैं, जिसमें 2 शतक और 30 फिफ्टी शामिल हैं। इस दौरान उनका हाई-स्कोर नाबाद 105 रनों का रहा है। उन्होंने अब तक इस लीग में 478 चौके और 103 छक्के लगाए हैं, जहां उनका स्ट्राइक रेट 123.43 का रहा है। इंटरनेशनल क्रिकेट की बात करें तो रहाणे ने 14 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं, जिसमें 15 शतक और 51 अर्धशतक शामिल हैं।

इंडिया मास्टर्स बनी आईएमएल-2025 की चैंपियन

वेस्टइंडीज को हराया, रायपुर में सचिन ने दिलाई पुराने समय की याद

रायपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। वो धोनी नहीं, मगर उनके जैसा है. और, ये हमारा नहीं खुद महेंद्र सिंह धोनी का ही उसके बारे में कहना है. हम बात कर रहे हैं सचिन तेंदुलकर एंड कंपनी को इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 का खिताब जिताने वाले अंबाती रायडू की. 16 मार्च की शाम रायपुर के क्रिकेट मैदान पर आईएमएलटी 20 का फाइनल खेला गया, जिसमें अंबाती रायडू ने अपनी गजब की छाप छोड़ते हुए सचिन की टीम इंडिया मास्टर्स को चैंपियन बनाया. फाइनल में इंडिया मास्टर्स ने वेस्टइंडीज मास्टर्स को 6 विकेट से हराया. इस फाइनल फतेह के बाद सचिन ने ट्रॉफी उठाई और अंबाती रायडू ने 50-50 हजार रुपये के कई सारे चेक जीते.

अंबाती ने फाइनल में खेली जबरदस्त पारी

फाइनल में वेस्टइंडीज मास्टर्स को सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली इंडिया मास्टर्स हराने में

कामयाब रही, क्योंकि अंबाती रायडू के बल्ले से एक जबरदस्त इनिंग देखने को मिली. वेस्टइंडीज से मिले 149 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अंबाती रायडू ने सचिन के साथ 65 रन की ओपनिंग साझेदारी की. सचिन तो 18 गेंदों में 25 रन बनाकर आउट हो गए मगर अंबाती के बल्ले का गरजना जारी रहा. उन्होंने 50 गेंदों का सामना करते हुए 148 की स्ट्राइक रेट से 74 रन बनाए, जिसमें 3 छक्के और 9 चौके शामिल रहे.

इस वजह से अंबाती को मिला पहला चेक

अंबाती रायडू इंडिया मास्टर्स की ओर से आउट होने वाले तीसरे बल्लेबाज रहे. वो जब आउट हुए टीम जीत के करीब पहुंच चुकी थी. उसने 14.5 ओवर में 127 रन बना लिए थे. उनकी इनिंग मैच विनिंग रही, जिसके लिए उन्हें इंडिया मास्टर्स के चैंपियन बनने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. इसके लिए अंबाती को 50000 रुपये का पहला चेक मिला.

50-50 हजार रुपये के बाकी चेक मिलने की वजह

अंबाती रायडू को 50000 रुपये का दूसरा चेक फाइनल मैच में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के लिए मिला. उन्होंने कुल 3 छक्के लगाए, जो कि मैच में बाकी किसी भी बल्लेबाज की तुलना में ज्यादा थे. इसके अलावा तीसरा 50000 रुपये का चेक अंबाती को मास्टरस्ट्रोक ऑफ द मैच बनने के लिए भी मिला.

अंबाती मेरे जैसा, फोन भी यूज नहीं करता- धोनी

मतलब कुल मिलाकर सचिन की अगुवाई वाली इंडिया मास्टर्स को खिताबी जीत दिलाकर अंबाती रायडू ने डेढ़ लाख रुपये कमा लिए. ये वही अंबाती रायडू हैं, जिनकी तारीफ में उनके आईपीएल से संन्यास के बाद धोनी ने कहा था कि वो बिल्कुल मेरे जैसा है. धोनी ने तब कहा था कि अंबाती भी फोन यूज नहीं करते और मैदान पर 100 फीसद देने की कोशिश करते है.

विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेल

भारत ने 33 पदक के साथ खत्म किया अभियान, जीते आठ स्वर्ण

तूरिन, 17 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने अंतिम दिन चार स्पर्धाओं में 12 पदक जीतकर इटली के तूरिन में चल रहे विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में अपना अभियान कुल 33 पदकों के साथ खत्म किया। भारत ने आठ स्वर्ण, 18 रजत और सात कांस्य पदक जीते।

स्नोशूइंग में भारत ने पहले जीते गए छह पदक में चार और पदक जोड़े। वासु तिवारी, शालिनी चौहान और तान्या ने 25 मीटर स्नोशूइंग स्पर्धा में रजत पदक जीता जबकि जहांगीर ने इसी वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। अल्पाइन स्कीइंग वर्ग में भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया जिसमें राधा देवी और निर्मला देवी ने इंटरमीडिएट स्लालोम (क्रमशः एफ01 और एफ04) में रजत पदक जीते जबकि अभिषेक कुमार ने नोविस स्लालोम (एम02) में एक और रजत पदक हासिल किया।

आकृति ने क्रॉस कंट्री स्कीइंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 मीटर क्लासिकल टेक्नीक (एफ02 वर्ग) में कांस्य पदक जीता। फ्लोरबॉल स्पर्धा में भारतीय महिला टीम ने कांस्य पदक जीता। भारत ने स्नोशूइंग और अल्पाइन स्कीइंग में 10-10 पदक जीते जबकि स्नोबोर्डिंग में छह पदक हासिल किए। शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग, क्रॉस कंट्री स्कीइंग और फ्लोरबॉल ने देश को क्रमशः चार, दो और एक पदक दिलाया।

आईपीएल के लिए क्रिकेटर ने पाकिस्तानी लीग छोड़ी

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीकी ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश ने इंडियन प्रीमियर लीग खेलने के लिए पाकिस्तान की सुपर लीग छोड़ने का फैसला किया है। उन्हें मुंबई इंडियन ने इस सीजन के लिए अपनी स्क्वॉड में शामिल किया है। बॉश के फैसले से नाराज पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा गया है। कॉर्बिन पर कॉन्ट्रैक्ट नियमों के उल्लंघन का आरोप है। पीसीबी ने कॉर्बिन से कहा है कि वे अपने फैसले पर जवाब दें।

पाकिस्तान सुपर लीग की फ्रेंचाइजियों को और विदेशी खिलाड़ियों के पीएसएल छोड़ने का डर सता रहा है।

फ्रेंचाइजियों का मानना है कि अगर बॉश पर पीसीबी कोई कानूनी करवाई नहीं करता या सख्त कदम नहीं उठाता है तो भविष्य में और खिलाड़ी पीएसएल के लिए साइन करने के बावजूद मौका मिलने पर आईपीएल में जा सकते हैं।

भारत से मिली हार नहीं पचा पा रहे न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन?

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन रविवार को पांच दिवसीय भारत दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और आर्थिक साझेदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की। मुलाकात के बाद पीएम लक्सन ने मीडिया को संबोधित किया और चैंपियंस ट्रॉफी में भारत से मिली हार का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहते हैं कि उन्होंने बातचीत के दौरान न्यूजीलैंड की हार का जिक्र नहीं किया।

संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन ने कहा कि मैं वास्तव में सराहना करता हूं कि पीएम मोदी ने भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की चैंपियंस ट्रॉफी की हार का मुद्दा नहीं उठाया और मैंने भारत में हमारी टेस्ट जीत का मसला नहीं उठाया। आइए, इसे ऐसे ही रहने देते हैं। इस पर

प्रेस वार्ता के दौरान किया मैच का जिक्र

पीएम मोदी समेत वहां मौजूद सभी लोग हंस पड़े।

भारत ने दुबई में खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया और 12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया था। न्यूजीलैंड ने भारत के सामने जीत के लिए 252 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे भारत ने एक ओवर शेष रहते हासिल किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने सात विकेट गंवाकर 50 ओवर में 251 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने 49 ओवर में छह विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। रोहित ने कप्तानी पारी खेली। उन्होंने 76 रन बनाकर भारत को मुश्किल से निकाला। यह भारत की सातवीं आईसीसी ट्रॉफी है। इससे पहले टीम 1983 और 2011 वनडे विश्व कप, 2007 और 2024 टी20 विश्व कप और 2002, 2013 और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत चुकी है। भारत इस पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहा। उसने लगातार पांच मैच जीते।

इससे पहले न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर आई थी जहां टीम ने मेजबानों को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-3 से हराया था।

लैंडो नौरिस ने जीती ऑस्ट्रेलियाई ग्रां प्री

सात बार के चैंपियन लुइस हेमिल्टन 10वें स्थान पर

मेलबर्न, 17 मार्च (एजेंसियां)। मैकलारेन के लैंडो नौरिस ने वर्षाबाधित ऑस्ट्रेलियाई ग्रां प्री जीत ली। फेरारी के साथ डेब्यू करने वाले सात बार के चैंपियन लुइस हेमिल्टन की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह 10वें स्थान पर रहे। वहीं, रेडबुल के मैक्स वेरस्टाप्पेन मामूली अंतर से चूक गए। सत्र की पहली रेस 2010 के बाद पहली बार मेलबर्न में बारिश के बीच आयोजित की गई। वेरस्टाप्पेन पहला स्थान पाने से 0.865 सेकेंड से चूक गए। मर्सीडीज के जॉर्ज रसेल तीसरे स्थान पर रहे। मैकलारेन ने ऑस्ट्रेलिया ग्रां प्री में 12वीं बार जीत दर्ज करके फेरारी का रिकॉर्ड भी तोड़ा। उसके दूसरे ड्राइव आंद्रिया किमि एंटोनेली पांचवें स्थान पर रहे।

कोहली गेंदबाज बुमराह को मानते है सबसे कठिन, खेलना नहीं होता आसान

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में धमाल मचाने के बाद अब आईपीएल 2025 के लिए पूरी तरह तैयार हैं। विराट आरसीबी कैंप से जुड़ चुके हैं और नेट्स पर जमकर प्रैक्टिस कर रहे हैं। आईपीएल 2025 सीजन-18 की शुरुआत 22 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मैच से होगी। वहीं, अब आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बताया कि उनके लिए किस गेंदबाज को खेलना सबसे ज्यादा कठिन होता है। आईपीएल 2025 से पहले विराट कोहली का एक इंटरव्यू सामने आया है। जिसमें उन्होंने सबसे टफ और मजेदार गेंदबाज के बारे में बात की। विराट कोहली ने बताया जसप्रीत बुमराह

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। जब भी मैं उनका सामना करता हूं, तो मैं कहता हूं 'हां, यह मजेदार होगा'। वह मेरे लिए सबसे मजेदार और सबसे कठिन चुनौती है। अक्सर आईपीएल के दौरान ही इन दोनों खिलाड़ियों को एक-दूसरे का सामना करते हुए देखा जाता है। अब आईपीएल 2025 में फिर से ये दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे का सामना करने के लिए तैयार हैं। जहां एक तरफ विराट कोहली आरसीबी के लिए खेलते हैं तो वहीं आईपीएल में जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस का हिस्सा है।

जसप्रीत बुमराह इन दिनों क्रिकेट मैदान से दूर चल रहे हैं। उनको आखिरी बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हुए देखा गया था। इस सीरीज के दौरान बुमराह इंजर्ड हो गए थे। पीठ में ऐंठन की समस्या के चलते बुमराह को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से भी बाहर रहना पड़ा था। वहीं रिपोर्ट्स सामने आ रही है कि बुमराह आईपीएल के शुरुआती मैचों से बाहर रह सकते है, जो मुंबई इंडियंस की कहीं न कहीं टेंशन को बढ़ा रहा है।

रोहित शर्मा के 2027 तक खेलने पर हरभजन सिंह ने कहा 'यह बहुत दूर की बात'

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया ने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब अपने नाम किया था। रोहित की कप्तानी में ये टीम इंडिया की 1 साल के अंदर दूसरी आईसीसी ट्रॉफी है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले रोहित शर्मा को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी कि भारतीय कप्तान वनडे क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं, लेकिन खिताब जीतने के बाद रोहित ने अपने बयान से इन सब अटकलों पर विराम लगा दिया था। रोहित ने कहा था कि वे अभी कोई रिटायरमेंट का प्लान नहीं बना रहे हैं उन्होंने वनडे विश्व कप 2027 तक खेलने की इच्छा जाहिर की थी। जिसको लेकर अब पूर्व भारतीय दिग्गज स्पिन गेंदबाज हरभजन सिंह ने थोड़ा संदेह जताया है। ईएसपीएन

से बातचीत करते हुए हरभजन सिंह ने बताया "मुझे लगता है कि अगर उनके लिए कुछ हासिल करना बाकी है तो वह है 50 ओवर का विश्व कप। वह शायद जीतना चाहेंगे लेकिन इसके लिए अभी ढाई साल का समय है। यह बहुत दूर की बात है, उन्हें देखना होगा कि उनकी फिटनेस कैसी है। अगर वह अब भी ऐसा कर सकता है तो उसे इसके लिए कड़ी मेहनत करनी होगी और अगर वह कड़ी मेहनत करेगा तो वह खेलेगा। विराट कोहली के साथ भी यही स्थिति है।"

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीतने के बाद रोहित शर्मा ने कहा था "मैंने अभी सभी विकल्प खुले रखे हैं। मैं देखना चाहता हूं कि कितना अच्छा खेल रहा हूं। हालांकि मैं अभी 2027 के बारे में नहीं सोच रहा हूं वो काफी दूर है।"

रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया वनडे विश्व कप 2023 का खिताब जीतने से चूक गई थी। इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इस हार को भारतीय फैंस आजतक नहीं भुला पाए हैं। इसके बाद साल 2024 में टी20 विश्व कप खेला गया।

नई-नई हुई है शादी, आईपीएल 2025 में 'लेडी लक' के साथ उतरेंगे इतने सारे खिलाड़ी

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। नया साल, नया आईपीएल सीजन और नई-नई शादी. ये कहानी है उन खिलाड़ियों की जो आईपीएल 2025 में लेडी लक के साथ उतरने वाले हैं. शादी-शुदा ग्रुप में नए-नए शामिल खिलाड़ियों में कुछ बड़े नाम हैं तो कुछ ऐसे जो उतने बड़े स्टार नहीं. किसी ने अपनी गर्लफ्रेंड को ही जीवनसाथी बनाया है तो किसी ने घरवालों की पसंद की हुई लड़की के साथ ब्याह रचाया है. आज हम उन देसी-विदेशी खिलाड़ियों की बात कर करने जा रहे हैं, जिन्होंने आईपीएल 2025 से पहले शादी की है.

राशिद खान ने की शादी

आईपीएल 2025 से पहले शादी के बंधन में बंधने वाले सबसे बड़े खिलाड़ी राशिद खान है. इन्होंने 3 अक्टूबर 2024 को काबुल में निकाह किया. रिपोर्ट्स के मुताबिक राशिद ने जिस लड़की से शादी की वो उन्हीं की रिश्तेदारी में है. क्रिकेट की दुनिया के नामचीन लेग स्पिनर राशिद खान आईपीएल में गुजरात टाइटंस टीम का हिस्सा हैं.

डेविड मिलर ने गर्लफ्रेंड को बनाया हमसफर

विदेशी खिलाड़ियों की शादी की बात चली ही है तो उनमें एक और बड़ा नाम डेविड मिलर का है, जिन्होंने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड को जीवनसाथी बनाया है. मिलर ने कैमिला हैरिस के साथ 28 मई 2024 को ब्याह रचाया. आईपीएल 2025 में डेविड मिलर लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा हैं. एलएसजी ने उन्हें 7.5 करोड़ रुपये में खरीदा है.

वेंकटेश अय्यर भी शादी के बाद खेलेंगे पहला आईपीएल

भारतीय क्रिकेटरों में वेंकटेश अय्यर ने भी आईपीएल 2025 से पहले शादी कर ली है. उन्होंने केकेआर के साथ आईपीएल 2024 का खिताब जीतने के तुरंत बाद ये मंगल कार्य किया. 2 जून 2024 को वेंकटेश अय्यर ने श्रुति रघुनाथन के साथ शादी की. श्रुति का साथ मिलने के बाद एक बार तो आईपीएल 2025 के ऑक्शन में वेंकटेश की किस्मत चमक चुकी है, जहां केकेआर ने उन्हें 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा. अब देखना है कि IPL 2025 के मैदान पर ये लेडी लक वेंकटेश अय्यर के कितने काम आता है.

चेतन साकरिया से मोहसिन खान तक ने की शादी

चेतन साकरिया भी आईपीएल 2025 में केकेआर से जुड़े हैं. उन्हें उमरान मलिक के रिप्लेसमेंट के तौर पर 75 लाख रुपये में लिया गया है. उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड मेघना जामबूचा से शादी की है.

मोहसिन खान ने 11 नवंबर 2024 को शादी की. बाएं हाथ का ये तेज गेंदबाज आईपीएल 2025 में एलएसजी का हिस्सा है. फ्रेंचाइजी ने इन्हें खरीदने के लिए 4 करोड़ रुपये खर्च किए हैं. हालांकि, ये खेलेंगे या नहीं उनकी आने वाली फिटनेस रिपोर्ट पर होना है.

हरप्रीत ब्रार ने की शादी,

जितेश शर्मा ने सगाई

हरप्रीत ब्रार आईपीएल 2025 से पहले शादी वाले क्लब में शामिल हुए सबसे लेटेस्ट सदस्य हैं. उन्होंने मॉली संधू के साथ शादी की, जिनके इंस्टाग्राम अकाउंट से पता चलता है कि वो पेशे से डॉक्टर हैं. ये शादी मार्च 2025 में हुई. यानी, आईपीएल 2025 के आगाज से ठीक पहले. हरप्रीत ब्रार आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स का हिस्सा हैं.

आरसीबी के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने शादी भले नहीं की पर सगाई करके इन्होंने भी आईपीएल 2025 में लेडी लक लेने का इंतजाम कर लिया है. इन्होंने अगस्त 2024 में सगाई की है. पिछले सीजन पंजाब किंग्स का हिस्सा रहे जितने को आरसीबी ने 11 करोड़ रुपये में खरीदा है.

स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा नीति सस्ती एवं प्रदूषण मुक्त ऊर्जा उपलब्ध कराएगी : भट्टी

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना राज्य में सस्ती एवं प्रदूषण मुक्त ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए जन सरकार ने व्यापक हरित ऊर्जा नीति लाई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत हरित ऊर्जा नीति ने कई निवेशकों को आकर्षित किया है, जो इस क्षेत्र में 80,000 करोड़ रुपये से 1 लाख करोड़ रुपये तक का निवेश करने के लिए आगे आए हैं और कुछ कंपनियों ने पहले ही समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर लिए हैं। भट्टी ने बताया कि यद्यपि ऊर्जा क्षेत्र में दुनिया भर में कई बदलाव हुए हैं, लेकिन पिछले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में कोई नीति नहीं बनाई गई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 2030 तक 20,000 मेगावाट और 2040 तक 40,000 मेगावाट हरित ऊर्जा पैदा करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। विधान परिषद में सोमवार को एमएलसी बालमुरु वेंकट, महेश कुमार गौड़, कलवाकुंतला कविता और भानु प्रसाद द्वारा हरित ऊर्जा नीति पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सौर, पवन, हरित हाइड्रोजन और अन्य श्रेणियों के माध्यम से हरित ऊर्जा पैदा करने की योजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा, सरकार स्टांप शुल्क की प्रतिपूर्ति और उदारीकृत एनएएलए रूपांतरण की सुविधा के अलावा हरित ऊर्जा में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से मंजूरी दे रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने मांग को पूरा करने के लिए सरकार, बंदोबस्ती विभाग और सिंचाई विभाग के अंतर्गत खाली पड़ी जमीनों का उपयोग कर सौर और फ्लोटिंग सौर ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हरित बिजली पैदा करने की योजना बनाई है। ऊर्जा मंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों और जेनको के बीच 1000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को उद्योगपति बनने के लिए अपनी खाली पड़ी जमीनें पट्टे पर दे रही है और वह महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित सौर ऊर्जा को वापस भी खरीदेगी। उन्होंने कहा कि इसी तरह, इन क्षेत्रों में युवाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, जिन लोगों को सरकारी नौकरी नहीं मिली, उनके पास बैंकों के सहयोग से हरित ऊर्जा पैदा करने का अवसर है। सरकार न केवल राज्य में बल्कि देश में जहां भी संभव है, हरित ऊर्जा

तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है। इसके तहत हाल ही में राजस्थान सरकार के साथ सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए समझौता किया गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीकरण में कर माफ कर दिया गया है और इसके परिणामस्वरूप राज्य में उनकी बिक्री में वृद्धि हुई है। वर्तमान में राज्य में 8,938 मेगावाट हरित ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है और 2040 तक यह 40,000 मेगावाट तक पहुंच जाएगा। यदि कोई लंबी दूरी के यात्रियों को ध्यान में रखते हुए विद्युत चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए आगे आता है, तो सरकार सभी अनुमतियां देगी। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार सभी प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को शहर से हटाकर ओआरआर के बाहर ले जाने की योजना बना रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यदि विधायक और एमएलसी इच्छुक हैं, तो हरित ऊर्जा नीति पर एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी और नई शुरू की गई हरित ऊर्जा नीति की पूरी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध है।

बीएनएस की धारा 111 का इस्तेमाल अनुचित

वरिष्ठ पत्रकार की गिरफ्तारी में कोर्ट का फैसला

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की एक स्थानीय अदालत ने फैसला सुनाया कि एक मीडिया कंपनी की प्रबंध निदेशक रेवती पोगदंडा और कर्मचारी थानवी यादव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 111 को लागू करना अनुचित था और इसे रद्द कर दिया। दोनों महिला पत्रकारों को इस महीने की शुरूआत में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ अपमानजनक सामग्री प्रसारित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

रेवती ने कथित तौर पर अपने चैनल पर एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें एक बुजुर्ग किसान मुख्यमंत्री के खिलाफ टिप्पणी कर रहा था। कांग्रेस कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर उनके और समाचार चैनल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

नवजात शिशु का मिला जला हुआ शव

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को अशोक नगर में एनटीआर स्टेडियम के पास सड़क किनारे कचरे में एक नवजात शिशु का जला हुआ शव मिला। स्थानीय लोगों ने जब शव को जलता हुआ देखा तो उन्होंने डोमलगुडा पुलिस को सूचना दी, जिन्होंने शव को पोस्टमार्टम और संरक्षण के लिए गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। पुलिस को संदेह है कि नवजात को मौत के बाद फेंक दिया गया और जला दिया गया। वे माता-पिता का पता लगाने के लिए आस-पास के अस्पतालों और नर्सिंग होम में दर्ज हाल की डिलीवरी के रिकॉर्ड की जांच कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति को घटनास्थल के पास हाथ में कुछ लेकर संदिग्ध अवस्था में घूमते देखा गया।

मुख्यमंत्री रेवंत ने 'राजीव युवा विकासम' का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को विधानसभा परिसर में "राजीव युवा विकासम" नामक एक नई पहल का शुभारंभ किया। इस योजना का उद्देश्य तेलंगाना में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), पिछड़ा वर्ग (बीसी) और अल्पसंख्यक समूहों के बेरोजगार युवाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

कार्यक्रम के दौरान रेवंत रेड्डी ने कहा कि राजीव युवा विकासम योजना के तहत अर्हता प्राप्त करने वालों को 50,000 रुपये से लेकर 4 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा, सरकार 2 जून को लाभार्थियों की सूची जारी करने की योजना बना रही है, जिसमें नई पहल से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 4,000 से 5,000 व्यक्तियों की सहायता की उम्मीद है। यह योजना उन लोगों के लिए है जो वास्तव में बेरोजगार हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि लोगों की सरकार ने किसी भी संभावित अनियमितता को कम करने के लिए नौकरी की भर्ती और शिक्षक स्थानांतरण में पारदर्शिता को बरकरार रखा है। उन्होंने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि योजनाओं को पारदर्शी तरीके से क्रियान्वित किया जाए ताकि हम लोगों को प्रभावी शासन प्रदान कर सकें।

राजीव युवा विकासम हमारी पार्टी तक सीमित नहीं है, यह लोगों के लिए एक योजना है।

जगतियाल किसान नेता हिरासत में

पेद्दापल्ली, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। किसान नेता और पूर्व सरपंच वन्थदुपुला नागराजू को सोमवार को एहतियातन हिरासत में ले लिया गया, क्योंकि किसानों ने प्रजावाणी कार्यक्रम में जिला अधिकारियों को फसल ऋण माफी के कार्यान्वयन की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने की योजना बनाई थी। मल्लापुर मंडल के मोगिलीपेटा के 300 किसानों में से एक भी किसान का फसल ऋण अभी तक माफ नहीं हुआ है। हाल ही में नागराजू ने गांव में एक विशेष शिविर का आयोजन किया, जिसमें 100 से अधिक किसानों ने आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने आवेदन जमा किए।

किसानों ने सोमवार को प्रजावाणी के दौरान जिला प्रशासन को सभी आवेदन सौंपने का फैसला किया था। हालांकि, पुलिस ने नागराजू को एहतियातन हिरासत में लेकर थाने में भेज दिया। मीडिया से बात करते हुए नागराजू ने स्पष्ट किया कि किसानों की समस्याओं से पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा कि अवैध गिरफ्तारियां उन्हें रोक नहीं पाएंगी।

मिर्च किसानों के लिए बीआरएस एमएलसी ने किया अनोखा विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। के कविता के नेतृत्व में बीआरएस के विधान परिषद सदस्यों ने सोमवार को परिषद परिसर में मिर्च की माला पहनकर एक अनूठा विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य राज्य में मिर्च किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार से 25,000 रुपये का लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराने की मांग करना था।

उन्होंने बताया कि पिछले सीजन में मिर्च की खेती 4 लाख एकड़ क्षेत्र में की गई थी, लेकिन इस सीजन में कीमतों में भारी गिरावट के कारण 2.4 लाख एकड़ क्षेत्र कम हो गया है।

बीआरएस एमएलसी ने मांग की कि राज्य सरकार कम से कम अब तो जवाब दे और केंद्र पर दबाव बनाए तथा सरकार नैफेड और मार्कफेड के माध्यम से 25,000 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मिर्च खरीदे। उन्होंने यह भी मांग की कि सरकार तेलंगाना मिर्च के निर्यात के लिए कदम उठाए तथा मसाला बोर्ड की खाद्य फसलों की सूची में तेलंगाना मिर्च को शामिल करे।

अमेरिका में सड़क दुर्घटना : शादनगर के तीन लोगों की मौत

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शादनगर के तीन सदस्यीय परिवार की संयुक्त राज्य अमेरिका में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई।

जानकारी के अनुसार, प्रगति रेड्डी (35), उनके बेटे हरवीन (6) और सास सुनीता (56) की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। प्रगति रेड्डी शादनगर निर्वाचन क्षेत्र के कोंडुरगु मंडल के टेकुलापल्ली गांव के पूर्व सरपंच मोहन रेड्डी की बेटी थीं। जानकारी के अनुसार 16 मार्च को परिवार के सदस्य कार से जा रहे थे और गलत रास्ते पर चल रही एक अन्य कार ने कार को टक्कर मार दी, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि प्रगति रेड्डी तीन महीने पहले ही अमेरिका लौटी थीं।

उनकी शादी सिद्दीपेट जिले के बकरीचेप्रियल गांव के रोहित रेड्डी से हुई थी और वे संयुक्त राज्य अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में रह रही थीं। दुर्घटना की खबर से शादनगर निर्वाचन क्षेत्र के टेकुलापल्ली गांव में दुख की छाया छा गई है।

जन प्रतिनिधियों से अनुशंसा पत्र स्वीकार करेगा टीटीडी

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अधिकारियों द्वारा तेलंगाना के जनप्रतिनिधियों (विधायकों और सांसदों) से दर्शन अनुरोध पत्र स्वीकार नहीं करने पर उठे विवाद के बीच, बोर्ड ने घोषणा की है कि अनुशंसा पत्र प्रस्तुत करने वाले भक्तों को 24 मार्च से वीआईपी दर्शन की अनुमति दी जाएगी। तिरुमाला में भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के वीआईपी ब्रेक दर्शन के लिए पत्र पर निर्भर रहने वाले भक्तों को अब से हर सप्ताह केवल सोमवार और मंगलवार को ही मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। 300 रुपये के विशेष प्रवेश दर्शन के लिए अनुशंसा पत्र वाले भक्तों को बुधवार और गुरुवार को अनुमति दी जाएगी।

यह ध्यान देने योग्य बात है कि सप्ताह के निर्धारित दिनों में प्रतिदिन केवल एक अनुशंसा पत्र पर ही विचार किया जाएगा। एक पत्र पर अधिकतम छह भक्तों को अनुमति दी जाएगी। यह घोषणा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू द्वारा बोर्ड को मंदिर में वीआईपी दर्शन के लिए तेलंगाना के जनप्रतिनिधियों के अनुशंसा पत्रों पर विचार करने के निर्देश के बाद की गई है। इससे पहले तेलंगाना के श्रद्धालुओं ने शिकायत की थी कि टीटीडी अधिकारी किसी भी सिफारिश पत्र प्राप्त करने से इनकार करते रहे।

ट्रेन परिचालन में सुरक्षा सर्वोपरि : अरुण जैन

महाप्रबंधक ने सुरक्षा और समय की पाबंदी पर विस्तृत समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे अरुण कुमार जैन ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में ट्रेन परिचालन की सुरक्षा और समय की पाबंदी पर विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ डिवीजनों के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने ट्रेन परिचालन की सुरक्षा और सुचारू संचालन पर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने समीक्षा के दौरान इस बात पर जोर दिया कि ट्रेन परिचालन में सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने और फील्ड स्तर पर नियमित परामर्श आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) और लेवल क्रॉसिंग

पर पालन किए जाने वाले सुरक्षा दिशा-निर्देशों को दोहराने का भी निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को आरयूबी और रेलवे ट्रैक की अधिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आरयूबी पर कम से कम दो हाईट गेज प्रदान करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को बढ़ी हुई सुरक्षा के लिए ट्रैक के साथ गति संकेतक बोर्डों की अच्छी दृश्यता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। श्री अरुण कुमार जैन ने चालक दल के काम के घंटों पर जोर देते हुए अधिकारियों को ट्रेन की आवाजाही पर गहन अध्ययन करने और चालक दल के काम के घंटों को सुव्यवस्थित करने का निर्देश दिया ताकि लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और गार्ड आदि को आराम का निर्धारित समय प्रदान किया जा सके। उन्होंने डीआरएम को ड्यूटी पर जाने से पहले लोको स्टाफ को अग्रिम अलर्ट कॉल भेजने का विश्लेषण करने, ड्यूटी पर जाने से पहले कर्मचारियों को कम से कम परेशानी सुनिश्चित करने के लिए अलर्ट कॉल को संशोधित करने के लिए एक व्यवस्थित योजना बनाने की भी सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को चालक दल लॉबी में उचित सफाई और स्वच्छ भोजन आदि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने समय पालन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी संबंधित विभागों को शामिल करते हुए एक एकीकृत योजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि यात्री/मालगाड़ी परिचालन की समय पालनता में और सुधार हो सके।

उस्मानिया विश्वविद्यालय में तनाव

पुलिस ने प्रदर्शनकारी छात्रों को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में तनाव व्याप्त हो गया, जब स्थानीय पुलिस ने ऐतिहासिक आर्ट्स कॉलेज से कई छात्रों को घसीटा, जो तेलंगाना आंदोलन का केंद्र था। पुलिस ने परिसर में सोमवार को विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने वाले विश्वविद्यालय के परिपत्र के विरोध में बंद का आह्वान करने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

बड़ी संख्या में पुलिस ने आर्ट्स कॉलेज की इमारत में प्रवेश किया और कम से कम पांच एबीवीपी छात्र कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ़्तारियों के वीडियो व्यापक रूप से प्रसारित किए गए। पुलिस ने सर्कुलर को तत्काल वापस लेने की मांग को लेकर आर्ट्स कॉलेज से रैली निकालने पर संयुक्त कार्रवाई समिति के कई नेताओं को भी गिरफ्तार कर लिया। एबीवीपी के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य और तेलंगाना विश्वविद्यालय समन्वयक जीवन ने कहा कि पुलिस की गिरफ्तारियां उन्हें परिसर में अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लड़ने से नहीं रोक पाएंगी। अगले 24 घंटों में परिपत्र को वापस लेने की मांग करते हुए जीवन ने कहा कि यदि इसे वापस नहीं लिया गया तो छात्र इसके खिलाफ पूरी ताकत से लड़ेंगे।

केटीआर ने की पत्रकारों की गिरफ्तारी की निंदा

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने पत्रकार रेवती पोगदादंडा और तनवी यादव की गिरफ़्तारी के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की और इसे प्रेस की आज़ादी पर हमला बताया।

उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर असहमति को दबाने और आपातकाल के दौर की मानसिकता के साथ शासन करने का आरोप लगाया।

उन्होंने पूर्व मंत्रियों पी सबिता इंद्र रेड्डी, वी सुनीता लक्ष्मा रेड्डी और एमएलसी दासोजू श्रवण के साथ सोमवार को चंचलगुडा महिला जेल में पत्रकारों से मुलाकात के बाद पूछा कि लोगों का मानना था कि इंदिराम्मा राज्यम का मतलब कल्याणकारी राज्य है। लेकिन आज, यह हमें आपातकाल के काले दिनों की याद दिलाता है। क्या यही राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान का मतलब है- सरकार से सवाल पूछने पर पत्रकारों को जेल में डालना? मीडिया से बात करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पत्रकारों, खासकर यूट्यूब चैनलों को जनता के असंतोष को उजागर करने के लिए व्यवस्थित रूप से निशाना बना रही है।

यूओएच में जमीन की नीलामी के फैसले के खिलाफ लगे बैनर

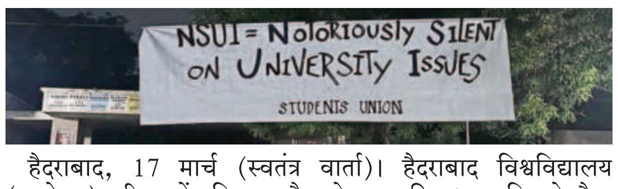

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) परिसर में रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि को बैनर लगाए गए, जिनमें विश्वविद्यालय की 400 एकड़ जमीन की नीलामी के कांग्रेस सरकार के फैसले का विरोध किया गया। छात्र संघ के बैनरों पर विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर नारे लिखे थे- यह कैसा राज्य है..? रियल एस्टेट के सौदे #सेवएचसीयू, लाभ से अधिक लोग, कॉर्पोरेट से अधिक शिक्षा, अतिक्रमणकारियों का विरोध किया जाएगा, एक इंच आगे नहीं, एक इंच पीछे नहीं, एनएसयूआई- विश्वविद्यालय के मुद्दों पर कुख्यात मौन।

बैनरों में सीधे तौर पर राज्य सरकार के उस कदम पर निशाना साधा गया जिसमें विश्वविद्यालय की भूमि को कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए नीलाम करने की बात कही गई थी। सोमवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में, स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी (एचसीयू) उर्फ यूओएच ने कहा कि राज्य सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। इससे पहले, यूओएच छात्र संघ के नेतृत्व में कई छात्रों ने मशरूम रॉक में सरकार के खिलाफ़ एक विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। छात्र संघ ने कहा कि भूमि नीलामी से पारिस्थितिक असंतुलन पैदा होगा और परिसर में वनस्पतियों और जीवों को नुकसान पहुंचेगा और नीलामी को तत्काल रद्द करने की मांग की।

अब 'ईट राइट कैंपस' प्रमाणन अनिवार्य

हैदराबाद, 17 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आधुनिक कामकाजी परिस्थितियों ने नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन में कम से कम एक बार ऑफिस कैफेटेरिया, कॉलेज कैंटीन में खाना या दोपहर के भोजन के लिए किसी खाद्य वितरण प्रणाली पर निर्भर रहना अनिवार्य बना दिया है।

हालांकि, क्या इससे यह सुनिश्चित होता है कि हम जो खाना ऑफिस, स्कूल, अस्पताल और अन्य निजी और सरकारी संस्थानों के परिसरों में कैंटीन/कैफेटेरिया में खाते हैं वह सुरक्षित और स्वस्थ है?

यह सुनिश्चित करने के लिए कि ऐसे परिसर सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन परोसने के लिए समुचित रूप से सुसज्जित हों, देश में शीर्ष खाद्य नियामक, भारतीय खाद्य एवं सुरक्षा मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) संस्थानों को 'ईट राइट कैंपस' प्रमाणन प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर रहा है। 'ईट राइट कैंपस' प्रमाणन के तहत, जो एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम है, चार अलग-अलग मापदंडों पर मानक बनाए गए

हैं, जिनके आधार पर परिसरों का मूल्यांकन और प्रमाणन किया जाता है। चार मापदंडों में खाद्य सुरक्षा उपाय, स्वस्थ और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कदम और परिसर में व्यक्तियों के बीच सही खाद्य विकल्प चुनने के लिए जागरूकता बढ़ाना शामिल है।

खाद्य विनियामकों ने एक विस्तृत चेकलिस्ट तैयार की है, जिसमें परिसर द्वारा अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं को रेखांकित किया गया है। इन प्रथाओं में परिसर में खाद्य सेवा प्रदाताओं के लाइसेंस और पंजीकरण जैसे अनिवार्य कदम और खाद्य सुरक्षा और मानक (एफएसएस) अधिनियम, 2006 की अनुसूची 4 के अनुसार खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों का अनुपालन शामिल है। इसमें स्थानीय और मौसमी भोजन को बढ़ावा देने और अस्वास्थ्यकर भोजन विकल्पों को सीमित करने जैसी स्थायी खाने की आदतें बनाने के कदम भी शामिल हैं।

इस कार्यक्रम में नामांकन के बाद, परिसर को एफएसएसएआई द्वारा सूचीबद्ध किसी एजेंसी द्वारा स्व-मूल्यांकन या तीसरे पक्ष द्वारा ऑडिट से गुजरना होगा, जो कमियों और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करेगा। बाद में, कार्यालयों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों आदि में परिसरों के प्रबंधन को इन कमियों को दूर करना होगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.